



परम पूज्य तपश्चर्या-चक्रवर्ती पट्टाधीशाचार्यश्री
सुविधिसागर जी महाराज

के

50 वें जन्मदिवस के पावन अवसर पर
सुविधि-परिवार के द्वारा आयोजित

जिनवाणी-महोत्सव



सहस्रग्रन्थसंग्रह

* जन्मदिवस 19-03-1971

* मुनिदीक्षा-11-05-1989

* आचार्यपद- 20-06-2004

पट्टाधीशपद- 24-12-2010 (20-06-2004 को की गई उद्घोषणा के अनुसार)

परम पूज्य आचार्यश्री सन्मत्तिसागर जी महाराज के द्वारा की गई उद्घोषणा:-

हमारी समाधि के पश्चात् आपको इस संघ के संचालकपद पर नियुक्त करते हैं।

(अंकलीकर वाणी-जुलाई 2004) (अक्षयज्योति-अक्तूबर 2004)



ग्रन्थनामावलि



मुद्रक
ऐलक पन्नालाल दिगम्बर जैन सरस्वती भवन
झालशपाटन (राजस्थान)

(परम्परानायक)



(द्वितीय पट्टाधीश)



परम पूज्य तीर्थभक्त-शिरोमणि,
आचार्यश्री महावीरकीर्ति जी महाराज

परम पूज्य चारित्र-चक्रवर्ती,
आचार्यश्री आदिसागर जी महाराज
(अंकलीकर)

(तृतीय पट्टाधीश)



परम पूज्य सिद्धान्त-चक्रवर्ती,
आचार्यश्री सन्मत्तिसागर जी महाराज

(चतुर्थ पट्टाधीश)



परम पूज्य तपश्चर्या-चक्रवर्ती, आचार्यश्री सुविधिसागर जी महाराज

दिगम्बर साधु निरन्तर पगविहार करते रहते हैं। ग्रन्थभण्डार को साथ में रख कर विहार करना अशक्यप्रायः होता है। फलतः उनको ग्रन्थों के सन्दर्भ देखने में असुविधा होती है। उनकी सुविधा के लिये इस कोश का निर्माण किया गया है। इस कोश के निर्माण में किसी भी प्रकार का व्यापारिक हेतु नहीं है।

आर्थिक दृष्टि से सम्पन्न श्रावकबन्धुओं से निवेदन है कि वे ग्रन्थ का विक्रय कर अध्ययन करने की परम्परा को कायम रखें। मुखपृष्ठ पर हमने ग्रन्थकर्ता, अनुवादक, सम्पादक, प्रकाशक आदि के नाम दिये हैं। किसी संस्थान का कर्तृत्व हमने लुप्त नहीं किया है।

इस कोश के लिये आवश्यक ग्रन्थ हमें अनेक स्रोतों से प्राप्त हुये हैं। हम उन सभी का आभार मानते हैं।

सुविधि-परिवार

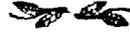
ग्रन्थ-नामावलि:



श्री. गे. लक्ष्मी-चरण-प्रसाद-दिग्विजय-जी. लक्ष्मी
संस्कृत-प्रकाशक

ग्रन्थ-नामावलिः ।

श्री-ऐलक-पन्नालाल-दि०-जैन-सरस्वती-भवन
झालरा-पाटन ।



Catalogue

Of

SANSKRIT MANUSCRIPTS AND OTHER BOOKS

In the

SHRI-AILAK-PANNALAL-DIGAMBER-JAIN-
SARASWATI-BHAWAN,
JHALRAPATAN

प्रकाशक—दीपचन्द्र अग्रवाल—मंत्रा ।



मुद्रकः—

ज्योतीप्रसाद गुप्त,

महावीर प्रेम, किनारी बाजार—आगरा ।

वी. नि २४५६

निवेदन ।

साहित्यप्रेमी सज्जनवृन्द ! आपकी पुनीत सेवाने यह परिमल पुष्प समर्पित है। पूज्य १०५ श्री-पेलक-पन्नालालजी महाराज के मतत असीम परिश्रमसे आरोपित और दि० जैन समाज द्वारा प्रदत्त द्रव्य-जल से अभिषिक्त सरस्वती भवन रूप कल्प वृक्ष का यह पुष्प है। इसके अन्तर्गत ग्रन्थोंकी सुगन्धिसे उन्मुग्ध हो समाज अनुभव कर सकेगा कि उसके शास्त्रोद्धारार्थ प्रदत्त द्रव्य का कैसा सदुपयोग हुआ है।

प्रेमी पाठक, ऐसे ग्रन्थ भी इस पुष्पमें देखेंगे जिनका अन्यत्र मिलना अत्यन्त कठिन है। वे बड़े ही परिश्रम और अर्थ-व्यय के साथ संग्रह किये गये हैं। इन सब ग्रन्थोंके संग्रह और उद्धार करनेका श्रेय पूज्य श्री-पेलकजी महाराजको ही प्राप्त है। अर्थ-संग्रह और ग्रंथ-संग्रह एवं दोनों प्रकारका संग्रह किस युक्तिसे किस चतुरता एवं परिश्रमसे किया गया है। इस बातका पूर्ण अनुभव तो पूज्य पेलकजी महाराज को ही है परन्तु इस संग्रह परसे हम यह अवश्य जानते हैं कि ग्रन्थों के उद्धार करने में पूज्य महाराजकी कितनी प्रबल भावना और उत्कट भक्ति है। इतने बड़े कार्य-भारका उठाने में उन्हें कितनी बड़ी शक्तिका सामना करना पडा होगा यह अनुमान लगाना भी सहज नहीं है।

प्रातः स्मरणीय पूज्य ऋषियोंने ध्यान स्वाध्याय के समयमें से समय बचाकर भावी जैन मतानके हितार्थ जिसतरह ग्रन्थोंकी रचनाएं की थी ठीक वही अनुकरण उन ऋषियों द्वारा प्रणीत ग्रन्थों के उद्धार के लिए पूज्य पेलकजी महाराजने भी किया है अन्यथा उत्तम स्वादिष्ट फलोंका फलनेवाला यह सरस्वती भवन रूप कल्प-वृक्ष दृष्टिपथप्रस्थायी न होता।

यदि यह कल्प-वृक्ष अन्य समाजों या देशों में होता तो इसका कितना बड़ा गौरव होता। खेद है दि० जैन समाज अभी तक ऐसी अनुपम वस्तुओं का गौरव करना नहीं सीख सका है। अस्तु तो भी वि० सं० १९८८ कार्तिक तक संगृहीत ग्रन्थोंकी यह व्यापार नामावली इसलिए प्रकाशित की गई है कि समाज को मालूम हो कि उसका एक बड़ा भारी साहित्य मन्दिर है और उसमें इस प्रकार साहित्योंका उद्धार हो रहा है।

—पन्नालाल सोनी व्यवस्थापक।

विषय-सूची

१—दिगम्बर-जैन-ग्रन्थाः—

पृष्ठ संख्या.

(१) सिद्धान्त-ग्रन्थाः	१-५१-६०.
(२) अध्यात्मोपदेश-ग्रन्थाः	५-५४-६३.
(३) आचार-ग्रन्थाः	.	.	.	१०-६०-१०१.
(४) इतिहास-ग्रन्थाः	२०-६५-१०६.
(५) नाटक-न्याकरण-कोष-छंदोऽलंकार-गणित-ग्रंथाः	३०-६६-११२.			
(६) न्याय-ग्रन्थाः	३१-६६-११३.
(७) स्तोत्र-ग्रन्थाः	३२-७०-११५.
(८) अभिषेक-न्यास-पूजाग्रन्थाः	३६-७१-११६.
(९) प्रकीर्णक-ग्रन्थाः	४०-७३-१२६.
(१०) गुच्छक-ग्रन्थाः	४१-७४-११५.
(११) सग्रह-ग्रन्थाः	+ ७२-११७.
(१२) पद-त्रिलास-ग्रन्थाः	.	.	.	+ + ११८.
(१३) इ ग्लिश-जैनग्रन्थाः	+ + १२८.
(१४) नालपत्र-ग्रन्थाः	.	.	.	५० + +

२—श्वेताम्बर-जैन-ग्रन्थाः—

(१) विभाग—ख.	.	.	.	१३० + +
(२) विभाग—क.	१४० + +

३—अजैन-ग्रन्थाः—

(१) विभाग—ख.	१४५ + +
(२) विभाग—क.	१५१ + +

संकेतचरणां स्पष्टीकरणं।

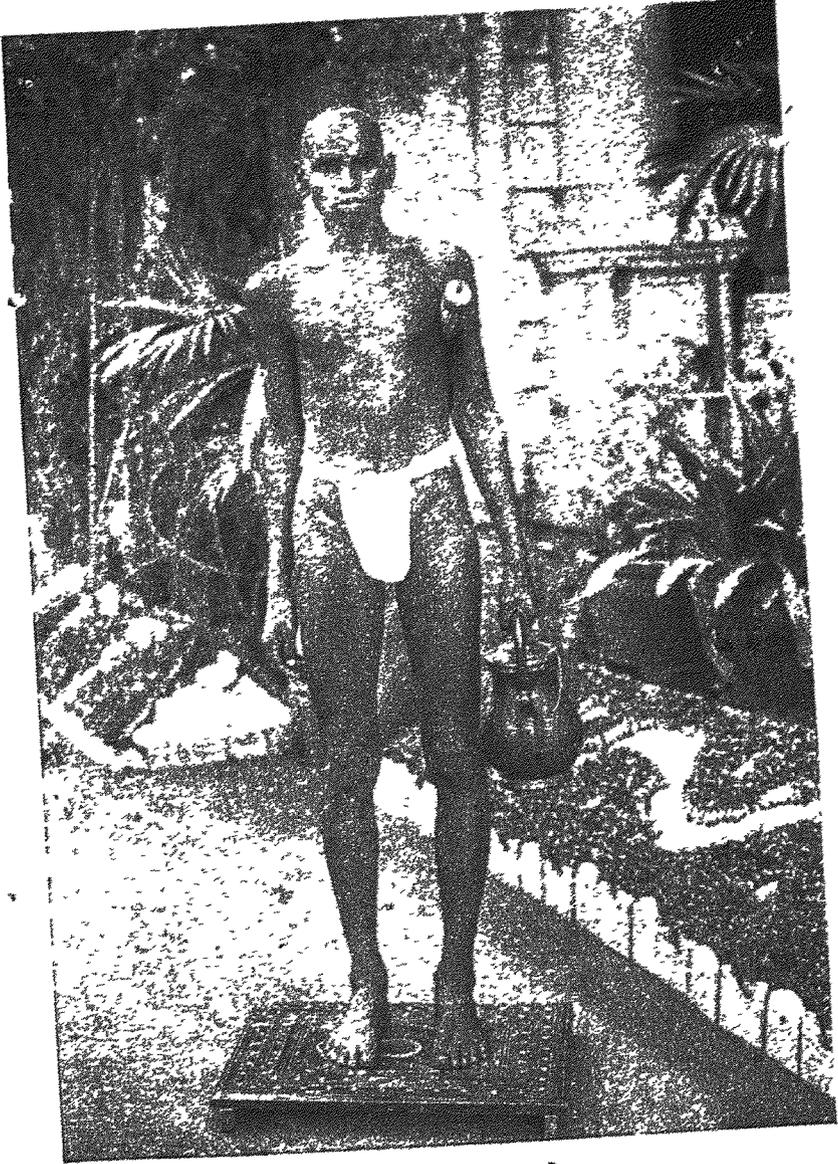


- ज. = जनरल नंबर,
क्र. = क्रम नंबर,
क. = क-विभाग,
ख. = ख-विभाग,
सं. = संस्कृत,
प्रा. = प्राकृत
म. = मराठी,
गु. = गुजराती,
प. = पत्रसंख्या,
ले. = प्रति का लेखन समय,
नि. स. = ग्रन्थ का निर्माण समय,
श्लो = ग्रन्थ की श्लोक संख्या,
वि. = विक्रम संवत्
श. = शक संवत्.
वी. = वीर निर्माण संवत्.
अ. स. = अनुवाद का समय,
मू. = मूलकर्ता.



संस्थापक—

श्रीमान् १०६ श्री ऐलक पन्नालालजी महाराज.



गुरुवः पातु वो ित्यं ज्ञानदर्शननायकाः।
चात्रिर्णवगंभीरा मोक्षमार्गोपदेशकाः ॥

and Laxmi Press, Kalbadevi Road, Bombay, 2.



श्री-ऐलक-पञ्चालाल-दि०-जैन-सरस्वती-भवन-शालरापाटनस्थ.

ग्रन्थ-नामावलिः ।

१-हस्तलिखित-दि०जैन-संस्कृत-प्राकृतग्रन्थाः।

(विभाग-क.)

१-सिद्धान्त-ग्रन्थाः ।

आलाप-पद्धतिः देवसेनसूरिप्रणीता

(ज. १ क्र. १२६) पत्र ८, संस्कृत, लेखन काल. १६५०

(ज. २ क्र. १३०) प. ८ सं. +

X (ज. ३ क्र. ११५) प. ८ सं. +

X (ज. ४ क्र. १३३) प. १० सं. + ५. १२३

(ज. ५ क्र. ५२४) प. १२ सं. ले. १६२४.

कर्म-प्रकृति. नेमिचन्द्रसिद्धान्तचक्रवर्तिरचिता

(ज. ६ क्र. १३१) प्राकृत. प. १८.

X (ज. ७ क्र. ३८६) प्रा. प. १०. टिप्पणयुता.

कर्म-प्रकृतिटीका. सुमतिकीर्तियुग्जानभूषणकृता.

(ज. ८ क्र. २०) सं., प. २६, ले. १६४१.

(ज. ९ क्र. १३२) " प. ४८, ले. १६२७

(ज. १० क्र. १३३) " प. ४१, ले. १६३१.

कर्म-विपाकः सकलकीर्तिविरचितः

(ज. ११ क्र. ५४६.) सं. प. १३ गद्य, श्लो. स. ५४७.

गोम्मट-सारः नेमिचन्द्रमैद्धान्तिसगृहीतः

(ज. १२ क्र. १३४) प्रा. प. ८७, ले. १७७१, काण्डद्वय-
युक्तः दर्शनीयश्च.

X (ज. १३ क्र. १३५) प्रा. प. ८३ ले. १८८२ काण्डद्वययुक्तः

गोम्मट-सार-जीवकाण्ड-टीका जीवतत्वप्रबोधिका नेमिचन्द्रकृता.

(ज. १४ क्र. ३८०) सं० प ३८७, ले. १७६३.

गोम्मट-सार-टीका केशववर्णिरचिता.

(ज. १५ क्र. १३६) क. प. १०६ "आवलि असंखभाग"
इत्यत. "सेढी सूई पल्ला" इत्यताना गाथानां कन्नडभाषायां
टीका. नागराक्षरा ।

जम्बूद्वीप-प्रज्ञप्ति. पद्मनन्दिनिविहिता.

(ज. १६ क्र. ६१) प्रा. प. ८८ ले-का. १८६३, वाराया
निर्मिता.

तात्वार्थ-सूत्र उमास्वामिनिर्मित.

(ज. १७ क्र. ७०) स. प १४ सुवर्णाक्षरेषु

X (ज. १८ क्र. ४४५) स. प. २२ "

X (ज. १९ क्र. १३७) स. प २१ +

X (ज. २० क्र. १३८) सं. प. ११ +

X (ज. २१ क्र. १३९) सं. प. ६ +

(ज. २२ क्र. ४४६) सं. प. १६ +

तात्वार्थ-तात्पर्यवृत्तिः श्रुतसागरमूरिकृता.

X (ज. २३ क्र. ३) सं. प २०२, श्लो. ६००० ले. १८८१.

(ज. २४ क्र. ७) सं. प. ३१३, " ले. १६१०.

तात्वार्थ-रत्नप्रभाकरवृत्तिः धर्मचन्द्रशिष्यप्रभाचन्द्रप्रणीता.

(ज. २५ क्र. ४१७) सं. प. ६६ श्लो २७५० ले. १८१८.

(३)

तत्वार्थ-राजवार्तिकालकार. भट्टकलकृतः

(ज. २६ क्र २) सं. प. २६५ ले. १८६६.

X (ज. २७ क्र. ३८१) म. प. ७५० ले. १६३०.

तत्वार्थ-वृत्तिः

(ज. २८ क्र. ३८७) सं. प. ४२, ले. १८०४.

तत्वार्थ-श्लोकवार्तिकालकारः विद्यानन्दिसूगिविरचित.

(ज. २९ क्र १) म. प ४११ अपूर्ण.

तत्वार्थ-सर्वार्थमिद्धिः देवनन्द्यपराब्धपूज्यपादप्रणीता

(ज ३० क्र ७१) मं. प ११८ ले. १८६१.

X (ज ३१ क्र. १४०) म. प. ६० ले. १६२५.

तत्वार्थसार. ठक्कुरामृतचन्द्रनिर्मित

(ज ३२ क्र १४१) मं प. २८, श्लो ८२४.

तत्वार्थसारटीपकः सकलकीर्तिरचितः

✓ (ज ३३ क्र ६७) मं. प ६६, श्लो. १८८३ ले १५५६.

(ज ३४ क्र. ३८८) मं प. ५५ अपूर्ण. ले १७८२.

त्रिलोक-प्रज्ञमि यतिवृषभाचार्याविहिता.

(ज ३५ क्र ३८६) प्रा प ५१८ श्लो ८००० ले. १७४५ वि,
१६१० श.

त्रिलोकमार. नेमिचन्द्रमैद्धान्तनिर्मित.

(ज ३६ क्र. ६८) प्रा प ६४.

त्रिलोकमार-टीका मागरसेनकृता

X (ज ३७ क्र ३४) सं प ६५ श्लो. २१४३

(ज. ३८ क्र. ३६०) मं. प. ३६ "

(ज ३९ क्र ३४८) म प. ५६ " महस्रकीर्तिनामांकि-

तेय टीका ले. १८८७ वि. १७५० श.

द्वय-सप्रह' नेमिचन्द्रमिद्धान्तचक्रवर्तिप्रणीत.

X (ज ४० क्र ~~३४९~~^{१५३}) प्रा प. ८ ले १७०७.

द्रव्य संग्रह-टीका ब्रह्मदेवविरचिता.

× (ज. ४१ क्र. ६६) सं. प. ४५ ले. १७७१, वि. १६४६ श.
श्लो. ३०००.

(ज. ४२ क्र. ४) सं. प. १२० श्लो. ३०००.

नयचक्र' देवसेननिर्मितं.

(ज. ४३ क्र. ३४६) प्रा. प. २३ ले. १८८६ सटिप्पणक.

(ज. ४४ क्र. ३५०) प्रा. प. ४६ + +

पंच-संग्रह.

(ज ४५ क्र. ३५१) प्रा प. १०६ ले. १५८४.

पंचाध्यायी.

(ज. ४६ क्र. ३५२) स प ८५ श्लो. १६७५, ले. १७४८.

लब्धिसार-टीका नेमिचन्द्रविरचिता.

(ज. ४७ क्र. ३५३) स. प. ६६ अपूर्णा.

सिद्धान्तसार-दीपकः सकलकीर्तिप्रथित'

(ज. ४८ क्र. ३५४) सं. प. २०२ श्लो ४५१६

(ज ४९ क्र. ३५५) स प १६० " ले. १८१७ वि.
१६८२ श.

× (ज. ५० क्र ३५६) स प २०६ " ले. १८३१ वि.
१६६६ श.

(ज ५१ क्र. १३) सं प २४६ " ले. १८८७

सिद्धान्त-गाथोद्धारः

(ज ५२ क्र. ३६१) प्रा प. ५७

*

*

*

(५)

२—अध्यात्मोपदेश-ग्रन्थाः ।

अध्यात्मनरंगिणी. सोमदेवसूरिप्रणीता.

✱ (ज. ५३ क्र. १११) सं प ४४. आचार्य-गणधरकीर्तिविर-
चितया टीकया सबलिता. टीका. नि०—स वि ११६०
ले. १५३३.

अष्ट-प्राभृत कुन्दकुन्ददेवकृत

(ज. ५४ क्र. ४४७) प्रा. प. ५८ ले. १८१७

✱ (ज. ५५ क्र. ४१८) प्रा. प. ६० ले. १८५७.

आत्मानुशासन गुणभद्रभदन्तनिर्मित

(ज. ५६ क्र. ११०) सं. प. ५६ अवतरणिकया युक्तं सटि-
प्पण च. ले. १६३४.

आत्मानुशासन-टीका प्रभाचन्द्रविरचिता.

(ज. ५७ क्र. ११३) सं. प. ६०

(ज. ५८ क्र. ४१६) सं. प. ५६ ले. १८६८

✱ (ज. ५९ क्र. ४४८) सं. प. १४०

आराधनासार देवसेनभूगिप्रणीत

(ज. ६० क्र. ३५) प्रा. प. ६

इष्टोपदेशः पूज्यपादविरचित

(ज. ६१ क्र. ३६) सं. प. ३

इष्टोपदेश-टीका पडिताशाधरकृता.

(ज. ६२ क्र. ३६२) सं. प. १३

उपदेशरत्नमाला सकलभूषणविहिता

(ज. ६३ क्र. ११४) सं. प. १-६१, ६१-६७ श्लो ३३८३ वि

सं. नि. स. १६२७ ले. १८७८ वि १७४३ श.

✱ (ज. ६४ क्र. ११५) सं. प. ६८ शेषं पूववन ले. १८२६.

ऋद्धिस्वरूपः

X (ज. ६५ क्र. ३७) प्रा. प. ७.

ध्यान-सारः पद्मनन्दिमुनिकृतः

X (ज. ६६ क्र. ३८) प्रा. प. ४ श्लो. ७४ वि. सं. १०८६
गा. ६३

(ज. ६७ क्र.) प्रा. प. ४ श्लो. ७४ गा. ६३ नि. म. १०८६

ज्ञानार्णवं शुभचन्द्राचार्यविनिर्मितं.

(ज. ६८ क्र. ३६३) सं. प १०५ ले. १५५४ श्लो. २७००

(ज. ६९ क्र. ११७) सं प १४१ ले. १६०६ "

(ज. ७० क्र ११८) सं. प ११० + "

X (ज ७१ क्र. ३६४) स. प. २५६ + "

(ज. ७२ क्र. ८७) सं. प ८६ + "

ज्ञानार्णव-गद्य-टीका मिहानन्दिकृता

X (ज. ७३ क्र. ११६) स. प ८

तत्त्वज्ञानतरंगिणी ज्ञानभूषणविरचिता

(ज ७४ क्र ३६५) स. प ३२ श्लो. ५३६ नि स १५६०

X (ज. ७५ क्र १२०) स. प. २६ " "

तत्त्वज्ञानतरंगिणी-पंचिका ज्ञानभूषणकृता.

(ज ७६ क्र १२१) सं प ३४ श्लो. ६२० सन्देहध्वान्तदी-
पिकेति अस्या नाम

तत्त्वधर्माभृतं सुभाषितार्णवापरनाम

(ज. ७७ क्र. १७७) स. प. ८८

तत्त्वधर्माभृतं.

(ज. ७८ क्र. १४२) सं प. ३२ ले. १६४४.

तत्त्वसारः देवमेनमूरिप्रणीतः

(ज. ७९ क्र. १४३) प्रा. प. ५ ले. १६०२

X (ज. ८० क्र. ३६) प्रा. प. ४ +

दशलक्षलधर्म-जयमाला नक्षत्रदेवात्मज-भावशर्माविरचिता

X (ज. ८१ क्र. १५३) प्रा. प. १० ले. १७६२

दर्शनमारः देवसेनप्रणीतः

X (ज. ८२ क्र. १५०) प्रा. प. ३ नि. सं. ६६०

धर्म-परीक्षा अमितगतिग्रथिता.

X (ज. ८३ क्र. १७८) स., प ५२, श्लो. २१०० नि स. १०७०
ले. १५३४.

(ज. ८४ क्र १७६) सं. प. ८२ श्लो २१०० नि. स १०७०

धर्मप्रश्नोत्तर' सकलकीर्तिकीर्तितः

X (ज. ८५ क्र १८०) सं प ५० श्लो १५००

(ज. ८६ क्र १८१) सं प ८० "

धर्मरत्नाकरः जयसेननिर्मित

(ज ८७ क्र. १४४) सं प ८१ ले १७७६ नि स. १०५५
श्लो. २७००.

(ज ८८ क्र १२२) स. प १०६ ले. १८४८ नि स. १०५५
श्लो. २७००

(ज. ८९ क्र. १००) स. प १५० ले १८६१ वि १७०६ श.
नि. १०५५ श्लो. २७००.

X (ज. ९० क्र. १०१) सं. प. १२१ ले १८६७ नि. स. १०५५
श्लो. २७००.

धर्मरसायन पद्मनन्दिमुनिकृतं.

X (ज. ९१ क्र. १०२) प्रा. प १५

(ज. ९२ क्र. ३६२) प्रा. प ११

(ज ९३ क्र ४१) प्रा प. ६

धर्माश्रुतनामसूक्तिमग्रहः पंडिताशाधरविरचित

(ज. ९४ क्र. ४३०) स प. ६ योगोद्दीपनीयनामा द्वाव-
शोऽध्यायः ।

नियम-सारः कुन्दकुन्दविनिर्मित.

- (ज. ९५ क्र. २१) प्रा. प. ६
X (ज. ९६ क्र. ४२) प्रा. प. ६
(ज. ९७ क्र. १०३) प्रा. प. २३ ले. १६०३.

नीतिसारः इन्द्रनन्दिनिर्मित

- (ज. ९८ क्र. ६२) म. प. ६. ले. १७८५ श्लो. ११८
X (ज. ९९ क्र. ४३) सं. प. ४ ले. १८८८ श्लो ११८

पद्मनन्दिपंचविंशतिका पद्मनन्दिमुनिकृता

- X (ज. १०० क्र. ३६६) सं. प. १२४ ले. १८०७
(ज. १०१ क्र. ३६७) सं. प. ८७ ले. १७३२
(ज. १०२ क्र. ४४) म. प. ७२ ले. १८८८ वि. १७५३ श.

पद्मनन्दि-पंचविंशतिका-टीका

- X (ज. १०३ क्र. ७२) म. प. १०५ ले. १६४१ श्लो. ५०००
(ज. १०४ क्र. १०४) म. प. १३१ ले. १८८४ श्लो. ५०००
(ज. १०५ क्र. ६४) म. प. १५० + श्लो. ५०००

पद्मनन्दि-पंचविंशतिका-टीका

(ज. १०६ क्र. १०५) म. प. ४१ अपूर्णा

परमात्मप्रकाश-सूत्र योगीन्द्रदेवहृदय

- (ज. १०७ क्र. १०६) प्रा. प. १५ ले. १७७३
X (ज. १०८ क्र. १०७) प्रा. प. ६५ ले. १८६१ छायायावतर-
णिकया च युता.

परमात्मप्रकाशसूत्र-वृत्तिः ब्रह्मदेवकृता.

- X (ज. १०९ क्र. ६३) म. प. १४६ ले. १५९८ श्लो. ४०००
(ज. ११० क्र. १२३) म. प. ७६ + श्लो. ४०००

परमार्थोपदेशः ज्ञानभूषणविरचित

(ज. १११ क्र. ३६८) म. प. १४

पञ्चस्तिकायप्राभृतं कुन्दकुन्दकृतं

(ज. ११२ क्र. ३६९) प्रा. प. ६

पंचाम्निकायप्राभृत-तत्वदीपिका ठक्कुरामृतचन्द्रकृता.

(ज ११३ क्र. ४००) स. प ३३ ले १७४१

पंचाम्निकायप्राभृत-तात्पर्यवृत्ति जयसेनसूरिविरचिता.

(ज. ११४ क्र. १५४) सं. प. १२८ ले. १४६६.

प्रबोधमार. यश कीर्तिकीर्तित

(ज. ११५ क्र. ४२०) स. प. ३७ ले. १८६२

प्रवचनमारप्राभृतं कुन्दकुन्ददेवनिर्मित

X (ज. ११६ क्र. १४५) प्रा प. १० ले. १८१४

(ज ११७ क्र १८०) प्रा प. ३२ +

प्रवचनमार-तत्वप्रदीपिका अमृतचन्द्रसूरिविरचिता

X (ज ११८ क्र १२४) स प. १०४ ले. १८६४.

(ज ११९ क्र २८०) स. प ३४५ +

प्रवचनमार-तात्पर्यवृत्ति जयसेनसूरिविरचिता.

(ज १२० क्र १०५) स प ११७ ले. १७६७ वि. १६६२ श.

भावसग्रह-सूत्रं देवसेनसूरिनिर्मित

X (ज १२१ क्र. १८३) प्रा. प. ५६ ले. १४८८ वि. १३५३ श

(ज १२२ क्र १४६) प्रा. प. ४५ ले. १६०१

भावसग्रह. यामदेवकृत

X (ज १२३ क्र १४७) स प. ३३ ले. १८६५

(ज. १२४ क्र १४८) स प २६ प्रथमपत्राभावः

योगसारः बृहदमितिगतिकृतः

(ज १२५ क्र. १४९) स. प २५

योगसार — योगीन्द्रदेवविहितः

(ज १२६ क्र. २०) प्रा प ५ दोषकरूप

X (ज. १२७ क्र १५०) प्रा. प. ५ "

श्रुतस्कन्धः हेमचन्द्रचर्चितः

(ज १२८ क्र. ४२१) प्रा प. ७

X (ज १२९ क्र ४०१) प्रा. प. ७

षट्कर्मोपदेशः अमरकीर्तिकृतः

X (ज. १३० क्र. ३५३) प्रा. प. ८६
(ज. १३१ क्र. ३५७) प्रा. प. १५०

षट्प्राभृत-टीका श्रुतसागरभूरिकृता.

X (ज. १३२ क्र. ३८४) सं. प. ३६० ले. १५७२
(ज. १३३ क्र. ४४६) सं. प. १६८ +

षट्प्राभृत-टीका.

(ज. १३४ क्र. ३५८) सं. प. ५६ ले. १८२५
X (ज. १३५ क्र. ३२८) सं. प. ५२ +
(ज. १३६ क्र. ३२६) सं. प. ४३ अपूर्णयं.

षोडशकारणजयमाला.

(ज. १३७ क्र. ३५६) प्रा. प. १७ ले. १८६७

सज्जनचिन्तवल्लभः मल्लिषेणविरचितः

(ज. १३८ क्र. ४५०) सं. प. २

समयप्राभृतात्मख्यातिः ठक्कुरामृतचन्द्रकृता

X (ज. १३९ क्र. ३३०) सं. प. १०६ श्लो. ४२६५
(ज. १४० क्र. १५५) सं. प. १३० "
(ज. १४१ क्र. १५६) सं. प. ५६ "

समयप्राभृतकलशाः ठक्कुरामृतचन्द्रकृताः

(ज. १४२ क्र. १५१) सं. प. १६ ले. १५६४
X (ज. १४३ क्र. ४२२) सं. प. २६
(ज. १४४ क्र. १५७) सं. प. २६ अपूर्ण.

समाधिशतकं पूज्यपादापरनामदेवनन्दिरचितं

(ज. १४५ क्र. ४५१) सं. प. ६

सारसमुच्चयः कुलभद्रकृतः

(ज. १४६ क्र. १५६) सं. प. २८ श्लो. ३३२ ले. १६७०
(ज. १४७ क्र. ४२३) सं. प. १३ " +

सार-संग्रह. सुरेन्द्रभूषणविरचित

(ज. १४८ क्र ३३१) सं. प. ४१

X (ज. १४६ क्र. १२६) सं. प ७३

सुभाषितरत्नसन्दीहः अमितगतिसूरिकृतः

(ज. १५० क्र. १२७) सं. प. ३४ अपूर्णः

X (ज. १५१ क्र. ३३२) सं. प. ३२ "

सुभाषितार्णव

(ज. १५२ क्र १८४) सं प. ५५ अपूर्ण

सुभाषितार्णव मकलकीर्तिविरचित

X (ज १५३ क्र १५८) सं प. ६३ ले. १६०८

सुभाषितावली मकलकीर्तिकृता

(ज. १५४ क्र १६०) सं प २७ श्लो ५७५

(ज. १५५ क्र. १६१) सं. प. २४ " ले. १७२४

X (ज १५६ क्र. १६२) सं. प. २३ " ले. १८८७

(ज १५७ क्र +) सं. + "

X (ज. १५८ क्र. ६४८) सं. ८९ "

सूक्तमुक्तावली सोमप्रभाण्विरचिता.

(ज १५९ क्र १२८) सं. प. १५ ले १७११

X (ज. १६० क्र ३६६) सं प १६

X (ज १६१ क्र ३३३) सं प. २१ ले. १८३८ हिंदीटिप्पण-
महिता.

X (ज १६२ क्र ४२४) सं. प. १६ + हिंदी टिप्पण-
महिता.

(ज १६३ क्र १८५) सं प. ४३ ले. १५७६ हर्षकीर्तिकृत

व्याख्यायुता

सूय-प्रकाशः नेमिचन्द्रविरचितः

(ज. १६४ क्र. ५) सं. प ८१ प्रथमोल्लासमात्रः नि.स.१६०६।

सम्बोधपंचाशिका गौतमकृता.

(ज. १६५ क्र. १८६) म. प. २६ संस्कृतटीकामहिता.

X (ज. १६६ क्र. १८७) म. प. १६ ”

(ज. १६७ क्र. ३३४) म. प. १० ”

स्वरूपसम्बोधनपंचविंशतिः भट्टकलङ्ककृता

(ज. १६८ क्र. १८८) स. प. ८

*

*

*

३—आचार-ग्रन्थाः ।



अनगारधर्माभूतं पडिताशाधरविरचित

(ज. १७० क्र. ६५) म. प. ३५४ स्वापञ्जभव्यकुमुदचन्द्रा-
ख्यव्याख्यायुत. श्लो १२२०० नि स १३००.

आचारवृत्तिः वसुनन्दिसैद्धान्तिकृता

(ज. १७१ क्र. १४) सं प. २६३ श्लो १०५६० ले. १८९०
वट्टकेराचार्यप्रणीतमूलाचारस्य संस्कृतटीका.

(ज. १७२ क्र. ८) सं. प १७७ श्लो १०५६० ले १७८६

(ज. १७३ क्र. ३६३) म. प ३१० श्लो. १०५६० ले १८७०

(ज. १७४ क्र. ३८५) म. प २६६ श्लो १०५६० +

X (ज. १७५ क्र. ४२५) सं. प २७१ श्लो. १०५६० +

(ज. १७६ क्र. ३६४) सं. प २७१ श्लो. १०५६० ले. १४६३

आचार-सारः वीरनन्दिसैद्धान्तिविरचितः

X (ज. ~~१७७~~ क्र. ३६५) म. प. ७७ श्लो. १२५० ले. १६३३

(ज. १७८ क्र. १६०) स प. ८५ श्लो. १२५० ले. १८०४

X (ज. १७९ क्र. ३३६) स. प. ६-५३ श्लो १२५० अपूर्णाः

इन्द्रनन्दिसंहिता इन्द्रनन्दियोगिरचिता.

(ज. १८० क्र. ७३) प्रा. प. २६ ले. १६८१

उपासकाध्ययन वसुनन्दिमैदान्तिकृत

(ज १८१ क्र. ३६७) प्रा. प ४१ ले १६५४ वसुनन्दिश्राव-
काचागेत्यपर नाम.

X (ज १८२ क्र ३६८) प्रा. प. ३४
(ज १८३ क्र ४०६) प्रा प ५४

उपसकाचार पुन्यपादविरचितः

X (ज १८५ क्र ५५) म० प ५ ओ १०२
(ज १८५ क्र २५) म प ३ - १०२ अपूर्ण.

चरणमारः शोभागगत्रयचारिकृतः

(ज १८६ क्र २५) प्रा प ४

चाग्रित्रमार चामुडरायसहागरचितः

X (ज १८७ क्र ३६५) म प ६८ ले १८८६
(ज १८८ क्र ५३१) म प. ५५ ले १५६८
(ज १८९ क्र ५५०) म प ८६ ले १६३५.

छेदपिड इन्द्रनन्दिकृत

(ज १९० क्र ५६) प्रा प १७ ओ ४०० ले १६७१

जिनमहिता काश्यासर्षीयजिनसेनपाडितपणीता

(ज १९१ क्र ७५) म प ६० ले १६७८ जिनसेनत्रि-
वर्णाचागेत्यपरनामा

त्रिवर्णाचारः सोमसेनविरहितः.

X (ज १९२ क्र ६६) म प १०० ओ २५०० ले. १८८६
नि म १६६७
(ज १९३ क्र. ३६५) म प ११३ ओ २५०० ले १८९५
नि. म १६६७

त्रिवर्णाचारः गुणभद्रभट्टारकविरचितः

(ज. १९४ क्र. ३७०) म. प. १०

(१४)

धर्मोपदेशीयूष-श्रावकाचारः नेमिदत्तकृतः

X (ज. १६५ क्र. ३७१) स. प. २२ ले. १७४८ श. १६१३
(ज १६६ क्र. ४०२) स. प. ३२

धर्मसंग्रह-श्रावकाचारः पंडितमीहापरनाममेधावीविरचितः

X (ज. १६७ क्र. ४०३) सं. प. ६४ श्लो. १४४० ले. १७६०
नि. स. १५४१.
(ज. १६८ क्र. २२६) स. प. ६१ श्लो. १४४० नि. स. १५४१
(ज. १६९ क्र. ७५) सं. प. ७५ श्लो १४४० ले. १६६१
नि स १५४१.

पुरुषार्थसिद्धयुपायः ठक्कुरामृतचन्द्रविरचितः

(ज. २०० क्र. ३७०) स. प. १०

X (ज. २०१ क्र ३७३) स प ४८ सस्कृतार्थसहितः ले १८८४

प्रश्नोत्तरगोपासकाचारः सकलकीर्तिकृतः

(ज २०२ क्र. ४०७) स प १८० श्लो ३००० ले १८२८

(ज. २०३ क्र. ४०४) स. प १४६ " ले १८६४

X (ज. २०४ क्र ३७४) स प. ६० " +

(ज २०५ क्र ४०५) स प ७५ " +

प्रायश्चित्तसमुच्चयः गुरुदासाचार्यकृतः

(ज २०६ क्र. २६) स प. १५

प्रायश्चित्तसमुच्चय-टीका श्रीनन्दिगुरुविरचिता

(ज २०७ क्र. ८८) स. प. ८३

प्रायश्चित्तचूलिका-टीका श्रीनन्दिगुरुगुंफिता.

(ज. २०८ क्र. ४०६) स. प. ६०

प्रायश्चित्तग्रन्थः अकलकनिर्मितः

(ज. २०९-२१०-२११-२१२ क्र. ३३५-३३६-३३७-४०७) सं.
प. ४-२-४-६ ले. १८३६- X - १९७०-१८२५ श्लो. ६०

भगवत्याराधनापंजिका.

(ज. २१३ क्र. ४०८) सं. प. १४६ ले. १५७०

भद्रबाहुसंहिता. भद्रबाहुनामांकिता.

X (ज. २१४ क्र. १५) स. प्रा. प. ११८

(ज. २१५ क्र. ३७५) स. प्रा. प. १५२

भव्यजनचित्तबल्लभश्रावकाचारः गुणभूषणगुंफितः

(ज. २१६ क्र. १६३) सं. प. २१

मूलाचार-प्रदीपः सकलकीर्तिकृतः

X (ज. २१७ क्र. २७) स. प. ११५ श्लो. ३३६५ ले. १६६८

(ज. २१८ क्र. ४०६) स. प. १५८ " +

(ज. २१९ क्र. ५३२) सं. प. १८६ " ले. १६२१

मूलाराधनादर्पणं पंडिताशाधरविरचितं

(ज. २२० क्र. ६७) सं. प. १२५ श्लो. ४०२५ मूलाराध-
नायाः टीका

ग्वकरण्डश्रावकाचारटीका प्रभाचन्द्रविरचिता

X (ज. २२१ क्र. ४१०) स. प. ८७ ले. १८६६

(ज. २२२ क्र. २८) सं. प. ५१ ले. १६११

ग्यणसारः कुन्दकुन्दाचार्यविरचितः

(ज. २२३ क्र. २३) प्रा. प. ८

X (ज. २२४ क्र. ३७६) प्रा. प. १०

लाटी-संहिता पंडितराजमलप्रथिता.

X (ज. २२५ क्र. ७६) स. प. ६२ ले. १६७८ नि. सं. १६४१

(ज. २२६ क्र. १९१) सं. प. ७—८८ + "

विजयोदया अपराजितसूरिविरचिता

X (ज. २२७ क्र. ६) स. प. ४६६ ले. १८८३ मूलाराध-

नायाः वृहट्टीका.

(१६)

(ज. २२८ क्र. १०) सं. प ३८२ ले १८६० "

(ज. २२६ क्र. ४११) सं. प ११८ अपूर्णा "

व्रतसार-श्रावकाचारः

(ज. २३० क्र. २६) सं प १ श्लो. २०

व्रतश्रावकाचार.

(ज. २३१ क्र. १६४) सं. प. ४

X (ज. २३२ क्र. ६४) सं प ३

व्रताद्योतनश्रावकाचारः अभ्रदेवकृतः

(ज. २३३ क्र. ७७) सं. प २० श्लो ४४० ले १६७०

श्रावकाचारः योगीन्द्रदेवकृतः

X (ज. २३४ क्र. ४३३) प्रा प १४ ले. १८६६ श्लो २०४
दोधकरूप

X (ज. २३५ क्र. ३७५) प्रा प १४ श्लो २०४ ले १८६२
अस्यान्ते लक्ष्मीचन्द्र कृतमित्युल्लेखः

(ज. २३६ क्र. १६५) प्रा प १६ श्लो २७० दोधकानि २०४

श्रावकाचारः पद्मनन्दिकृतः

(ज. २३७ क्र. ४३४) सं प ८२ ले १६७०

श्रावकाचारः कुन्दकुन्दनामाङ्कितः

(ज. २३८ क्र. ४१४) सं प ५० ले. १६७०

षट्कर्मश्रावकाचारवचनिका लक्ष्मणेश्वरचिता

X (ज. २३९ क्र. १६६) प ५८ अपूर्णा

सागारधर्माश्रित पंडिताशाधरविरचित

(ज. २४० क्र. ३७८) सं प ४० ले १७४६ नि म. १७६६

X (ज. २४१ क्र. ३७६) सं प ४८ ले. १६३६ "

सागारधर्माश्रित-भव्यकुमुदचन्द्रिका आशाधरविरचिता.

(ज. २४२ क्र. १७) सं प १४४ ले १७६६ "

X (ज. २४३ क्र. १६) सं प १०० ले १८६६ वि. १७६१ श.
वि. स. १२६६

सारचतुर्विंशतिका सकलकीर्तिकृता.

(ज २४४ क्र ६) स. प. ८७ श्लो. २४२५ ले. १८५१

(ज २४५ क्र ११) स प. १०४ " ले. १८८२

वि १७४७ श.

X (ज २४६ क्र ८६) सं प ८३ " ले. १८६०

स्वामिकार्तिकेयानुप्रेक्षा. कार्तिकेयविरचिता

(ज. २४७ क्र. ४२८) प्रा. प. ५६

X (ज. २४८ क्र १६७) प्रा प. ३२

(ज २४९ क्र. १६२) प्रा प. ३६

स्वामिकार्तिकेयानुप्रेक्षा-टीका शुभचन्द्रभट्टारकविरचिता

(ज २५० क्र ३०) स प १६६ श्लो. ७२५६ ले १८५६

नि स. १६०८

(ज २५१ क्र ३१) स प २२२ श्लो ७२५६ ले १६५८

नि स. १६०८

(ज २५२ क्र १८) स प १७७ श्लो ७२५६ ले. १८३३

नि स १६०८

(ज २५३ क्र १६) सं प. २२८ श्लो ७२५६ ले. १८६२

नि स १६०८

(ज. २५४ क्र ४३५) स प. २७७ श्लो. ७२५६ ले. १८६१

नि स १६०८

(ज २५५ क्र ४५३) स प ३३८ श्लो ७२५६ ले. १८६२

नि स. १६०८

(ज. २५६ क्र ४१३) स प १३६ श्लो. ७२५६ +

अपूर्णा.

(ज. २५७ क्र. ४१२) स. प. ६८ श्लो ७२५६ +

नि. स. १६०८.

*

*

*

क्रियाकाण्ड—ग्रन्थाः (२) ।

प्रतिक्रमणपाठः

(ज. २५८ क्र. ५२५) प्रा. प. ६

प्रतिक्रमणपाठः (बृहत्), गौतमगणधरकृत

X (ज. २५६ क्र. ५५०) प्रा. प ५६ ले. १८०६ प्रभाचन्द्राचार्य-
विरचितटीकायुक्तः । ३, ५५०

प्रतिप्रतिक्रमणपाठः

(ज. २६० क्र. ५२६) स. प्रा. प. ६१ श्लो. २००० ले. १७२४

श्रावकप्रतिक्रमणपाठः

(ज. २६१ क्र. ५२७) प्रा. प. १३

(ज. २६२ क्र. ४२६) प्रा. प १४ ले १६५५

श्रावकप्रतिक्रमणपाठ

(ज. २६३ क्र. ५२८) प्रा. प ३

सामायिकमूलपाठ.

(ज. २६४ क्र. ५६५) सं-प्रा. प २८ ले. १६४४

X (ज. २६५ क्र. ४८१) सं-प्रा. प. २६

सामायिक-टीका

(ज. २६६ क्र. ४८२) सं.-प्रा. प ७४ श्लो १४००

सामायिकटीका, प्रभाचन्द्राचार्यकृता.

X (ज. २६७ क्र. ५७५) स.-प्रा. प. ४९ ले १८१८

सामायिकलघुपाठ

(ज. २६८ क्र. ५८०) प्रा.

सामायिकलघुपाठ.

(ज. २६९ क्र. ५६६) स. प. २

X (ज. २७० क्र. ५६७) सं. प. २

संध्याविधि:

(ज. २७१ क्र. ६१३) स. प. ५ ले १८७५

संस्कृतक्रियाकाण्डं

X (ज. २७२ क्र. ४८३) सं. प ६६

(ज. २७३ क्र. ४८४) स. प १०-३१, ४६-७४,

अर्हद्भक्ति. पंडिताशाधरविगचिना

(ज. २७४-२७५ क्र. ~~५७८-५७९~~) सं. प. २-२

आचार्यभक्ति

+ (ज. २७६ क्र. ४७) प. २ श्लो ३१

(ज. २७७ क्र. ५३०) प. २ "

चारित्र्यभक्ति

+ (ज. २७८ क्र. ४८) प. २

(ज. २७९ क्र. ५३१) प. ४

निर्वाणभक्ति:

X (ज. २८० क्र. ४९) प. ३

नन्दीश्वरभक्ति.

X (ज. २८१ क्र. ५७७) प. ४

X (ज. २८२ क्र. ~~६४४~~) प. ४

योगभक्ति

+ (ज. २८३ क्र. ५०) प. २

(ज. २८४ क्र. ५३२) प. ४

श्रुतभक्ति:

X (ज. २८५ क्र. ५१) प. ४

(ज. २८६ क्र. ५३३) प. ७

मिद्धभक्ति:

X (ज. २८७ क्र. ५२) प. २

(ज. २८८ क्र. ५३४) प. ४

सिद्धभक्तिटीका श्रुतसागरसूरिविरचिता.

X (ज. २८६ क्र. ५३५) प. ७

*

*

*

४—इतिहास-ग्रन्थाः ।

अजितपुराणं अरुणामणिविरचित

X (ज. २६० क्र. २०२) सं. प. ३५१ ओ ८८६५ ले. १७५६

नि. स. १७२६

(ज. २६१ क्र. ६०) सं. प. २५६ ओ ८८९५ ले १८७४

नि. स. १७२६

आदिपुराणं जिनसेनाचार्यविरचित

(ज. २६२ क्र. ६१) सं. प. ३२५ ले १८६२

(ज. २६३ क्र. २०३) सं. प. ४६६ ले. १६६६

(ज. २६४ क्र. २०४) सं. प. ४६६ ले. १७६७

(ज. २६५ क्र. २०७) सं. प. ६०६ ले १७८६

X (ज. २६६ क्र. २०५) सं. प. ११६-६३४ अपूर्ण.

X (ज. २६७ क्र. ६५) सं. प. २२६ "

आदिपुराणं अभिमानमेरुकविपुणपदन्तकृतं

(ज. २६८ क्र. २६५) प्रा. प. ३७५ अपूर्ण

आदिपुराणं सकलकीर्तिकृतं

(ज. २६९ क्र. २६६) सं. प. ७२ अपूर्ण.

उत्तरपुराणं गुणभद्रभदंतकृतं

(ज. ३०० क्र. २०८) सं. प. ३६२ ले. १७८२

(ज. ३०१ क्र. २०९) सं. प. ४१२ +

X (ज. ३०२ क्र. २१०) सं. प. ४०० ले. १८६६

उत्तरपुराणपंजिका.

(ज. ३०३ क्र. २८१) सं. प. ८३ ओ. ४०००

करकंडुचरित्रं भट्टारकशुभचन्द्रविरचितं

(ज. ३०४ क्र. २८२) सं. प. १३६ अपूर्ण

गौतमचरित्रं मंडलाचार्याधर्मचन्द्रकृतं

(ज. ३०५ क्र. २६५) सं. प. ६४ ले. १८२६ नि. स. रस-
युग-अद्रि-इन्दु १६४६

चन्दना-चरित्र भट्टारकवादिचन्द्रकृतं

(ज. ३०६ क्र. २५३) सं. प. ४५ श्लो. ८०७ ले. १६८४ नि.
स. १६५१

चन्द्रप्रभ-चरितं आचार्यवीरनन्दिनिर्मितं

X (ज. ३०७ क्र. २११) सं. प. ७४ ले. १८६६
(ज. ३०८ क्र. २३५) सं. प. १२३

चन्द्रप्रभचरितं भट्टारकशुभचन्द्रग्रथितं

(ज. ३०९ क्र. २३६) सं. प. ७६ श्लो. १५६० नि. स. १५६६

X (ज. ३१० क्र. २१०) सं. प. ८५ " " ले. १७४१
(ज. ३११ क्र. २१३) सं. प. ७७ " " +

चन्द्रप्रभचरित दामोदरकविप्रणीत

(ज. ३१२ क्र. २३७) सं. प. १६५ श्लो. ४०१५ नि. स. १७२७
ले. १८४२

जीवन्धरचरित भट्टारकशुभचन्द्रविहितं

X (ज. ३१३ क्र. ३११) सं. प. ९१ श्लो. २२५० नि. स. १५७२
ले. १७०६ वि. १५७१ श.
(ज. ३१४ क्र. २३८) सं. प. १२६ श्लो. २२५० नि. स. १५७०
ले. १६१२ वि. १७१७ श.

जम्बूस्वामि-चरितं जिनदामब्रह्मनिर्मितं

X (ज. ३१५ क्र. २१४) सं. प. ५६ श्लो. २२३० ले. १८८६
वि. १६६१ श.
(ज. ३१६ क्र. २२७) सं. प. ७८ श्लो. २२३० ले. १८२४
(ज. ३१७ क्र. २३६) सं. प. ३-६३ श्लो. २२३० +

जम्बूस्वामिचरितं

(ज ३१८ क्र. २३२) सं. प. ३० ले. १७४६, श. १६११ गद्ये
त्रिषष्टिस्मृतिः पंडिताशाधरविरचिता.

(ज. ३१६ क्र. २४०) सं. प. ३५ श्लो. ५०५ ले. १५८०
नि सं. १२६२

त्रिषष्टिस्मृतिपंजिका पंडिताशाधरविरचिता.

(ज. ३२० क्र. २४१) स. प. ३६-५१ ले. १५८० नि स. १२६२

द्विसन्धानमहाकाव्यं महाकविधनंजयनिर्मितं

(ज. ३२१ क्र. ३१२) सं. प. २-३०० अपूर्ण, नेमिचन्द्रकृत-
व्याख्यायुतं ।

धन्यकुमारचरितं गुणभद्राचार्यविरचितं

X (ज ३२२ क्र. ३१३) स. प. ४७ श्लो. ६०० ले १६०४
(ज. ३२३ क्र. ३१४) सं. प. ४७ " ले १६१६

धन्यकुमारचरितं मकलकीर्तिकृतं

(ज ३२४ क्र २४२) स. प ३७ श्लो ८५० ले. १८५१

धन्यकुमारचरितं नेमिदत्तब्रह्मरचितं

X (ज. ३२५ क्र २४३) स. प २१ श्लो. ४६५ ले. १८८२
(ज. ३२६ क्र. २८३) स प. ३० " ले. १७८३
(ज. ३२७ क्र. २८४) सं. प. २४ " +
X (ज. ३२८ क्र. ४५४) सं. प. ३५ " ले. १८६६

नागकुमारचरितं उभयभाषाकविमल्लिपोणग्रथितं

(ज ३२६ क्र. ३१५ स. प. २६ श्लो. ५३५ ले. १८६१

नेमिपुराणं नेमिदत्तब्रह्मकृतं

(ज. ३३० क्र. २४४) सं. प. १६२

(ज. ३३१ क्र. २२८) सं. प. १३५

(ज. ३३२ क्र. २२६) सं. प. १४२ ले. १८४९

X (ज. ३३३ क्र. २६७) सं. प. २२६ ले १८६८

नेमिदूतकाव्यं म्गांगणाङ्गज-भांभणविरचितं

(ज. ३३४ क्र. २४५) सं. प. ४-११ श्लो. ३७५

नेमिदूतकाव्यं सांगणात्मज-विक्रमकृतं.

(ज. ३३५ क्र. २४६) सं. प. १३ श्लो. ३७५ ले. १८६६

नेमिनिर्वाणकाव्यं वाग्भटप्रणीतं

× (ज. ३३६ क्र. २१५) सं. प. ८२ श्लो. १३१७ ले. १८६०
(ज. ३३७ क्र. २४७) सं. प. ४१ " अपूर्ण

पद्मपुराणं रविषेणाचार्यविरचितं

(ज. ३३८ क्र. २३०) सं. प. ५४५ श्लो. १८२३ नि. स
१२०३॥ वी. नि.

× (ज. ३३९ क्र. २६६) सं. प. ४०८ श्लो १८२३ नि स.
१२०३॥ वी. नि. ले. १५२२

पद्मपुराणं मोमसेनभट्टारककृतं

× (ज. ३४० क्र. २६७) सं प. २५० श्लो. ७००३ नि स.
१६५६ ले. १६७२

(ज. ३४१ क्र. २३१) सं. प. १५३ श्लो. ७००३ नि. स.
१६५६ ले. १८८३

पांडव-पुराणं भट्टारकशुभचन्द्रप्रणीतं

(ज. ३४२ क्र. २५४) सं. प. १६७ श्लो. ६००० नि. स.
१६०८ ले. १८६७

× (ज. ३४३ क्र. २८५) सं. प. २१६ श्लो. ६००० नि. स.
१६०८ ले. १६५१

पार्श्वनाथचरितं सकलकीर्तिकृतं

(ज. ३४४ क्र. ३१६) सं. प. १०७ श्लो. २८५०

× (ज. ३४५ क्र. २४८) सं. प. १०५ " ले. १८५४

(ज. ३४६ क्र. २५५) सं. प. १०४ " ले. १८४६
श. १७११

(२४)

X (ज. ३४७ क्र. २५६) सं. प. ८३ श्लो. २८५० ले. १८६६

X (ज. ३४८ क्र. ४५५) सं प १६७ " ले. १८६७
श. १७१७ ?

पार्श्वनाथ-चरितं वादिचन्द्रमुनिकृत

(ज. ३४६ क्र. २५७) स. प ६६ श्लो. १५०० ले. १८६६
नि. स. १६४०

पुराणसारसंग्रह सकलकीर्तिकृत

(ज. ३५० क्र. २१६) स. प १०७ ले. १८१८

प्रद्युम्नचरितं सिद्ध-मिहकविभ्या कृतं

(ज. ३५१ क्र. २१७) प्रा. प १२४ अपूर्णा

प्रद्युम्न-चरित सोमकीर्तिविरचित

X (ज. ३५२ क्र. २१८) सं. प. २०६ श्लो. ४८५० ले. १७७६

(ज. ३५३ क्र. २६८) सं. प. १६२ " ले. १८२८

(ज. ३५४ क्र. २५८) स. प १६६ " ले. १६७८

बाहुबलिचरितं धनपालनिर्मितं

X (ज. ३५५ क्र. २६६) प्रा. प. १६५ ले. १५८२ नि. स. १४५४

भविष्यदत्त-चरितं विबुधश्रीधरविरचित

X (ज. ३५६ क्र. २५६) प. ७२

(ज. ३५७ क्र. २६०) प ६१

मल्लिनाथ-चरितं सकलकीर्तिरचितं

(ज. ३५८ क्र. २६१) स. प. ४२ श्लो. ६२४

X (ज. ३५९ क्र. २७०) सं प ५४ श्लो. ६२४ ले १६१४

महीपालचरित चारित्रभूषणग्रथितं

(ज. ३६० क्र. २७१) सं. प. २१ श्लो. ६६५ ले. १८५२

X (ज. ३६१ क्र. २७२) सं. प. २६ " ले. १८७४

(ज. ३६२ क्र. २७३) सं. प. ४८ " ले. १८७१

यशस्तिलकचंपू. सोमदेवसूरिप्रणीता

(ज. ३६३ क्र. २८६) सं. प. ३६४ श्लो. ८००० ले. १७१७

नि. सं. ८८१ श

यशोधरचरित अभिमानमेरुकविपुष्पदन्तकृत

X (ज. ३६४ क्र. २८७) प्रा. प. ८८ ले. १६३३ श १४६८

(ज. ३६५ क्र. २८८) प्रा. प. ५७ अपूर्ण

यशोधरचरितं सकलकीर्तिविगचितं

X (ज. ३६६ क्र. २८९) सं. प. ४१ श्लो. ६६० ले. १५४४

X (ज. ३६७ क्र. २९०) सं. प. ५१ " ले. १८१०

X (ज. ३६८ क्र. २९१) सं. प. ३७ " ले. १८२१

X (ज. ३६९ क्र. २९२) सं. प. ४८ " ले. १८३२

X (ज. ३७० क्र. २९३) सं. प. ३६ " ले. १८४६

X (ज. ३७१ क्र. २९४) सं. प. ५७ " ले. १८६६

(ज. ३७२ क्र. २९५) सं. प. ३३ " +

यशोधरचरितं श्रुतस्मागरसूरिप्रणीतं.

(ज. ३७३ क्र. २९६) सं. प. ५२ ले. १८०६

यशोधरचरित वामवसेनविरचितं

X (ज. ३७४ क्र. २९७) सं. प. ६४

यशोधरचरित पूर्णदेवचरितं ✓

(ज. ३७५ क्र. २९८) सं. प. १४ ले. १८०५

यशोधरचरित माणिक्यकविनिर्मित ✓

X (ज. ३७६ क्र. २९९) सं. प. ६८

वरांगचरितं वर्धमानकृत

X (ज. ३७७ क्र. ३००) सं. प. ८३ ले. १८४२

(ज. ३७८ क्र. ३०१) सं. प. २-२० + अपूर्ण

वर्धमान-चरित हरिचन्द्रप्रथित

X (ज. ३७९ क्र. ३०२) प्रा. प. ४४ क्र. १

वर्धमानचरितं सकलकीर्तिकृतं

- (ज. ३८० क्र. २८०) म. प. २-१३६ श्लो. ३५००
(ज. ३८१ क्र. २४६) सं. प. २-७५ " "
(ज. ३८२ क्र. २२२) म. प. १२१ श्लो. ३०३५, ले. १६०८
श. १७१३ ?
(ज. ३८३ क्र. २२३) म. प. १०६ " ले. १८७८
श. १७४० ?

शान्तिपुराणं सकलकीर्तिविरचितं

- (ज. ३८४ क्र. २३३) म. प. १८० श्लो. ४३७५
(ज. ३८५ क्र. २३४) सं. प. ११५ " ले. १८०१
(ज. ३८६ क्र. २६२) सं. प. १६३ " ले. १८६६
(ज. ३८७ क्र. २६३) म. प. १५६ " ले. १६००

शान्तिपुराणं अमगकविप्रणीतं

- (ज. ३८८ क्र. २२४) म. प. ८६ ले. १८७८

श्रेणिकचरितं शुभचन्द्रभट्टारकरचितं

- (ज. ३८९ क्र. २६४) सं. प. १२७ श्लो. २५०० ले. १७८६
(ज. ३९० क्र. २६८) म. प. ११० " ले. १७००
(ज. ३९१ क्र. २६६) म. प. ४३-१०७ श्लो. २५००
अपूर्णा

सुकुमालचरितं सकलकीर्तिप्रणीतं.

- (ज. ३९२ क्र. ३००) म. प. ४२ श्लो. १५०० ले. १६२७
(ज. ३९३ क्र. २५०) म. प. ३६ " ले. १८५०
(ज. ३९४ क्र. ३०१) म. प. ७३ " +
(ज. ३९५ क्र. ३०२) सं. प. ३६ " + अपूर्णा

सुदर्शनचरितं भट्टारकविद्यानन्दिकृतं.

- (ज. ३९६ क्र. २५१) सं. प. ३८ श्लो. १६३२, ले. १८७६
(ज. ३९७ क्र. ३०३) म. प. ६४ " ले. १६३४

सुदर्शनचरितं मकलकीर्तिविरचितं.

(ज. ३६८ क्र. ३०४) सं. प. ५० श्लो. ६०० ले. १६४१

(ज. ३६६ क्र. ३०५ सं. प. ३७ " "

संभवनाथचरितं तेजपालकविरचितं

(ज. ४०० क्र. ३०६) प्रा. प. ६७ ले. १५८३

हनूमच्चरितं ब्रह्म-अजितकृतं.

(ज. ४०१ क्र. २५०) सं. प. ७३ श्लो. २००० ले. १९१६

(ज. ४०२ क्र. ३०७) सं. प. १२४ " ले. १६०२

(ज. ४०३ क्र. १०) सं. प. ६३ " ले. १८८७

हरिवंशपुराण ब्रह्मजिनदामप्रणीतं.

(ज. ४०४ क्र. ९०) सं. प. २१४ श्लो. ७२०१ ले. १८६४

(ज. ४०५ क्र. २६४) सं. प. १६४ " ले. १६१०

(ज. ४०६ क्र. २०६) सं. प. ४०० " ले. १८४२

हरिवंशपुराण

(ज. ४०७ क्र. ३०८) सं. प. ६३ 'गद्यात्मक'

हरिवंशपुराण रङ्गधूकविविरचितं

(ज. ४०८ क्र. ३०९) प्रा. प. १२६ ले. १५६५

होलिकाचरितं ब्रह्मजिनदामनिर्मितं

(ज. ४०९ क्र. ३१०) सं. प. ४० श्लो. त्रि. वार्धि. वसु ८४३

१६७८ नि. म. १६०८

(ज. ४१० क्र. ६३) सं. प. ३० श्लो. त्रि. वार्धि. वसु ८४३

नि. म. १६०८

*

*

*

कथा—ग्रन्थाः ।

अनन्तव्रतकथा पद्मनन्दिकृता.

(ज. ४११ क्र. १६३) सं. प ४

(ज. ४१२ क्र. १६४) स प १०

अनन्तव्रतकथा श्रु तसागरमूर्गिरचिता

(ज. ४१३ क्र ४८५) स प ६

आराधनाकथाकोपः ब्रह्मनेमिदत्तप्रणीतः.

(ज. ४१४ क्र ७८) स. प. १४४ श्लो ५४०० ले १८६०

(ज ४१५ क्र ६८) स प १६६ " ले. १८८६
श १७५१

कथाकोपः श्रु तसागरमूर्गिविहित.

(ज ४१६ क्र ६६) स प १०१

कवलचन्द्रायणव्रतकथा.

(ज. ४१७ क्र. ५६४) सं. प. ५ ले. १६७८

कौमुदी-कथा.

(ज. ४१८ क्र. ५६३) स प. ६२

पद्यात्मिका

(ज ४१९ क्र. ४८७) स प. ११७ ले. १६००

"

(ज. ४२० क्र. ५०१) स. प १८३ ले. १८७४

"

(ज. ४२१ क्र. ५६६) स. प १५६ ले. १८३७

"

कौमुदीकथा.

(ज ४२२ क्र. ४८८) स. प. ४६ गवरूपा

(ज. ४२३ क्र. ५०२) स प. ६० "

धमापदशकथानकं रत्नभूषणविरचितं

(ज. ४२४ क्र. ५५१) सं. प. १४० ले. १८८७

नागकुमारपंचमीकथा मल्लिषेणसूरिविरचिता

(ज. ४२५ क्र. ४८६) सं. प. ३६

नागश्रीकथ . ब्रह्मनेमिदत्तकृता

(ज. ४०६ क्र. ४६०) सं. प. २-१६ श्लो. ३७५ ले. १६५१
(ज. ४०७ क्र. ४६१) सं. प. २८ " "

पंचाख्यानं.

(ज. ४०८ क्र. १०८) सं. प. १६८

ब्रह्मचक्रवर्तिकथा

(ज. ४०९ क्र. ४९२) सं. प. ३० ले. १६१७ ?

भविष्यदत्तपंचमीकथा धनपालविरचिता.

(ज. ४३० क्र. ४९३) प्रा. प. १४८

मदनपराजयकथा जिनदेवरचिता

(ज. ४३१ क्र. ४९४) सं. प. ४६

(ज. ४३२ क्र. ४९५) सं. प. ५३ ले. १८२६

मौनव्रतकथा गुणचन्द्रकृता.

(ज. ४३३ क्र. ५६१) सं. प. ४

रक्षाविधानकथा सकलकीर्तिनिर्मिता.

(ज. ४३४ क्र. ४५८) सं. प. ६ ले. १८७६ श. १७४४

रोटतीजव्रतकथा गुणनन्दिप्रथिता.

(ज. ४३५ क्र. ४६६) सं. प. ३

रोहिणीव्रतकथा भानुकीर्तिविहिता.

(ज. ४३६ क्र. ४६७) सं. प. ५

रैदव्रतकथा गणितेवेन्द्रकीर्तिप्रणीता.

(ज. ४३७ क्र. ५६०) सं. प. ४ ले. १८६१

व्रतकथाकोष .

(ज. ४३८ क्र. ६१२) सं. प. १६८ ले. १७४७

षोडशकारणकथा विशालकीर्तिरचिता.

(ज. ४३९ क्र. ४६८) प्रा. प. २८ ले. १५१६

सप्तव्यसनकथा सोमकीर्तिविरचिता.

(ज. ४४० क्र. ५६५) सं. प. ६४ ले. १७६५ ति. स. १५२६
(ज. ४४१ क्र. ५७०) सं. प. ५० + "

सिद्धचक्रकथा पद्मनन्दिशिष्यशुभचन्द्रविरचिता.

(ज. ४४२ क्र. ५६८) सं. प ७ ले. १८३३

सिद्धचक्रकथा नरदेवकृता.

(ज ४४३ क्र. १६६) प्रा. प ४० ले. १५६४

सुगन्धदशमीकथा

(ज. ४४४ क्र १६७) सं. प. ४

* * *

५—नाटक-व्याकरण-कोष-छन्दोऽलंकार-गणित-ग्रन्थाः ।

ज्ञानसूर्योदयनाटकं वादिचन्द्रकृतं

(ज. ४४५ क्र. १०६) सं प ३७ ले. १८६७ ति. स १६४८
(ज. ४४६ क्र ३१७) सं प २६ + "

प्राकृतलक्षण चडप्रणीतं.

(ज. ४४७ क्र ३१८) प्रा प ३

लिंगानुशासनं.

(ज. ४४८ क्र. ३१९) सं प. १२ सटीक ।

निघंटुसमय धनजयविरचित

(ज. ४४९ क्र. ३२०) सं. प. १७ नाममालापरब्रह्म ले. १७८१

निघंटुसमयटीका अमरकीर्तिकृता.

(ज. ४५० क्र. ११०) सं. प. ७२

छन्दः कोषः.

(ज. ४५१ क्र. ३२) प्रा. प. ६ श्लो. १७४

वाग्भटालंकार वाग्भटप्रणीत

(ज. ४५२ क्र. ३२१) सं. प. ७

सारसंग्रहः महावीरकृतः

(ज. ४५३ क्र. २२५) सं. प. ५०

*

*

*

६—न्याय-ग्रन्थाः ।



अष्टसहस्री स्वामिषिद्यानदविरचिता.

(ज. ४५४ क्र. ३३८) सं. प. २१२ श्लो. ८०००

(ज. ४५५ क्र. ३२०) सं. प. ४१३ " ले. १७०१

(ज. ४५६ क्र. ३२३) सं. प. २०८ " ले. १७७१

अष्टसहस्री-गूढपदविवृतिः लघुसमन्तभद्रकृता.

(ज. ४५७ क्र. ३२४) सं. प. ५६ ले. १५७५

देवागमस्तुतिः वृद्धसमन्तभद्रप्रणीता.

(ज. ४५८ क्र. ३३६) सं. प. २२ कारिका ११५ आप्तमीमां-
सितमित्यपरनामा.

(ज. ४५९ क्र. ३४०) सं. प. २३ कारिका ११५ आप्तमीमां-
मितमित्यपरनामा.

देवागमवृत्तिः वसुनन्दिसिद्धान्तचक्रवर्तिविहिता.

(ज. ४६० क्र. ३४१) सं. प. ३७ ले. १६१६

(ज. ४६१ क्र. ३४२) सं. प. ३८ ले. १८८३

न्यायदीपिका धर्मभूषणयतिविरचिता.

(ज. ४६२ क्र. ३२५) सं. प. ३६ ले. १८६०

(ज. ४६३ क्र. ३४३) सं. प. ३६ ले. १८६६

पत्र-परीक्षा आचार्यविद्यानन्दिप्रणीता.

(ज. ४६४ क्र. ४५६) सं. प. ४४ ले. १६७१

प्रमाणनिर्णयः वादिराजसूरिकृतः

(ज. ४६५ क्र. ३४४) सं. प. ३१ ले. १५६६

(३२)

प्रमेयरत्नमालो लघ्वनन्तवीर्यविरचिता.

(ज. ४६६ क्र. ३४५) स. प. ११७ ले १६१८ परीक्षामुखम्य-
लघुटीका.

(ज. ४६७ क्र. ३४६) स. प. ७१ + "

(ज. ४६८ क्र. ३२६) स. प. ५१ + " अपूर्णा

विश्वतत्वप्रकाशः भावसेनत्रैविव्यङ्ग्यप्रणीतः

ज. ४६९ क्र. ३४७) स. प. ५८ अपूर्णा

सप्तभगी.

(ज. ४७० क्र. ३२७) स. प. ३

*

*

७—स्तोत्र-ग्रन्था



ऋषिमंडलयंत्र-स्तोत्र

(ज. ४७१ क्र. ५०३) स. प. ४

(ज. ४७२ क्र. ६१४) स. प. ६

चिन्तामणिपार्श्वनाथस्तोत्र

(ज. ४७३ क्र. ५०४) सं. प. ०

णमोकारकल्पं सिद्धनंदिप्रणीत.

(ज. ४७४ क्र. ५७१) स. प. ४७ श्लो. १००० ले. १९७८ नि.

स. १६६७

पद्मावती-स्तोत्रं.

(ज. ४७५ क्र. ५०५) स. प. ५

पार्श्वार्ष्टकस्तोत्रं इन्द्रनन्दिरचितं.

(ज. ४७६ क्र. ५३) स. प. १

(३३)

भैरवपद्मावतीकल्पं मल्लिषेणाचार्यविरचितं:

(ज. ४७७ क्र. ५०६) सं. प. १७

(ज. ४७८ क्र. ५०७) स. प. ५८ गुर्जर-अर्थसहितं अपूर्णं.

(ज. ४७९ क्र. ५०८) स. प. ४२ स्वोपज्ञटीकासहितं.

ले. १६३३

(ज. ४८० क्र. ८०) स. प. ५७ " ले. १६७८

महाविद्याग्रन्थ

(ज. ४८१ क्र. ५७४) स. प. ११६

श्रुतस्कन्धसारस्वतयंत्र-स्तुतिः श्रुतसागरसूत्रिकृता.

(ज. ४८२ क्र. ५०९) सं. प. २

सुन्दरीयंत्रं

(ज. ४८३ क्र. ५१०) स. प. ८

+

+

+

अकलकाष्टकस्तोत्रं भट्टाकलककृत

(ज. ४८४ क्र. ६०९) स. प. १ ले. १७११

(ज. ४८५ क्र. ५३६) स. प. ३

एकीभावस्तोत्रं वादिराजसूत्रिप्रणीत

(ज. ४८६ क्र. ५११) सं. प. ३

एकीभावस्तोत्रटीका नागचन्द्रविरचिता.

(ज. ४८७ क्र. ५३७) सं. प. ६ ले. १६७६

करुणाष्टकस्तोत्रं पद्मनर्दिविहित

(ज. ४८८ क्र. ५४) स. प. १

चतुर्विंशतिजिनभयान्तरस्तुति गुणभद्रभदन्तरचिता.

(ज. ४८९ क्र. ५५) स. प. ३ ले. १६७८ नि. स. ८२० श.

चतुर्विंशतिजिनस्तुति कनककीर्तिकृता

(ज. ४९० क्र. ५३८) सं. प. ११

जिनसहस्रनाम जिनसेनरचितं

(ज. ४६२ क्र. ५६२) सं. प. ६

जिनसहस्रनाम (लघु)

(ज. ४६३ क्र. ४६०) सं. प. ४

परमस्थानस्तोत्रं

(ज. ४६४ क्र. ४६१) सं. प. २

पंचनमस्कारस्तोत्रं उमास्वामिविरचितं

(ज. ४६५ क्र. ५३६) सं. प. २

पंचनमस्कारस्तोत्रं विद्यानन्दिसूरिविरचितं

(ज. ४६६ क्र. ५६) सं. प. ५ ले. १६७८

पंचनमस्कारस्तोत्रटीका प्रभावन्द्राचार्यकृता

(ज. ४६७ क्र. ६१५) सं. प. २-१३

भक्तामरस्तोत्रं मामतुगाचार्यग्रथित

(ज. ४६८ क्र. ४३६) सं. प. ६ ले. १६६२

(ज. ४६९ क्र. ५४०) सं. प. ६ ले. १९७६

भक्तामरस्तोत्रवृत्तिः गायमल्लब्रह्मचारिकृता.

(ज. ५०० क्र. ५५२) सं. प. ४८ श्लो. १००० ले. १७७७

नि. स. १६६७

(ज. ५०१ क्र. ५४१) सं. प. ५० श्लो. १००० ले. १७८१

नि. स. १६६७

भक्तामरस्तोत्रवृत्तिः रत्नचन्द्रकृता

(ज. ५०२ क्र. ५४२) सं. प. ५१ श्लो १००० नि. स. १६६७

भक्तामरस्तोत्रटीका

(ज. ५०३ क्र. ५४३) सं. प. २६

भूपालस्तोत्रं भूपालकविप्रणीतं

(ज. ५०४ क्र. ४३७) सं. प. ४

भैरवाष्टकं

(ज. ५०५ क्र. ५७६) सं. प. १

यतिभाषनाष्टकं आचार्यपद्मनन्दिविरचित

(ज. ५०६ क्र. ५४४) सं. प. ४ ले. १५२६

लक्ष्मीस्तोत्रं पद्मप्रभदेविविरचितं

(ज. ५०७ क्र. +) सं. प. ३

(ज. ५०८ क्र. ५८) सं. प. १

विषापहारस्तोत्रं धनंजयकविविहित

(ज. ५०९ क्र. ४३८) सं. प. ६

(ज. ५१० क्र. ५७६) सं. प. ५

(ज. ५११ क्र. ५७८) सं. प. ६

वन्दे तान्नुतिमाला माधनन्दिविरचिता

(ज. ५१२ क्र. ५७) सं. प. १

शान्तनाथाष्टकस्तोत्रं

(ज. ५१३ क्र. ४३६) सं. प. ५ सटीकं ।

शारदास्तुतिः ज्ञानभूषणकृता

(ज. ५१४ क्र. ६१०) सं. प. १

सिद्धिप्रियस्तोत्रं आचार्यदेवनन्दिप्रणीतं

(ज. ५१५ क्र. ५१०) सं. प. ३

(ज. ५१६ क्र. ५१३) सं. प. ४

स्वयंभूस्तोत्रं समन्तभद्रस्वामिविरचितं

(ज. ५१७ क्र. ५५३) सं. प. ४० प्रभाचन्द्राचार्यविरचित-

व्याख्यायुतं ले. १८०६

(ज. ५१८ क्र. ५४५) सं. प. ५७ प्रभाचन्द्राचार्यविरचित-

व्याख्यायुतं ले. १६६८

#

#

#

७—अभिषेक-न्यासग्रन्थाः ।

बृहत्स्नानविधिः.

(ज. ५१६ क्र. ४६२) सं. प. २३ ले. १८६२

महाभिषेकविधि पडिताशाधरकृतः.

(ज. ५२० क्र. ४६३) सं प ५-२३

महाभिषेकवृत्ति श्रुतसागरसूरिकृता

(ज ५२१ क्र ४६४) सं प २ अपूर्णा.

जिनयज्ञकल्प सूत्रिकल्प-आशाधरविरचित

(ज. ५२२ क्र. ४६५) सं. प. १२८ श्लो १८८८ नि ८
१२८५ ले. १८८६

(ज. ५२३ क्र. ४६६) सं. प. १८० श्लो. १८८८ नि सं.
१२८५ ले. १५१७

(ज ५२४ क्र ४६७) सं प ८३ श्लो १८८८ नि. सं.
१२८५

प्रतिष्ठासारसंग्रहः वसुनन्दिमैद्धान्तिरचित

(ज ५२५ क्र. ५६) सं. प. २६ श्लो. ४७६

(ज ५२६ क्र. ७६) सं. प. २८ "

(ज. ५२७ क्र. ५५४) सं. प. २४ "

(ज. ५२८ क्र. ४६८) सं प ३२ " ले. १८६५

जलहोमविधि .

(ज. ५२९ क्र. ४६९) सं. प. ६

(ज. ५३० क्र. ३३) सं प ११

तीर्थोदकादानविधानं.

(ज. ५३१ क्र ५४६) सं. प. १७ ले. १८१४

बृहत्पुण्याहवाचनं.

(ज. ५३२ क्र. ४७०) सं. प. ४ ले. १८६६

(३७)

यागमंडलविधान उपाध्याय-व्योमरसप्रणीतं.

(ज. ५३३ क्र. ५१४) सं. प. १३६ ले. १८६५

शान्तिहोमविधिः.

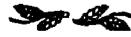
(ज. ५३४ क्र. ६११) सं. प. ८ ले. १५३३, श. १३६७

*

*

*

८—पूजा-ग्रन्थाः ।



ऋषिमंडलयत्रपूजा-पजिका.

(ज. ५३५ क्र. ४४०) सं. प. २ श्लो. ८६

कलिकुंडस्तवनपूजा-स्तोत्रं.

(ज. ५३६ क्र. ५१५) सं. प. ७

गणधरवल्यपूजा मकलकीर्त्याचार्यप्रणीता

(ज. ५३७ क्र. ४४१) सं. प. ४

चितामणिपार्श्वनाथपूजा.

(ज. ५३८ क्र. ५४७) सं. प. ४३

पद्मावतीपूजास्तोत्र

(ज. ५३९ क्र. ५४८) सं. प. ६

शान्तिकविधिः.

(ज. ५४० क्र. ४७१) सं. प. १५ अपूर्णा

शान्तिनाथयंत्रपूजा पद्मनन्दिकृता

(ज. ५४१ क्र. ४७२) सं. प. ४ श्लो. १२०

(ज. ५४२ क्र. ५१६) सं. प. ६ " ले. १६३०

(ज. ५४३ क्र. ५१७) सं. प. ४ " अपूर्णा.

सप्तर्षिपूजा. सोमसेनप्रणीता.

(ज. ५४४ क्र. ४४२) सं. प. १०

(३८)

सागरभवतंत्रपूजा शुभचन्द्रविरचिता.

(ज. ५४५ क्र. ४४३) सं. प. १५

सिद्धचक्रपूजा.

(ज. ५४६ क्र. ४५३) सं. प. १३

(ज. ५४७ क्र. ६०) सं. प. १७

सिद्धचक्राष्टकपूजाटीका श्रुतसागरमृगिविहिता

(ज. ५४८ क्र. ४४४) सं. प. ८-१५

+ + +

अनन्तव्रतपूजा श्रीभूषणविरचिता

(ज. ५४९ क्र. ५५५) सं. प. १२

कवलचन्द्रायणादिब्रतोद्यापनं देवेन्द्रकीर्तिकृतं.

(ज. ५५० क्र. ४८६) सं. प. ५ नि. स. नेत्र-सिद्धि-मुनि-चन्द्र.

चतुर्विंशतितीर्थकण्ठपूजा.

(ज. ५५१ क्र. ४७४) सं. प. ५३

चतुर्विंशतितीर्थपूजाष्टकं.

(ज. ५५२ क्र. ४९६) सं. प. १८ ले. १६७०

चारित्रशुद्धिविधानं शुभचन्द्रप्रणीतं.

(ज. ५५३ क्र. ४९९) सं. प. ७४ श्लो १४१६ ले. १७६८

(ज. ५५४ क्र. ४७६) सं. प. २७ " +

नि. स. अन्वेऽध्ववारद्वयके ?

जम्बूद्वीपाकृत्रिमजिनालयपूजा जिनदासब्रह्मकृता

(ज. ५५५ क्र. ४७७) सं. प. २७

त्रिलोकसारपूजा सुधासागरप्रणीता.

(ज. ५५६ क्र. ४७८) सं. प. ७८ ले. १८६४

दशलक्षणोद्यापनं सुमतिसागरविरचितं.

(ज. ५५७ क्र. ५५६) सं. प. १०

देवपूजाविधानं.

(ज. ५५८ क्र. ४५६) सं. प. २१

देवसिद्धपूजाविधानं.

(ज. ५५६ क्र. ५५७) सं. प. १०-२१

द्वादशव्रतोद्यापनं.

(ज. ५६० क्र. १६८) सं. प. ३

नवग्रहविधानं भद्रबाहुप्रणीतं.

(ज. ५६१ क्र. ५५८) सं. प. ५

(ज. ५६२ क्र. १६५) सं. प १० ले १६४४

पुष्पांजलिविधानं.

(ज. ५६३ क्र १६६) सं. प. ८

मुक्तावलीव्रतोद्यापनं.

(ज. ५६४ क्र. १७०) सं. प ३

(ज. ५६५ क्र. १७१) सं. प. ४

गन्तत्रयपूजा

(ज. ५६६ क्र. १७२) सं. प ७

गन्तत्रयविधान सकलकीर्तिकृतं.

ज. ५६७ क्र. १७३) सं. प. १४

शुक्लपञ्चमीव्रतोद्यापनं वादिचन्द्रप्रणीतं

(ज. ५६८ क्र. १७४) सं. प. १० श्लो. ११७

(ज. ५६९ क्र. १७५) सं. प. ८ श्लो. ११७

शुक्लपंचमीव्रतोद्यापनं सारावागजीककृतं.

(ज. ५७० क्र.) सं. प. ७ ले. १७३२

षोडशकारणपूजा.

(ज. ५७१ क्र. ४७६) सं. प. २

सप्तर्षिपूजा श्रीभूषणनिर्मिता

(ज. ५७२ क्र. ४५७) सं. प. १०

मम्मोदाचलपूजा गंगादासविहिता.

(ज. ५७३ क्र. १७६) सं. प. २०

सिद्धपूजा पद्मनंदिकृता.

(ज. ५७४ क्र. ४८०) सं. प. ३

*

*

६—प्रकीर्णक-ग्रन्थाः ।

अरहंतपाशाकेवली.

(ज. ५७५ क्र. ५८१) सं. प. ६ ले १६३८

जैनपाशाकेवली.

(ज. ५७६ क्र. १६८) सं. प. ५

(ज. ५७७ क्र. १६६) सं. प. ६ ले. १६१७

(ज. ५७८ क्र. ४६६) सं. प. ७ - अपूर्णा.

दश-दृष्टान्त .

(ज. ५७९ क्र. २००) सं. प. १८

दीक्षापटलं.

(ज. ५८० क्र. ५१८) सं. प. २ ले १८६६

धार्मिकचर्चा.

(ज. ५८१ क्र. ५६७) सं. प. ८

प्रस्ताविक-श्लोकाः

(ज. ५८२ क्र. ५५८) सं. प. ४४

प्रस्ताविकचर्चा.

(ज. ५८३ क्र. ५५६) सं. प. ६३

पंचप्रकारमुनिः.

(ज. ५८४ क्र. ५७३) सं. प. २

राजीमतीविरह-भक्तामर .

(ज. ५८५ क्र. ५८२) सं. प. ५

(ज. ५८६ क्र. २०१) सं. प. ६ ले. १९७०

(ज. ५८७ क्र. ५१६) सं. प. ७

शास्त्रभेदः

(ज. ५८८ क्र. ५२०) सं. प. १

षोडशस्वप्नावली.

(ज. ५८९ क्र. ५००) सं. प. ३ ले. १८८६

सभातरांगणी.

(ज. ५९० क्र. ५२१) सं. प. ५० छन्द ४६४

मुभाषित श्लोकाः.

(ज. ५९१ क्र. ५०२) सं. प. १०

*

*

*

१०—गुच्छक-ग्रन्थाः ।

- १—गुच्छकः (क्र. ^{५८४}५०४) ले. १६३४
५९०—आम्बवत्रिभंगी. नेमिचन्द्र सैद्धांतिकृता.
५९३—स्तवत्रिभंगी ”
- २—गुच्छकः (क्र. ५८५)
५९४—आम्बवत्रिभंगी ”
५९५—स्तवत्रिभंगी ”
५९६—सत्तापदप्ररूपणा ”
- ३—गुच्छकः (क्र. ५८६)
५९७—आम्बवत्रिभंगी ”
५९८—स्तवत्रिभंगी, ”

- † ४—गुच्छकः (क्र. ६०४) ले. १५५४
५६६—आस्रवत्रिभंगी.
६००—स्तवत्रिभंगी.
- ५—गुच्छकः (क्र. ६१६)
६०१—आराधनासारः प्रा. देवसेनसूरिकृतः
६०२—सम्बोधपञ्चाशिका.
- ६—गुच्छकः (क्र. ५८३) ले. १६६६
६०३—सारसमुच्चयः कुलभद्रप्रथितः
६०४—तत्वानुशासन रामसेनपूज्यकृत
६०५—त्रिपञ्चाशत्क्रिया. +
६०६—धर्मवर्णनगाथा. ×
६०७—सज्जनचित्तवल्लभः मल्लिपेणाचार्यकृतः
६०८—षट्त्रिंशद्भावना विमलसेनयतिकृता.
६०९—नीतिसारसमुच्चयः इन्द्रनन्दिविरचितः
६१०—नन्दिसंघपट्टावली. +
६११—दर्शनसारः देवसेनसूरिकृतः अपूर्ण.
- ७—गुच्छकः (क्र. ६६)
६१२—तत्त्वार्थसूत्र उमास्वामिरचितं.
६१३—भक्तामरस्तोत्रं मानतुगाचार्यनिर्मित.
- ८—गुच्छकः (क्र. ५६४)
६१४—भक्तामरस्तोत्रं
६१५—तत्त्वार्थसूत्रं
- ९—गुच्छकः (क्र. ५६३)
६१६—भक्तामरस्तोत्र
६१७—तत्त्वार्थसूत्रं
- १०—गुच्छकः (क्र. ८१)
६१८—तत्त्वार्थसूत्रं

- ६१६—जिनसहस्रनामलघु
६२०—भक्तामरस्तोत्रं
- ११—गुच्छकः (क्र. ८२)
६२१—भक्तामरस्तोत्रं
६२२—तत्त्वार्थसूत्रं
६२३—जिनसहस्रनामलघु
- १२—गुच्छकः (क्र. ८३)
६२४—जिनसहस्रनामलघु.
६२५—तत्त्वार्थसूत्रं
६२६—भक्तामरस्तोत्रं
- १३—गुच्छकः (क्र. ८४)
६२७—जिनसहस्रनामलघु.
६२८—तत्त्वार्थसूत्रं.
६२९—भक्तामरस्तोत्रं.
- १४—गुच्छकः (क्र. ४८७)
६३०—श्रावकप्रायश्चित्तं अकलंककृत.
६३१—शुद्धिविधिः +
६३२—श्रावकप्रायश्चित्तं वीरसेनमुनिविरचितं.
- १५—गुच्छकः (क्र. ४९८)
६३३—श्रावकप्रायश्चित्तं अकलंकनिर्मित.
६३४—शुद्धिविधिः +
६३५—श्रावकप्रायश्चित्तं वीरसेनमुनिविरहितं.
- १६—गुच्छकः (क्र. ८५)
६३६—शान्तिभक्ति. सं.
६३७—निर्वाणभक्तिः प्रा.
- १७—गुच्छकः (क्र. ६०६)
६३८—निर्वाणभक्तिः

६३६—नन्दीश्वरभक्ति

१८—गुच्छकः (क्र. ५६६)

६४०—लक्ष्मीस्तोत्रं पद्मप्रभदेवनिर्मितं

६४१—शान्तिनाथ-स्तोत्रं गुणभद्रप्रथितं

१९—गुच्छकः (क्र. ६००)

६४२—दर्शनपाठः

६४३—लघुमामायिकपाठः

२०—गुच्छकः (क्र. ६०७)

६४४—कल्याणमन्दिरस्तोत्रं कुमुदचन्द्राचार्यप्रणीतं.

६४५—एकीभावस्तोत्रं वादिराजमूरिविरचितं

६४६—विषापहारस्तोत्रं महाकविधनंजयरचितं.

२१—गुच्छक (क्र. ६१८)

६४७—लक्ष्मीस्तोत्रं पद्मप्रभदेवकृतं

६४८—परमानन्दस्तोत्रं

६४९—शान्तिनाथस्तोत्रं गुणभद्राचार्यं विरचितं.

६५०—वर्धमानस्तोत्रं.

२२—गुच्छकः (क्र. ६०८)

६५१—सिद्धिप्रियस्तोत्रं देवनन्दिप्रणीतं.

६५२—भूपालस्तोत्र-टीका पडिताशाधरविहिता.

६५३—लक्ष्मीस्तोत्रं पद्मप्रभदेवविहितं.

२३—गुच्छकः (क्र. ५९२)

६५४—भक्तामरस्तोत्रं (सावयूरि) मानतुगविरचितं

६५५—कल्याणमन्दिरस्तोत्रं कुमुदचन्द्राचार्यकृतं

६५६—एकीभावस्तोत्रं वादिराजसूरिप्रणीतं

६५७—विषापहारस्तोत्रं धनंजयकविकृतं.

६५८—भूपालस्तोत्रं भूपालकविप्रथितं.

२४—गुच्छकः (क्र. ६०५)

६५६—भक्तामरस्तोत्रं.

६६०—एकीभावस्तोत्रं.

६६१—कल्याणमन्दिरस्तोत्र.

६६०—विपापहारस्तोत्र.

६६३—भूपालस्तोत्रं.

६६४—सज्जनचित्तवल्लभः मस्त्रिषणकृतः

२५—गुच्छकः (क्र. ६०१)

६६५—जिनयज्ञविधानं.

६६६—अर्हद्भक्तिः पंडिताशाधरकृता.

६६७—सिद्धभक्ति.

६६८—स्वस्त्ययनविधानं

६६९—महर्षिपर्युपासनविधान.

६७०—वृहत्स्नपनविधान

२६—गुच्छकः (क्र. ८६)

६७१—कल्याणमन्दिरपूजा.

६७२—भक्तामर-पूजा.

६७३—विपापहारपूजा.

६७४—चौरासीजातजयमाला (हिंदी)

२७—गुच्छकः (क्र. ६०२)

६७५—अर्हदर्चनाविधानं.

६७६—श्रु ताष्टकं.

६७७—पादुकाष्टकं.

६७८—सिद्धभक्तिः सिद्धपूजा च.

६७९—कलिकुण्डपूजा-स्तवनं.

६८०—ऋषिमंडलस्तवनपूजा.

२८—गुच्छकः (क्र. ५८८)

६८१—दशलक्षणपूजा.

६८२—रत्नत्रयपूजा.

६८३—नन्दीश्वरद्वीपपूजा.

६८४—सरस्वतीपूजा

२९—गुच्छकः (क्र. ६१७)

६८५—पंचपरमेष्ठीपूजा.

६८६—योगीन्द्रपूजा.

६८७—शास्त्रजयमाला

६८८—लघुसामायिक

३०—गुच्छक. (क्र. ५८६)

६८९—जिनसहस्रनाम जिनमेनाचार्यकृतं

६९०—देवसिद्धपूजाविधानं.

६९१—तत्त्वार्थसूत्रं उमास्वामिनिर्मितं.

६९२—सोलहकारणपूजा. द्यानतरायकृता (हिंदी)

६९३—दशलक्षणपूजा " "

६९४—रत्नत्रयपूजा. " "

६९५—पंचमेरुपूजा " "

६९६—आष्टान्दिकपूजा. " "

६९७—शास्त्रपूजा. " "

३१—गुच्छक (क्र. ५९०)

६९८—जिनसहस्रनाम. जिनमेनाचार्यविरचितं.

६९९—देवसिद्धपूजाविधानं.

७००—तत्त्वार्थसूत्रं उमास्वामिप्रणीतं.

७०१—सोलहकारणपूजा द्यानतरायविहिता. (हिंदी)

७०२—दशलक्षणपूजा " "

७०३—रत्नत्रयपूजा. " "

७०४—पंचमेरुपूजा.	”	”
७०५—आष्टान्हिक-पूजा	”	”
७०६—शास्त्रपूजा.	”	”

+ ३२—गुच्छकः (क्र. ५६१)

७०७—जिनसहस्रनाम जिनसेनाचार्यकृतं.		
७०८—देवसिद्ध-पूजाविधानं.		
७०९—तत्त्वार्थसूत्रं उमास्वामिविरचितं.		
७१०—सोलहकारणपूजा. दाननरायजीकृत. (हिदी)		
७११—दशलक्षण-पूजा.	”	”
७१२—रत्नत्रयपूजा.	”	”
७१३—पंचमेरुपूजा.	”	”
७१४—आष्टान्हिकपूजा.	”	”
७१५—जिनवाणीपूजा.	”	”

३३—गुच्छकः (क्र. ६०३)

७१६—दर्शनस्तुतिः	
७१७—दर्शनस्तुतिः	
७१८—लघुस्नपनं.	
७१९—देवपूजाजयमाला.	
७२०—वंदेतान्जयमाला.	
७२१—सिद्धपूजाजयमाला.	
७२२—गुर्वावलीपूजाजयमाला.	
७२३—पार्श्वनाथपूजाजयमाला.	
७२४—सुरापगादिपूजा	
७२५—गंगादिपूजा.	
७२६—षोडशकारणपूजा—जयमाला.	
७२७—दशलक्षणपूजाजयमाला.	

- ७२८—कलिकुण्डपूजाजयमाला.
७२९—क्षेत्रपालपूजाजयमाला.
७३०—चितामणिपूजाजयमाला
७३१—चितामणिस्तोत्र.
७३२—रत्नत्रयपूजा—जयमाला.
७३३—नदीश्वरपूजाजयमाला
७३४—सरस्वतीपूजाजयमाला
७३५—पद्मावतीपूजा.
७३६—विहरमाणपूजाजयमाला
७३७—लब्धिविधानपूजाजयमाला.
७३८—कृत्रिमाकृत्रिमजिनालयस्तुति
७३९—शान्तिपाटी.
७४०—लघुसामायिकं.
७४१—तत्त्वार्थसूत्र
७४२—जिनमहस्रनाम पडिताशाधरकृत
७४३—विषापहारस्तोत्रं
७४४—भक्तामरस्तोत्र
७४५—कल्याणमन्दिरस्तोत्र
७४६—एकीभावस्तोत्रं.
७४७—लक्ष्मीस्तोत्रं.
७४८—निर्वाणकाण्डं.
७४९—पद्मावतीस्तोत्रं

३४—गुच्छकः (क्र. ५२५)

- ७५०—चाणिक्य—नीति.
७५१—दर्शनस्तुतिः
७५२—शान्तिपाठः

- ७५३—जयजयेत्यादिदेवपूजापाठः
७५४—महर्षिपर्युपासनं.
७५५—गुर्वावली.
७५६—सिद्धपूजा-जयमाला.
७५७—षोडशकारणपूजाजयमाला.
७५८—दशलक्षणपूजाजयमाला.
७५९—सुरापगादिपूजा.
७६०—कलिकुण्डपूजास्तोत्र.
७६१—कलिकुण्डस्तवन.
७६२—चितामणिपार्श्वनाथपूजास्तोत्र.
७६३—रत्नत्रयपूजाजयमाला.
७६४—भक्तामरस्तोत्रं.
७६५—सिद्धिप्रियस्तोत्र.
७६६—एकीभावस्तोत्र.
७६७—कल्याणमंदिरस्तोत्र.
७६८—विपापहारस्तोत्र.
७६९—ऋषिमंडलस्तोत्र.
७७०—पद्मावतीस्तोत्रं.
७७१—आदित्यवारकथा (हिंदी) भानुकीर्तिकृत.
७७२—दर्शनाष्टकं
७७३—जिनसहस्रनाम आशाधरविरचित.
७७४—जिनयज्ञविधानं. ”
७७५—सिद्धपूजाविधान ”
७७६—पंचपरमेष्ठीपूजा (आदि)
७७७—जिनगुणसम्पत्तिपूजा.
७७८—विनती. (हिंदी) सुमतिकीर्तिकृत.

७७६—दर्शनपूजा.

७८०—ज्ञानपूजा.

७८१—चारित्र्यपूजा.

७८२—पंचमंगल. (हिंदी)

७८३—तत्त्वार्थसूत्रं.

७८४—चौबीसतीर्थकरस्तवन.

तालपत्रोपरि. ग्रन्थाः

(ज. ७८५ क्र. ५२६) ५. ६२०)

(ज. ७८६ क्र. ५२७) ६२१)

(ज. ७८७ क्र. ५२८) ६२२)

(ज. ७८८ क्र. ५२९) ६२३)

समाप्तेयं संस्कृतप्राकृतग्रन्थानां नामावली ।

(५१)

भाषान्तर-ग्रन्थ ।

(विभाग-ख)

१—सिद्धान्त ग्रन्थ ।

आस्रवभेद.

(ज. ७८६ क्र. २४५) हिदी, प. २१ श्लो. २५० ले. १८८०

कर्मप्रकृति नेमिचन्द्रसिद्धान्तचक्रवर्तिकृत.

(ज. ७६० क्र. ५७) मू. प्रा. प. ५६ श्लो. १६२० पांडे हेम-
राजजी कृत हिदीसहित.

(ज. ७६१ क्र. २२२) मू. प्रा. प. ६१ श्लो. १६२०, पांडे
हेमराजजी कृत हिदीसहित. ले. १८१७.

(ज. ७६२ क्र. २२३) मू. प्रा. प. १२ अपूर्ण पांडे हेमराजजी
कृत हिदीसहित

कर्मप्रकृतिविधान. पं. बनारसीदासजी कृत.

(ज. ७६३ क्र. २५०) हिदी छंद, प. ६ अपूर्ण.

क्षपणासार नेमिचन्द्रसिद्धान्तचक्रवर्तिकृत.

(ज. ७९४ क्र. ८१) मू. प्रा. प. १३५ ले. १६५० टोडरमलजी
कृत हिदी.

गोम्मटसार-जीवकांड नेमिचन्द्रसिद्धान्तचक्रवर्तिप्रणीत.

(ज. ७६५ क्र. १५८) मू. प्रा. प. १३२, पं. खूबचदजीकृत हिदी.

(ज. ७६६ क्र. १५३) मू. प्रा. प. २२२-५५७. ले. १६२५.
पं. टोडरमलजी कृत हिदी.

(ज. ७६७ क्र. १६६) मू. प्रा. प. ५३ सिर्फ लेश्यामार्गणा
पं. टोडरमलजी कृत हिदी.

तत्त्वार्थसूत्र. पांडे जयवतकृत हिदी.

- (ज. ७६८ क्र. १३३) मू. उमास्वामी. प. १२२ ले. १६०४
(ज. ७६६ क्र. १४३) " प. १७३ +

तत्त्वार्थसूत्र पं. सदासुखजी कृत हिदी.

- (ज. ८०० क्र. १४४) मू. उमास्वामी प. १११ नि १६१०
(ज. ८०१ क्र २०६) " प. ६१ " ले. १६३५
(ज. ८०२ क्र ३५) " प ५४ "

तत्त्वार्थसूत्र हिदी. नाम नहीं.

- (ज. ८०३ क्र. १६) मू. उमास्वामी प २१ ले. १६४६

तत्त्वार्थसर्वार्थसिद्धि पं. जयचन्द्रजी छावड़ा कृत हिदी.

- (ज. ८०४ क्र. ८२) मू. पृज्यपादस्वामी. प. २९८ नि. १८६३
(ज. ८०५ क्र ८३) " प. २७३ " ले. १६५०.
(ज. ८०६ क्र. ८४) " प. २७७ "

त्रिलोकसार पं. टोडरमलजीकृत हिदी.

- (ज. ८०७ क्र. १०१) मू. नेमिचन्द्र सि० प ३७१ ले. १६५४
(ज. ८०८ क्र. १०२) " प. ३६२ +
(ज. ८०९ क्र. ८५) " प ३६२ +

इन तीनों ही प्रतियों में प्रशस्ति नहीं है तीसरी में सिर्फ ५ छंद है शेष नहीं ।

द्रव्यसंग्रह पं. जयचन्द्रजीकृत हिदी

- (ज ८१० क्र. ३६) मू. नेमिचन्द्रसि० प. ५२ नि. सा. १८६३
इसमें हिदी छन्द भी है ।

- (ज. ८११ क्र. ३७) मू. नेमिचन्द्रसि० प. ५७ नि. सा. १८६३

द्रव्यसंग्रह प्रा. पं. बंशीधरजीकृत हिदी.

- (ज. ८१२ क्र. ३८) मू. नेमिचन्द्रसि० प. ३१
(ज. ८१३ क्र. ३९) " प. ४०

(५४)

२—अध्यात्मोद्देश ग्रन्थ ।

अन्यमतसार जिनदामजी कृत हिंदी.

(ज. ८२६ क्र. २५५) प. ४१ ले. १६०६.

अनुभवप्रकाश दीपचन्द्रजी कृत.

(ज. ८२७ क्र. २५६) हि. प. ४३ ले. १८५७

अष्टपाहुड पं. जयचन्द्रजी कृत हिंदी

(ज. ८२८ क्र. १६१) प. १६२ श्लो. ६४५० ले. १६४४
नि. स १८६७.

(ज. ८२९ क्र. १६०) प. १५५ श्लो. ६४५० ले. १६२१
नि. स. १८६७.

(ज. ८३० क्र. ~~१६१~~^{१६२}) प. १६२ लो. ६४५० ले. १६४५
नि. स. १८६७.

(ज. ८३१ क्र. ७) प. १५१ श्लो ६४५० ले. १८८७
नि. स १८६७.

(ज. ८३२ क्र. २०७) प. २०६ श्लो ६४५० ले. १६३६
नि. स. १८६७.

(ज. ८३३ क्र. १८१) प. २४६ श्लो. ६४५० +
नि. स. १८६७. मूलकर्ता—कुन्दकुन्ददेव.

आत्मानुशासन पं. टोडरमलजी कृत हिंदी

(ज. ८३४ क्र. १६७) प. १३६ श्लो. ३५०० ले. १८८६
मूल. गुणभद्राचार्य.

(ज. ८३५ क्र. ११४) प. १०२ " ले. १९०६
मूल. गुणभद्राचार्य.

(ज. ८३६ क्र. १२२) प. ८६ " ले. १८८८
मूल. गुणभद्राचार्य

(ज. ८३७ क्र. १७१) प. १४५ " ले. १६५१

मूल. गुणभद्राचार्य.

(ज. ८३८ क्र. १७२) प. १३५ " ले. १६५१

मूल. गुणभद्राचार्य.

(ज. ८३६ क्र. १८२) प. १०१ " ले. १८४१

मूल. गुणभद्राचार्य.

(ज. ८४० क्र. १४५) प. १२३ " ले. १८६५

मूल. गुणभद्राचार्य.

(ज. ८४१ क्र. १६५) प. ११० " ले. १८५४

मूल. गुणभद्राचार्य.

(ज. १४३७ क्र. २४७) प. १३० " ले. १६०६

मूल. गुणभद्राचार्य.

आत्मावलोकन हिदी.

(ज. ८४२ क्र. १६६) प. ७७ ले. १६०८

(ज. ८४३ क्र. १८३) प. १०६ +

आराधनासार.

(ज. ८४४ क्र. १२५) प. २४ ले. १६३३ मू० देवसेनसूरि,

इष्टोपदेश पं. पन्नालालजी कृत हिदी.

(ज. ८४५ क्र. १२६) प. १२ ले. १६३५ नि स. १६३५

मू० पूज्यपादस्वामी.

उपदेशसिद्धान्तरत्नमाला पं० भागचन्द्रजी कृत हिदी.

(ज. ८४६ क्र. ८८) प. ३४ नि स. १६१२ ले. १६४२

मूलकर्ता श्वेताम्बर नेमिचन्द्र भडारी.

(ज. ८४७ क्र. १५) प. ३१ नि. स. १६१२ +

मूलकर्ता श्वेताम्बर नेमिचन्द्र भडारी.

(ज. ८४८ क्र. ११) प. ३० नि. स. १९१२ ले. १६३७

मूलकर्ता श्वेताम्बर नेमिचन्द्र भडारी.

(ज. ८४९ क्र. २३८) प. ५३ नि. स. १६१२ +

मूलकर्ता श्वेताम्बर नेमिचन्द्र भंडारी.

(ज. ८५० क्र. २५७) प. ४० नि. स. १६१२ +

मूलकर्ता श्वेताम्बर नेमिचन्द्र भंडारी.

चारध्यानका व्योरा. हिंदी

(ज. ८५१ क्र. २५८) प. १० ले. १८६३

चेतनचरित्र हिंदी

(ज. ८५२ क्र. २५९) प. १० अपूर्ण.

छहढाला. पं. बुधजनजी कृत

(ज. ८५३ क्र. १७३) प. १० नि स १८५६

छहढाला पं. दोलतरामजी कृत

(ज. ८५४ क्र. २०८) प. २८ ले १६६५ नि स. १८६१

जैनशतक पं. भूधरदामजी कृत

(ज. ८५५ क्र ४३) प. १८ ले. १६३६ नि. स. १७८१.

(ज. ८५६ क्र ४४) प. १० ले १८७६ "

ज्ञानदर्पण शाहदीपचन्द्रजी कृत

(ज. ८५७ क्र १८४) प. २४ ले १८७०.

(ज. ८५८ क्र १७४) प. २२ +

ज्ञानार्णव. पं. जयचन्द्रजी कृत हिंदी

(ज. ८५९ क्र. १६७) प. २६५ ले. १८६३ नि. स. १८६६

मू० शुभचन्द्राचार्य

(ज. ८६० क्र ११६) प ४५० ले. १८७८ नि. स. १८६६

मू० शुभचन्द्राचार्य.

(ज. ८६१ क्र. १) प १३१ अपूर्ण नि. स. १८६६ मू०

शुभचन्द्राचार्य.

णमोकारमंत्रांचे भेद.

(ज. ८६२ क्र. ११३) प. ७ मराठी.

तत्त्वज्ञानतरंगिणी भट्टारकज्ञानभूषणकृत.

(ज. ८६३ क्र. ८६) प. ५० अनुवादकका नाम नहीं

(ज. ८६४ क्र. १२५) प. ६०

तत्त्वसार, पन्नालालजीचौधरीकृत हिंदी.

(ज. ८६५ क्र. १८५) प. २८ ले. १६५२ नि. स. १६३१

मू० देवसेनसूरि.

धर्मपरीक्षा अभितगतिसूरिकृत

ज. ८६६ क्र. २८) प. १६६ अनुवादक का नाम नहीं

(ज. ८६७ क्र. १४६) प. २४३ पं. दशरथजीकृत हिंदी.

धर्मप्रबोधिनी गोपालदामजी मोहितवालकृत

(ज. ८६८ क्र. ४५) प. ३१ ले. १६३३.

नरकस्वगवर्णन (हिंदी).

(ज. ८६९ क्र. २०६) प. ४५ ले. १६११

नाटकसमयसार (छंदोबद्ध) पं. बनारसीदामजीकृत

(ज. ८७० क्र. २१०) प. ८६ नि. स. १६६३

(ज. ८७१ क्र. २२४) प. ५७ नि. स. १६६३ ले. १८०४

(ज. ८७२ क्र. १६२) प. १०८. मानुवाद, अनुवादक का नाम नहीं ले. १६५२.

नाटकसमयसारकलश अमृतचन्द्रसूरिकृत

(ज. ८७३ क्र. १४७) प. २३५ ले. १७६० अनुवादक कानाम नहीं

पद्मनन्दिपंचविशतिका. जौहरीलालजी व मुन्नालालजी कृत हिंदी.

(ज. ८७४ क्र. १५७) प. २४१ ले. १६६० अ. स. १६१५

(ज. ८७५ क्र. ६६) प. ३४२ ले. १६५४ "

(ज. ८७६ क्र. ६७) प. ३८३ ले. १६३३ "

परमात्मप्रकाश पं. दौलतरामजी कृत हिंदी

(ज. ८७७ क्र. ८) प. २०७ श्लो ६८६० ले. १६००

मू. योगीन्द्रदेव.

(५८)

(ज. ८७८ क्र. २) प. २०५ श्लो. ६८६० ले. १६००

मू. योगीन्द्रदेव.

(ज. ८७६ क्र. १७५) प. २८८ " ले. १९६२

मू. योगीन्द्रदेव.

(ज. ८८० क्र. २३३) प. २२४ " ले. १८६१

मू. योगीन्द्रदेव.

पंचास्तिकाय पांडे हेमराजजी कृत हिंदी.

(ज. ८८१ क्र. १६८) प. ७८ ले. १८८७ मू० कुन्दकुन्ददेव.

(ज. ८८२ क्र. २११) प. १३४ ले. १६५७ "

(ज. ८८३ क्र. ११७) प. २२८ + "

(ज. ८८४ क्र. १८६) प. १५७ ले. १६१७ "

(ज. ८८५ क्र. १७६) प. ७४ + "

प्रवचनसार पांडे हेमराजजी कृत हिंदी.

(ज. ८८६ क्र. ६०) प. १६२ ले. १८६६ अ. स. १७०६

मू. कुन्दकुन्ददेव.

(ज. ८८७ क्र. ६) प. १७३ ले. १८६७ "

मू. कुन्दकुन्ददेव.

(ज. ८८८ क्र. ११) प. २३० + "

मू. कुन्दकुन्ददेव.

मिथ्यात्वनिषेध

(ज. ८८९ क्र. ५१) प. ३१ कर्ता का नाम नहीं ।

मोक्षमार्गप्रकाश (हिन्दी) प० टोडरमलजी कृत.

(ज. ८९० क्र. १६६) प. २३० ले. १६०६ नि. स. लगभग

१८२५.

(ज. ८९१ क्र. १२६) प. २१८ ले. १६०६ लगभग १८२५

योगसार पन्नालालजी चौधरी कृत (हिंदी)

(ज. ८६२ क्र. ४६) प. ३८ ले. १६३८ अ. स. १६३२ मू०
योगीन्द्रदेव.

षट्पाहुड (हिंदी छन्द) चितामणि कृत.

(ज. ८६३ क्र. ४७) प. २५

सज्जनचित्तवल्लभ. मल्लिषेणचर्यकृत.

(ज. ८६४ क्र. १२७) प. ५८ अनुवादक का नाम नहीं

समयसार पं० जयचंदजी झाबड़ा कृत हिन्दी.

(ज. ८६५ क्र. ३) प. ३२१ ले. १६४८ अ. स. १८६४
मू० कुन्दकुन्दर्षि

(ज. ८६६ क्र. ६८) प. २८८ ले. १६०६ "

मू० कुन्दकुन्दर्षि

(ज. ८६७ क्र. १०६) प. २६६ ले. १८६१ "

मू० कून्दकुन्दर्षि

समाधितंत्र पर्वतधर्मार्थकृत (गुर्जर).

✕ (ज. ८६८ क्र. १२८) प. १८२ ले. १६४५ मू० पूज्यपादस्वामी

✕ (ज. ८६९ क्र. २२५) प. १४२ ले. १७६६ "

समाधितंत्र मारिणकचन्दजी श्रावककृत हिंदी.

(ज. ९०० क्र. ४८) प. २६ मू० पूज्यपादस्वामी.

सर्वविशुद्धज्ञानाधिकार अमृतचंद्रसूरिकृत.

(ज. ९०१ क्र. २६०) प. ५१ क. ५५ श्लो. ६३१ समयसार-
कलश के एक अधिकार का अनुवाद

सुभाषितार्णव पं० पन्नालालजी चौधरी कृत हिंदी

(ज. ९०२ क्र. २६) प. २८७ अ. स. १६३० मू० भट्टारक-
सकलकीर्ति.

+ (ज. ९०३ क्र. ११६) प. २०६ अ. स. १६३० मू० भट्टारक-
सकलकीर्ति.

(६०)

सुभाषितावली पं० पन्नालालजी चौधरीकृत हिदी.

(ज. ६०४ क्र. ६१) प. ६६ अ. स. १६३१

सूक्तमुक्तावली सुन्दरलालजी लमेचू कृत हिदी.

(ज. ६०५ क्र. ३०) प. १०६ ले. १६३८ अ. स.—रम
युग ५—सराग ५—शशि १७४६

(ज. ६०६ क्र. २२६) प. ५० अपूर्णा

सूक्तमुक्तावली (छंदोबद्ध) बनारसीदामजी कृत.

(ज. ६०७ क्र. २६१) प. ३१ ले. १७६१ नि म. १६६१

म्बानुभवदर्पण (छंदोबद्ध) मुंशी नाथूरामजी कृत.

(ज. ६०८ क्र. ५६) प. २० नि. म. १६५६ स्वकृत अनुवाद
सहित ।

हितोपदेश

(ज. ६०९ क्र. २६२) प. २५

+ + +

३--आचार-ग्रन्थ ।



अमितगतिश्रावकाचार पं० भागचन्दजी कृत हिन्दी

(ज. ६१० क्र. ७५) प. १७६ ले. १६४६ अ. स. १६१२

आचारसार पं० पन्नालालजी चौधरी कृत हिदी

(ज. ६११ क्र. ७६) प. १६१ अ. स. १९३४ मू० वीरनन्दी
सैद्धान्ती.

उपासकाध्ययन दुलीचन्दजी कृत.

(ज. ६१२ क्र. ३१) प. २१२ मू० वसुनन्दी सैद्धान्ती

उपासकाध्ययन पं० चंपालालजी कृत हिन्दी.

(ज. ६१३ क्र. ३२) प. ४७० ले. १६६४ नि. स. १६०६
मू० वसुनन्दी सैद्धान्ती.

उमास्वामिश्रावकाचार पं० हलायुधजी कृत हिन्दी.

(ज. ६१४ क्र. १२९) प. ७६ श्लो. २२०० ले. १६६६

क्रियाकोष (छंदोबद्ध) पं० दौलतरामजी कृत.

(ज. ६१५ क्र. १३०) प. ६६ ले. १९४२ नि. स. १७६५

(ज. ६१६ क्र. २६१) प. १६६ ले. १८५१ ”

X (ज. ६१७ क्र. १७) प. २८ अपूर्ण ”

गुरूपदेशश्रावकाचार (हिन्दी) पं० डालरामजी कृत.

X (ज. ६१८ क्र. ६०) प. ३१ श्लो. ६३०

गंगडुप्रायश्चित्त (गुर्जर) गंगडु कृत.

X (ज. ६१९ क्र. ६१) प. १६ ले. १६१५

चारित्रसार पं० सुगनचंदजी कृत हिन्दी

(ज. ६२० क्र. २३२) प. ३६० ले. १६२४ अ. स. १७८१

मू० चामुंडराय महाराज.

छेदपिंड इन्द्रनन्दिकृत

X (ज. ६२१ क्र. १३१) प. १५ ले. १६१७ गुर्जर अनुवाद युक्त

(ज. ६२२ क्र. २६३) प. २२ ले. १६०७ ”

(ज. ६२३ क्र. २६४) प. २५ ले. १८६६ ”

(ज. ६२४ क्र. २६०) प. ४८ + ”

त्रिवर्णाचार के श्लोक.

X (ज. ६२५ क्र. २४६) प. ५ (हिन्दी)
नित्यकृत्य

X (ज. ९२६ क्र. १००) प. ७ ले. १६४८

धर्मसार पं० शिरोमणिकृत

X (ज. ६२७ क्र. १२०) प. ५६ ले. १६४६ नि. स. १७३२

धर्मसंग्रहश्रावकाचार उदयलालजी काशलीवाल कृत हिन्दी.

(ज. ६२८ क्र. ८६) प. १३० ले. १६७५ अ. स. १६१०

ई० वि. १६६७. मू० पं० मेधावी.

पद्मनन्दिश्रावकाचार. (गुर्जर)

(ज. ६२६ क्र. ६०) प. १३ ले. १६६६ मू० आचार्यपद्म-
नन्दी, पद्मनन्दिपंचविशतिका का छठा अधिकार.

पुरुषार्थसिद्धयुपाय प० टोडरमलजी व पं० दौलतरामजी कृत हिंदी.

(ज. ६३० क्र. १०३) प. १०३ ले. १६२६

(ज. ६३१ क्र. १३२) प. १०४ ले १६४५

(ज. ६३२ क्र. १८७) प. १११ ले. १६०१

(ज. ६३३ क्र १३४) प ८१ ले. १६०३

(ज. ६३४ क्र ६) प. ११६ +

नोट—प० टोडरमलजी के स्वर्गवाम के अनन्तर सं० १८२७ मे
पं० दौलतरामजी ने पूर्ण किया.

प्रभोत्तरोपासकाचार प० पन्नालालजी चौधरी कृत हिंदी

(ज. ६३५ क्र. १०५) प. १६३ ले. १६४७ अ. स. १६३१

मू० सकलकीर्तिभट्टाटक

बाईसअभक्त्य. दुलीचंदजी कृत

(ज. ६३६ क्र. २००) प. १५

भगवतीआराधना. पं० मदासुखजी काशलीवाल कृत हिंदी.

(ज ६३७-३८ क्र ७२) प. ७८७ ले. १६२१ अ. स १६०८

मू० शिवकोटी.

मूलाचार पं० नन्दलालजी व पं० ऋषभचंदजी कृत हिन्दी

(ज. ६३६ क्र. १०८) प. ४६१ ले. १६३३ अ. स. १८८८

मू० बट्टकेराचार्य

(ज. ६४० क्र. १५६) प. २७०-२८० + "

मू० बट्टकेराचार्य

(ज. ६४१ क्र. ७७) प. १-२३८ + "

मू० बट्टकेराचार्य

(६३)

(ज. ६४२ क्र. ७८) प. १-२३० + "

मू० वट्टकेराचार्य

(ज. ६४३ क्र. ७६) प. ३०१-५४५ ले. १६२० "

मू० वट्टकेराचार्य

मुनिभोजन के दोष

(ज. ६४४ क्र. ६३) प. ३१ अपूर्ण

रत्नकरंड-श्रावकाचार पं० सदासुखजी कृत हिंदी.

(ज. ६४५ क्र. १५४) प. २१३ श्लो. १३१०० अ. स. १६२०.

(ज. ६४६ क्र. ४) प. २३२ " "

ले. १६२३. मू०-स्वामिसमन्तभद्र

रत्न-करंड-श्रावकाचार. पं. चम्पालालजी कृत हिंदी

(ज. १४३६ क्र. २४८) व. ३७८ ले. १६३०.

विवाह-पद्धति. पं. फतेलालजी कृत.

(ज. ६४७ क्र. ६२) प. ४३ ले. १९४६.

व्रतपत्र, (हिंदी)

(ज. ६४८ क्र. ६४) प. १८ ले. १६४८

व्रत-विधान.

(ज. ६४६ क्र. १४८) प. १० ले. १८६६

श्रावकाचार-त्रेपनक्रिया.

(ज. ६५० क्र. १२) प. १२ ले. १६४९

श्रावकाचार-संग्रह.

(ज. ६५१ क्र. ६३) प. १६४

श्रावकाचाररास (गुर्जर) धर्मपालजी कृत.

ज. ६५२ क्र. ३३) प. १३२ ले. १७१७

षोडशभावना (हिंदी)

(ज. ६५३ क्र. १३५) प. १३७ ले. १६४६

(६४)

(ज. ६५४ क्र. १८) प. ६३ "

(ज. ६५५ क्र. २१२) प. १२७ +

सागरधर्मामृत. पं० लालारामजी चावली कृत हिंदी

(ज. ६५६ क्र. १६३) प. १४६ ले. १६७४ मू० पं० आशाधरजी.

सारचतुर्विंशतिका पं० पार्श्वदासजी कृत हिंदी

(ज. ६५७ क्र. ६६) प. ३७७ श्लो १४७०१ ले १६५६

अ. स. १६१८ मू० भट्टारकमकलकीर्ति

स्वामिकार्तिकेयानुप्रेक्षा प० जयचन्दजी छावडा कृत हिंदी

(ज. ६५८ क्र. १६४) प. २३० ले १६२२ अ स. १८६३

(ज. ६५९ क्र. १३६) प. १६० + "

(ज. ६६० क्र. २३४) प. २१० + "

(ज. ६६१ क्र. १३७) प ११६ + "

मू०—स्वामिकार्तिकेय

मृत्युमहोत्सव पं० मदासुखजी कृत हिंदी

(ज ९६० क्र. २१३) प १५ ले. १६३६ मू०—का नाम नहीं ।

श्रावकप्रतिक्रमण प० पन्नालालजी चौधरीकृत हिंदी.

(ज. ६६३ क्र २६५) सं. प्रा० प १०१ अ स १६३०

समाधिमरण (हिंदी)

(ज. ६६४ क्र. ६४) प. १० ले १६३६

समाधिमरण हिंदी पं. दानतरायजी.

(ज. ६६५ क्र. २८६) प २ ले १६६०

सामायिकपाठ. पं० जयचन्दजी कृत हिंदी.

(ज. ६६६ क्र. ६५) प. ४४

(ज. ९६७ क्र. १६) प. ४६

(ज. ६६८ क्र. २०) प. ३५ ले. १९२९

सामायिकपाठ. पांडे जयवंत कृत हिंदी.

(ज. ६६९ क्र. २५) प २० ले. १८४१

(६५)

(ज. ६७० क्र. १६८) प. ४८ ले. १७६०

(ज. ६७१ क्र. २६६) प. ७२ ले. १८८६

*

*

*

४—इतिहास-कथा-ग्रन्थ ।



गौतमचरित्र प० पन्नालालजी चौधरीकृत हिदी.

(ज. ६७२ क्र. १४६) प. ११६ मू० मंडलाचार्यधर्मचन्द्र

चन्द्रप्रभचरित. पं० बखतावरमलजी अग्रवाल कृत हिदी.

(ज. ६७३ क्र. १५०) प. १६० ले. १६६४ अ. स. १६१३

नेमिपुराण पं. भागचन्द्रजी कृतहिदी.

(ज. ६७४ क्र. १५१) प. २३८ श्लो. ६५५२ ले. १६३२

अ. स. १६०७ मू०—नेमिदत्तब्रह्मचारी.

प्रद्युम्नचरित ज्वालानाथजी आदि कृत हिदी

(ज. ६७५ क्र. १६५) प. ३१६ श्लो. ६५७० ले. १६५१

अ. स. १६१६ मू०—भट्टारक सोमकीर्ति.

भद्रबाहुचरित. पं० चम्पारामजी कृत हिदी

(ज. ६७६ क्र. २०१) प. ५७ श्लो. १२२५ ले. १६६३

मू० भट्टारकरन्ननन्दी.

वर्धमानपुराण

(ज. ६७७ क्र. २३५) प. ३२३ श्लो. ७७०० मू० भट्टारकसकलकीर्ति.

वर्धमानपुराण

(ज. ६७८ क्र. ७३) प. १८० श्लो. ३३३५ ले. १८७८

हरिवंशपुराण पं० दौलतरामजी कृत हिन्दी.

(ज. ६७९ क्र. १०४) प. ५४० श्लो. १६००० ले. १६०८

अ. स. १८२६

+

+

+

कर्णामृत-पुराण (छंदोबद्ध) भट्टारकविजयकीर्ति कृत.

(ज. ६८० क्र. १०) प. १८२ ले. १६३० नि. स. १८२६

जीवंधरचरित (छंदोबद्ध) पं० नथमलजी विलाला कृत.

(ज. ६८१ क्र. ८७) प. १५३ श्लो. ४२०० नि. स. १८३५

पार्श्वनाथ-पुराण (छंदोबद्ध) पं० भूधरदामजी कृत.

(ज. ६८२ क्र. १७७) पं. ८४ ले. १८६५ नि. स. १७८६

(ज. ६८३ क्र. १८८) प. ८६ + "

(ज. ६८४ क्र. १८६) प. ८८ + "

(ज. ६८५ क्र. १७८) प १०२ १६४८ श्लो. २५००

श्रीपालचरित (छंदोबद्ध) पं० परमल्लजी कृत.

(ज ६८६ क्र. १७६) प. १२५ ले १६३४

आदिपुराणरास ब्र० जिनदासकृत

(ज ६८७ क्र. २३६) प. २०७ ले. १६३२ गु०

चन्द्रप्रभपुराणरास भट्टारकयशःकीर्ति कृत

(ज. ६८८ क्र. २२७) प. १५४ ले. १८५५ नि. स. १८५५ गु०

चन्द्रप्रभपुराणरास. ब्र० मेघराजकृत

(ज ६८९ क्र २१४) प. ५६ ले १७७० नि. स. १६०६ गु०

जम्बूस्वामि-रास ब्र० जिनदासकृत

(ज. ६९० क्र २६७) प ६४ ले. १७८४ गु.

नागपंचमीरास ब्र० जिनदासकृत

(ज. ६९१ क्र. २१५) प ४० गु.

पांडवपुराणरास भट्टारकयशःकीर्ति कृत

(ज. ६९२ क्र. १३८) प. १६३ ले. १६३० नि. स. १८५५

प्रद्युम्नप्रबन्ध. भट्टारकदेवेन्द्रकीर्तिकृत

(ज ६९३ क्र. ४६) प २८ नि. स. १७२२ गु

रत्नपालरास. सूरचन्द्रकृत

(ज. ६६४ क्र. २६८) प. ५० ले. १८५६ नि. स. १७३२ गु.

रत्नपालरास.

(ज. ६६५ क्र. २६९) प. ३६ श्लो. ७४२ गु.

रुक्मिणीहरणरास. भट्टारकरत्नभूषणकृत.

(ज. ६६६ क्र. २७०) प. ६ ले. १७१० गु.

श्रीपालचरित्ररास. भट्टारकयश कीर्तिकृत

(ज. ६६७ क्र. २३१) प. ११५ नि. स. १८५५ गु.

सुकुमालचरित्ररास ब्र० जिनदासकृत

(ज. ६६८ क्र. ६५) प. ३६ ले. १६२४ गु.

हनुमंतरास. ब्र० जिनदासकृत.

(ज. ६६९ क्र. २७१) प. २१-४६ अपूर्ण. गु.

आराधनाकथाकोष. (गुर्जरछन्द) साकलचन्द्रकृत.

(ज. १००० क्र. १३६) प. २७३ ले. १९१० नि. स. १८६१

आष्टान्हिकरास. (गुर्जर)

(ज. १००१ क्र. २७२) प. ३४

पल्यविधानरास (गुर्जर)

(ज. १००२ क्र. २७३) प. ६ ले. १६५८

श्रुतपंचमीकथा. (गुर्जर)

(ज. १००३ क्र. २८८) प. १३८ अपूर्ण.

समकितरास-आर्या—रत्नमतीकृत.

(ज. १००४ क्र. २७४) प. ८६ गु

सातव्यसनतुंरास-वीरचन्द्रमुनिकृत.

(ज. १००५ क्र. २७५) प. १६ ले. १६७० गु.

+

+

+

अनतव्रतकथा. प० फतेलालजीकृत.

X (ज. १००६ क्र. १५२) प. ४ ले. १६१४ (छंदोबद्ध)
दर्शनकथा. पं० भारामलजीकृत.

X (ज. १००७ क्र. १३) प. ३० (छंदोबद्ध)
दानकथा. पं० भारामलजीकृत.

X (ज. १००८ क्र. २०२) प. ३०
धन्यकुमारकथा (छंदोबद्ध)

X (ज. १००९ क्र. ५२) प. १७ ले १६२३
धर्मवृद्धि-मंत्री की कथा. बखतावरमलजीकृत.

X (ज. १०१० क्र. २७६) प. ४३ ले १८९५ नि स. १८२३
दृष्टान्तरूपव्याख्या. उदयलालजी गगवाल कृत.

X (ज. १०११ क्र. ७४) प. १५ ले १६४८
पुण्यास्रवकथा. प० दौलतरामजी काशलीवाल कृत हिंदी.

X (ज. १०१२ क्र. ८०) प. २५६ ले. १८६० अ. स. १७७७

X (ज. १०१३ क्र. १४०) प २१३ ले १८६४ "

मू. रामचन्द्र.

रविवारव्रत-कथा (सचित्र) गगादासकृत

X (ज. १०१४ क्र. १४१) प. १६ ले १८६१ नि. स. १६१५ श

X (ज. १०१५ क्र. २७७) प. ४ ले. १६१० "

सम्यकत्त्वकौमुदी. जोधराजजी गोदीका कृत.

X (ज. १०१६ क्र. ३४) प. ५० ले. १८४४

सिद्धचक्रकथा. प० नथमलजी कृत हिंदी.

X (ज. १०१७ क्र. १०६) प. १० मू० भट्टारकशुभचन्द्र.

X (ज. १०१८ क्र. १०७) प. १० "

होलिकाकथा.

X (ज. १०१९ क्र. २७८) प. ८ ले. १९१५

+

+

+

५—नाटक—ग्रन्थ ।

ज्ञानसूर्योदयनाटक. पं० भागचन्द्रजी कृत हिदी.

X (ज. १०२० क्र. २३७) प. १४१ ले. १६२६ अ. स. १६०७
मू. वादिचन्द्र-भट्टारक

ज्ञानसूर्योदयनाटक प० पार्श्वदासजी निगोत्याकृत हिदी.

X (ज. १०२१ क्र. २२) प. ५८ अ. स. १९१७ मू. भट्टारक-
वादिचन्द्र

*

*

*

६—न्याय—ग्रन्थ ।

देवागमस्तोत्र. प० जयचन्द्रजी कृत हिदी

X (ज. १०२२ क्र. १४) प. ५५ ले. १६७० अ. स. १८६६
X (ज. १०२३ क्र. ५३) प. ८१ + " "
मू. स्वामिसमन्तभद्र.

परीक्षामुख. प० जयचन्द्रजी कृत हिदी.

X (ज. १०२४ क्र. ६६) प. १२६ अ. स. १८६३
X (ज. १०२५ क्र. २०३) प. ६२ " ले. १८८६
मू. माणिक्यनन्दी.

सत्तानिश्चय (हिंदी)

X (ज. १०२६ क्र. ६७) प. २२
X (ज. १०२७ क्र. ५४) प. २६

*

*

*

७—स्तोत्र-ग्रन्थ ।



अकलंकाष्टकस्तोत्र. प० सदासुखजी कृत हिदी

X (ज. १०२८ क्र. ६८) प. ८ ले. १६३० अ. स. १६१५

मू. अकलंकदेव.

X (ज. १०२६ क्र. ५७) प १६ ले. १६३५ "

मू. अकलंकदेव

X (ज. १०३० क्र. २१६) प १० + "

मू. अकलंकदेव

एकीभावस्तोत्र. पं० पन्नालालजी चौधरी कृत हिदी.

X (ज. १०३१ क्र २३) प. १२ अ. म. १६३० मू-वाटिराजसूग्.

एकीभावस्तोत्र (हिदी छंद) पं० भूधरदामजी कृत.

(ज. १०३२ क्र ५५) प ५

एकीभावस्तोत्र (हिदी छंद) प० हीगलालजीकृत

(ज १०३३ क्र. २३६) प ५

ओकार की वनिका

X (ज १०३४ क्र. २२६) प. ४ ले १६४१

कल्याणामन्दिरस्तोत्र (हिदी छंद) प० बनारसीदामजी कृत

X (ज. १०३५ क्र. २७६) प. ३

चौबीसजिनस्तुति. प० ऋषभचन्द्रजी कृत (हिदी)

X (ज. १०३६ क्र ५६) प. २ नि. म. १६३६

जिनोपकारस्मरणस्तोत्र

X (ज. १०३७ क्र. ११२) प. ८ ले. १६४०

पंचमंगल. पं० रूपचन्द्रजी कृत.

(ज. १०३८ क्र. २४०) प. १०

भक्तामरस्तोत्र. पं० जयचन्दजी कृत हिंदी.

X (ज. १०३६ क्र. २४) प. २८ ले. १६६४ अ. स. १८७०

X (ज. १०४० क्र. २५) प. ३३ + "

X (ज. १०४१ क्र. २२८) प. ३५ ले. १८६० "

भक्तामरस्तोत्र.

(ज. १०४२ क्र. २४६) प. २३ ले. १६२४

X (ज. १०४३ क्र. ~~२४७~~^{३८९}) प. १२ ऋद्धि-मंत्र-गुण-विधिसहित.

भक्तामरस्तोत्र (हिंदी पद्य) पं० हेमराजजी कृत.

X (ज. १०४४ क्र. २४१) प. ८ ले. १६२४

(ज. १०४५ क्र. २४२) प ७ +

भूपालस्तोत्र (हिंदी पद्य) हीरानन्दजी कृत

(ज. १०४६ क्र. २४३) प. ३

विषापहारस्तोत्र (हिंदी पद्य) अचलकीर्तिकृत

X (ज. १०४७ क्र. ५८) प ५

मिद्धिप्रियस्तोत्र (हिंदी)

(ज. १०४८ क्र. २८१) प. २० ले. १७२६ मू. देवनन्दी.

सकटोद्धरणस्तोत्र (हिंदी पद्य)

(ज. १०४९ क्र. २८६) प. २१

*

*

*

द—पूजा-ग्रन्थ ।

१९५१

कर्मवहनपूजा.

(ज. १०५० क्र. २८२) प. ३० ले. १८८२

चतुर्विंशतिजिनपूजा कविवृन्दावनजी कृत

X (ज. १०५१ क्र. २०४) प. ७५ ले १६४६ नि. स १८७४

(७२)

(ज. १०५२ क्र. २१७) प. ८७ ले. १६५८ ”
चतुर्विंशतिजिनपूजा. कविरामचन्द्रजी कृत.

(ज. १०५३ क्र. १६०) प. ५६ ले. १८८८
चन्द्रसागरमुनिपूजा.

(ज. १०५४ क्र. २८७) प. ६
पंचकल्याणकपूजा.

✕ (ज. १०५५ क्र. २०५) प. १७ ले. १६५८ नि. स. १८६२
पंचपरमेष्ठीमंडलपूजा.

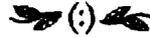
(ज. १०५६ क्र. १६१) प. ४३ श्लो ६००

*

*

*

६—संग्रह-ग्रन्थ ।



चर्चासागर. प० चम्पालालजी संगृहीत.

(ज. १०५७ क्र. १६६) प. २८१ ले. १६६५ नि. स. १६१०

(ज. १०५८ क्र. ७०) प. ३७६ ले. १६७६ ”

चर्चासारसंग्रह.

✕ (ज. १०५९ क्र. ५) प. २७८

चर्चासमाधान. कविवर भूधरदामजी संगृहीत.

✕ (ज. १०६० क्र. १४०) प. ११३ ले. १६४६ नि. स. १८७६

✕ (ज. १०६१ क्र. १८०) प. १३३ ” ”

चर्चानामावली.

✕ (ज. १०६२ क्र. २१८) प. ५० ले. १६६२.

चर्चापुस्तक.

✕ (ज. १०६३ क्र. १६२) प. ३३

चर्चाफुटकर

(ज. १०६४ क्र. २४४) प. १३ ले १६७१

चौबीसठाणाचर्चा.

(ज. १०६५ क्र. २८३) प. ३३

X (ज. १०६६ क्र. २६) प. ६२

X (ज. १०६७ क्र. १६३) प. १७

X (ज. १०६८ क्र. २३०) प. ६२ ले १८६३

प्रश्नोत्तरमाला.

X (ज. १०६९ क्र. १५५) प. ३८

मार्गणागुणस्थानचर्चा

(ज. १०७० क्र. २८४) प. ६

विद्वज्जनबोधक पं० पन्नालालजी मगुहित

X (ज. १०७१ क्र. ११०) प. ३३५ ले १६४१ प्रथमभाग

X (ज. १०७२ क्र. १११) प. २३६ " द्वितीयभाग

*

*

*

१०—प्रकीर्णक-ग्रन्थ ।

—०□०—

मोलहम्वानआदिके चित्र

X (ज. १०७३ क्र. २१६)

नरकाके चित्र

X (ज. १०७४ क्र. २२०)

सुभाषित-श्लोक.

(ज. १०७५ क्र. २८५) प. १५०

*

*

*

११—गुच्छक-ग्रन्थ ।



१—गुच्छक (क्र. ६६ ज. १०७६)

१—अनुभवके विषयमे २—पूजाप्रकरण. ३—तृष्णाके विषयमे. ४—सज्जनदुर्जनप्रकरण ५—धर्मके विषयमे. ६—सम्यक्त्वके विषयमे. ७—स्त्री-प्रकरण. ८—कामी पुरुष. ९—संसारकी दशाका वर्णन १०—नरक-वेदना. ११—नमस्कार-विषय. १२—मिथ्यात्वनिषेध. १३—साधुके विषयमे. १४—ज्ञानके विषयमे. १५—दानप्रकरण. १६—निशिभोजन

२—गुच्छक (क्र. २२१)

१०७७—शान्तिप्रकाश (हिंदी)

१०७८—धर्मके विषयमे (१) पंडितके विषयमे (२) सज्जन दुर्जनके विषयमे (३) मलिनताके विषयमे (४) विद्याके विषयमे (५) ज्ञानके विषयमे (६) साधुके विषयमे (७) पर स्त्रीके विषयमे (८) पुत्रीके पैसे लेनेके विषयमे (९) निशिभोजनके विषयमे (१०) तृष्णाके विषयमे (११) कृपणमाया-संवाद (१२) मूर्खके विषयमे (१३) बिनती (१४) नमस्कार (१५) मिथ्यात्वके विषयमे (१६) दानके विषयमे (१७) सम्यक्त्वके विषयमे (१८) अनुभवके विषयमे (१९) स्त्रीके विषयमे (२०) कामीके विषयमे (२१) संसारके विषयमे (२२) शुद्धिके विषयमे (२३) तीन वर्णके विषयमे (२४) खड़े आहार लेनेके विषयमे (२५) माला फेरनेके विषयमे (२६) निर्माल्यके विषयमे (२७) आत्माके विषयमे (२८) नरककथन (२९) फुटकर दोहे (३०)

- १०७६—वैराग्यपञ्चीसी. भैया भगवतीदासजी कृत.
१०८०—परमात्मछत्तीसी. ”
१०८१—दृष्टान्तपञ्चीसी ”
१०८२—मनत्रत्तीसी. ”
१०८३—स्वप्नवत्तीसी. ”
१०८४—स्वानुभवदर्पण मुंशी नाथूरामजी कृत (स्वकृत हिंदी
अर्थ महित)
१०८५—सज्जनचित्तवल्लभ. ” मू मल्लिषेणाचार्य
१०८६—समयसारनाटक दोहे

३—गुच्छक (क्र. १६४)

- १०८७—छहढाला पं० बुधजनजी कृत
१०८८—नरकके दोहे.

४—गुच्छक (क्र. २६७)

- १०८९—पल्यविधानरास.
१०९०—मोलहकारणरास.
१०९१—नागकुमारपंचमीफलरास. ब्र० जिनदास कृत.

५—गुच्छक (क्र. ३००)

- १०९२—चौबीसठाणा चर्चा.
१०९३—दर्शनपाठ (संस्कृत)
१०९४—सामायिकपाठ. (सं—प्रा०)
१०९५—योगदीपिका. (स)
१०९६—स्वप्राध्याय. ”
१०९७—भ्रमरलक्षण. ”
१०९८—त्रेपनक्रिया. (हिंदी)
१०९९—श्रावकाचारविधि (गुर्जर)

६—गुच्छक (क्र. ३०३)

- ११००—पचमंगल.
११०१—देवपूजा.
११०२—तीम चौबीसीका अर्घ.
११०३—त्रीसविहरमानपूजा.
११०४—अकृत्रिमचैत्यालयपूजा
११०५—त्रनोकें अर्घ.
११०६—मिद्धपूजा
११०७—निर्वाणभूमिपूजा
११०८—शान्तिपाठ.
११०९—स्तुति.
१११०—विमर्जन.
११११—देवपूजा (हिंदी)
१११२—त्रीसतर्थकरपूजा
१११३—सरस्वतीपूजा
१११४—गुरुपूजा.
१११५—मिद्धपूजा.
१११६—षोडशकारणपूजा.
१११७—दशलक्षणपूजा
१११८—रत्नत्रयपूजा
१११९—दर्शनपूजा.
११२०—ज्ञानपूजा.
११२१—चारित्रपूजा.
११२२—नन्दीश्वरपूजा
११२३—सम्मोदशिखरपूजा
११२४—मुक्तागिरिपूजा.
११२५—सोनागिरिपूजा.

- ११०६—पंचमेरुपूजा
११०७—तत्त्वार्थसूत्र.
११०८—जिनग्नहस्त्रनाम.
११०९—भक्तामरस्तोत्र
११३०—पार्श्वनाथ.
११३१—शान्तिनाथस्तोत्र
११३२—वृषभाष्टक
११३३—शान्तिनाथस्तोत्र
११३४—चन्द्रप्रभस्तोत्र.
११३५—सरस्वतीस्तोत्र
११३६—मंगलाष्टक
११३७—सुप्रभातस्तोत्र
११३८—दृष्टाष्टकस्तोत्र.
११३९—अद्याष्टकस्तोत्र.
११४०—परमानन्दस्तोत्र
११४१—चतुर्विंशतिजिनयंत्रोद्धार
११४२—पचनमस्कारस्तोत्र
११४३—वीतरागस्तोत्र.
११४४—भूपालस्तोत्र
११४५—स्मिद्धिप्रियस्तोत्र
११४६—अकलंकाष्टक
११४७—चैत्यवन्दना
११४८—सुप्रभातस्तोत्र.
११४९—दर्शनपाठ.
११५०—समवशरणाष्टक
११५१—कल्याणमन्दिरस्तोत्र.
११५२—एकीभावस्तोत्र.

- ११५३—विषापहारस्तोत्र.
११५४—चितामणिपार्श्वनाथस्तोत्र.
११५५—अर्हत्प्रवचन (सूत्र.)
११५६—लघुजिनसहस्रनाम.
११५७—पार्श्वनाथस्तोत्र.
११५८—घटाकर्णस्तोत्र.
११५९—जिनरक्षास्तोत्र.
११६०—जिनपंजरस्तोत्र.
११६१—वज्रपंजरस्तोत्र
११६२—ग्रहशान्तिस्तोत्र
११६३—लक्ष्मीस्तोत्र.
११६४—शान्तिनाथस्तोत्र.
११६५—महावीराष्टक.
११६६—मरुस्वतीस्तोत्र
११६७—भक्तामरभाषा.
११६८—कल्याणमन्दिरभाषा.
११६९—विषापहारभाषा,
११७०—एकीभावभाषा
११७१—देवदर्शनभाषा.
११७२—निर्वाणकाण्डभाषा.
११७३—बारहभावनाभाषा.
११७४—आत्मपञ्चीसी.
११७५—आलोचनापाठ.
११७६—लक्ष्मीस्तोत्र.
११७७—स्वयंभूभाषा.
११७८—पार्श्वनाथस्तोत्र.

- ११७६—सामायिक-पञ्चीसी.
११८०—सप्तव्यसनफल.
११८१—लुंपकपञ्चीसी.
११८२—वज्रनाभिवारहभावना.
११८३—सल्लेखनामरण.
११८४—ग्यारहप्रतिमा.
११८५—चौबीसदंडक
११८६—अहंतदेवस्तुति.
११८७—नेमिनाथबहत्तरी
११८८—गुरुविनति.
११८९—विनति.
११९०—करुणाष्टक
११९१—स्तुति
११९२—विनति.
११९३—सूरतबाराखड़ी.
११९४—तीर्थकरविनति.
११९५—पचेन्द्रियकथा
११९६—नारीचरित्र
११९७—समाधिशतक
११९८—पद
११९९—लावनी.
१२००—राग-होरी-ठुमरी-ठाठरे

७—गुच्छक (क्र. २९३)

- १२०१—पचमगल. रूपचन्दजी कृत.
१२०२—जिनसहस्रनाम. (सं.) जिनसेनाचार्यकृत (स्तुतिसहित)
१२०३—तन्वार्थसूत्र (मं.) उमास्वामिकृत.

- १२०४—द्रव्यसंग्रह (छंदोबद्ध) दानतरायजीकृत (मूलसहित)
१२०५—चौबीसठाणा (छंदोबद्ध) गोविन्ददासकृत
१२०६—बाईसपरीसह.
१२०७—भक्तामरस्तोत्र. मानतुगाचार्यविरचित
१२०८—कल्याणमंदिरस्तोत्र. कुमुदचन्द्राचार्यविरचित.
१२०९—कल्याणमन्दिरस्तोत्र. बनारसीदामजीकृत.
१२१०—निर्वाणकांडभाषा. भैयाभगवतीदासजीकृत.
१२११—लघुसहस्रनाम. (इन्द्रस्तुति)
१२१२—ण्कीभावस्तोत्र. वादिराजसूरिकृत
१२१३—ण्कीभावस्तोत्र भाषा. भूधरदामजीकृत.
१२१४—निर्वाणकांड (प्रा)
१२१५—विषापहारस्तोत्र. धनंजयकविकृत.
१२१६—भक्तामरस्तोत्र (भाषा) हेमराजजीकृत
१२१७—सूक्तमुक्तावली सोमदेवसूरिकृत
१२१८—चौबीसदंडक. दौलतरामजीकृत.
१२१९—समाधिमरण. दानतरायजीकृत.
१२२०—भूपालस्तोत्र. भूपालकविविरचित.
१२२१—लघुसामायिक. (स.) (संगृहीत)
१२२२—लघुसामायिक. (भाषा) भीमराजपंडितकृत नि.स १८६५
१२२३—सिद्धिप्रियस्तोत्र. देवनन्दीकृत.
१२२४—स्वयंभूभाषा. दानातरायजीकृत
१२२५—जीवसमास. ”
१२२६—खेतीरासो कामतीचन्द्र चौष (पाड्या)
१२२७—बारहभावना. डालूरामजी कृत.
१२२८—अठारानाता.
१२२९—छहढाला. बुधजनजीकृत (नि. स. १८५६
१२३०—बारहभावना.

- १२३१—बारहभावना.
१२३२—मोक्षपयड़ी.
१२३३—आलोचना-पाठ.
१२३४—प्रकृतिविधान. बनारसीदासजी कृत. (नि. स. १७००)
१२३५—अकलंकाष्टक. भट्टाकलंकदेवकृत.
१२३६—नामनिर्णय. +
१२३७—ज्ञानपञ्चीसी. बनारसीदासजीकृत.
१२३८—सुगुरुशतक. जिनदासगोधा कृत. (नि. स. १८५२)
१२३९—नित्यपूजाविधान.
१२४०—षोडशकारणपूजा. (सं.)
१२४१—दशलक्षणपूजा ”
१२४२—रत्नत्रयपूजा. प्रत्येकपूजामहित (सं.)
१२४३—पंचमेरुपूजा. ”
१२४४—आष्टान्हिकपूजा. ”
१२४५—सम्मद शिखरपूजा. (स.) गगादासकृत.
१२४६—बीसविहरमानपूजा. (सं.) वादिचन्द्रकृत. ?
१२४७—षोडशकारणपूजा. दानतरायजी कृत.
१२४८—दशलक्षणपूजा. ”
१२४९—रत्नत्रयपूजा. ”
१२५०—पंचमेरुपूजा. ”
१२५१—आष्टान्हिकपूजा. ”
१२५२—अनंतव्रतपूजा. +
१२५३—सम्मदशिखरपूजा (भाषा) जवाहरलालजी कृत.
(नि. स. १८६१)
१२५४—सोनागिरिपूजा ” सहसमल्लजी कृत.
१२५५—सूक्तमुक्तावली. कँवरपालजी-बनारसीदासजीकृत.
१२५६—कर्मछत्तीसी.

११५७—अध्यात्मबत्तीसी.

१२५८—गोरखवचन.

८—गुच्छक (क्र. २६४)

१२५९—स्वयंभूस्तोत्र. समन्तभद्रस्वामिकृत.

१२६०—तत्त्वार्थसूत्र. उमास्वामिकृत.

१२६१—रत्नत्रयपूजा. द्यानतरायजी कृत.

१२६२—जिनाभिषेकक्रम.

१२६३—अर्हदष्टक.

१२६४—जिनसहस्रनाम. जिनसेनाचार्यकृत.

१२६५—अर्हत्पूजा. (सं.)

१२६६—सिद्धपूजा. ”

१२६७—कलिकुण्डपूजा. ”

१२६८—सरस्वतीपूजा. ”

१२६९—गुरुपूजा. ”

१२७०—चतुर्विंशतिजिनपूजा. कविवरवृन्दावनजी कृत.

९—गुच्छक (ज. २९५)

१२७१—पदसंग्रह. हीराचन्द्रजी कृत.

१२७२—पदसंग्रह. +

१०—गुच्छक (क्र. ३०४)

१२७३—समाधिमरण. सूरचन्द्रजी कृत.

१२७४—ऋषिमंडलस्तोत्र.

१२७५—प्रश्नोत्तरमाला.

१२७६—शुद्धणमोकारमंत्रादि. ६१

१२७७—शकुनावली.

१२७८—इष्टछत्तीसी. बुधजनजी कृत.

१२७९—पार्श्वनाथस्तोत्र. पं० द्यानतरायजी कृत.

११—गुच्छक (क्र. २६६)

१२८०—अनेक चर्चाएं

१२—गुच्छक (क्र. २६८)

१२८१—संशयवचन-विच्छेद. (गुर्जर)

१२८२—लु कामतनिराकरण. (गुर्जर)

१३—गुच्छक (क्र. २६९)

१२८३—जिनसहस्रनाम. बनारसीदासजी कृत.

१२८४—सूक्तमुक्तावली.

१४—गुच्छक (क्र. ३००)

१२८५—दर्शनपाठ.

१२८६—दृष्टाष्टक.

१२८७—वर्ममानस्तोत्र. (हिंदी छंद)

१२८८—अनादिनिधन.

१२८९—मिथ्यात्ववानी. कविवरबनारसीदासजी.

१२९०—प्रस्ताविक-कवित्त.

१२९१—गोरखनाथके वचन.

१२९२—परमार्थ-वचन.

१२९३—परमानन्दस्तोत्र (सं)

१२९४—योगपावड़ी.

१५—गुच्छक (क्र. ३०१)

१२९५—लक्ष्मीस्तोत्र पद्मप्रभदेवकृत.

१२९६—नवकारपञ्चीसी. विनोदीलालजीकृत.

१२९७—कृपणपञ्चीसी. ”

१२९८—बाईसपरीषह.

१२९९—कल्याणमन्दिरस्तोत्र. कुमुदचन्द्राचार्यकृत.

१३००—भक्तामरस्तोत्र. मानतुंगाचार्यकृत.

- १३०१—विषापहारस्तोत्र. धनंजयकविकृत.
१३०२—भक्तामरस्तोत्र-भाषा. हेमराजजी कृत.
१३०३—कल्याणमदिर-भाषा. बनारसीदासजी कृत.
१३०४—विषापहार-भाषा. अचलकीर्तिकृत. नि. स. १७१५
१३०५—भूपालपञ्चीसी हीरानन्दजी कृत.
१३०६—एकीभाव भाषा.

१६—गुच्छक (क्र. ३०५)

- १३०७—चर्चाशतक. दानतरायजी कृत.
१३०८—सुगुरुशतक. जिनदासजीगोधा कृत.
१३०९—भूधरशतकके दो छंद.
१३१०—चौबीसठाणाकी चर्चा. गोविंदकविकृत. नि. स. १८८१
१३११—पाँचो पर्वीकी कथा. वेणुब्रह्मचारिकृत. नि. स. १७०७
१३१२—पार्श्वनाथस्तुति.
१३१३—चौबीसदडक पं दौलतरामजी कृत.
१३१४—सूरतकी बाराखडी.
१३१५—जोगीरासो. जिनदासजी कृत.
१३१६—मोक्ष-पयड़ी. बनारसीदासजी कृत.
१३१७—कुवेरप्रियश्रेष्ठी की कथा.

१७—गुच्छक (क्र. ३०६)

- १३१८—सकलीकरण.
१३१९—पंचमंगल.
१३२०—
१३२१—
१३२२—
१३२३—
१३२४—जिनदर्शनस्तोत्र (प्रा) पद्मनन्दिकृत.

- १३२५—देवपूजास्तुति. (सं० प्रा०).
१३२६—पंचपरमेष्ठीके गुण.
१३२७—देवपूजा (सं-प्रा०)
१३२८—शान्तिपाठ. (सं०).
१३२९—
१३३०—मुनीश्वरोकी जयमाला. जिनदासकृत.
१३३१—सिद्धपूजा जयमाला. (सं०)
१३३२—सरस्वती-पद्य. ”
१३३३—मंत्राधिक्यसाधनसमूह ”
१३३४—आष्टान्हिकपूजा-जयमाला (सं०-प्रा०)
१३३५—दशलक्षणपूजा-जयमाला. ”
१३३६—रत्नत्रयपूजा-जयमाला. (सं०)
१३३७—भक्तामरभाषा. पांडे हेमराजजी कृत.
१३३८—कल्याणमन्दिरभाषा बनारसीदासजी कृत.
१३३९—एकीभावभाषा. पं० हीरानन्दजी कृत.
१३४०—भूपालपञ्चीसीभाषा ”
१३४१—विषापहारभाषा अचलकीर्तिकृत.
१३४२—एकीभावभाषा द्यानतरायजीकृत.
१३४३—निर्वाणकांड (प्रा०).
१३४४—निर्वाणकांडभाषा भैयाभगवतीदासजी कृत.
१३४५—जिनसहस्रनाम (सं०) जिनसेनाचार्यकृत.
१३४६—पंचपरमेष्ठीपूजा ” आचार्ययशोनन्दीकृत.
१३४७—करुणाष्टक ” पद्मनन्दिकृत.
१३४८—पार्श्वनाथाष्टोत्तरशतक (सं०)
१३४९—लघुसहस्रनाम. ”
१३५०—दंडकस्तोत्र. ”

- १३५१—बज्रपिंजरस्तोत्र. (सं)
१३५२—णमोकारमंत्रर्द्धिस्तोत्र. ”
१३५३—पंचमेरुपूजाजयमाला भूधरदासजी कृत.
१३५४—कर्मदहनविधान (सं०)
१३५५—पंचकल्याणकपूजा ”
१३५६—पंचकल्याणक-प्रत्येकपूजा (सं०)
१३५७—धर्मपञ्चीसी दानतरायजी कृत.
१३५८—व्यसनत्यागषोडशी ”
१३५९—जीवसरधाचालीमी ”
१३६०—तिथिषोडशी ”
१३६१—मंगल-आरती. ”
१३६२—वैराग्यषोडशी ”
१३६३—पदचतुष्टय. ”
१३६४—जिनपूजाष्टक. ”
१३६५—आरतीजयमालाकी. ”
१३६६—देवपूजाष्टकआरती. ”
१३६७—पूजाष्टक. ”
१३६८—छयालीसबोल आरती. ”
१३६९—बीसविहरमानपूजा-जयमाला ”
१३७०—सिद्धपूजाष्टक पं० दौलतरामजीकृत.
१३७१—सिद्धोकी आरती. सुशालचन्द्रजी कृत.
१३७२—गुर्वष्टक. दानतरायजी कृत.
१३७३—साधुआरती. हेमराजजी कृत.
१३७४—जिनवाणी अष्टक-आरती. दानतरायजी कृत.
१३७५—पंचमेरुपूजा. ”
१३७६—अष्टान्हिकपूजा. ”
१३७७—सोलहकारणपूजा. ”

- १३७८—दशलक्षणपूजा. चानतरायजी कृत.
१३७९—रत्नत्रयपूजाष्टक-आरती. ”
१३८०—सिद्धक्षेत्रपूजा. ”
१३८१—सिद्धचक्रपूजा. ”
१३८२—अक्षरबावनी. ”
१३८३—नेमिनाथबहत्तरी. ”
१३८४—धर्मचाहगीत. ”
१३८५—आदिनाथस्तुति. ”
१३८६—शिक्षापंचाशिका. ”
१३८७—सहजाष्ट-आरती. ”
१३८८—प्रतिमाबहत्तरी. ”
१३८९—स्वयभूभाषा. ”
१३९०—समाधिमरणभाषा. ”
१३९१—द्रव्यसग्रहभाषा. ”
१३९२—जोगीरामो. जिनदासजीकृत.
१३९३—दोहरा. रूपचन्दजीकृत.
१३९४—द्वादशानुप्रेक्षा आल्हूकृत.
१३९५—जिनविनती. रूपचन्दजी कृत.
१३९६—मुनीश्वरोकी जयमाला.
१३९७—द्वितीय-जयमाला (प्रा०)
१३९८—तृतीय-जयमाला (हि०) मुमोहरकृत ?
१३९९—जिनभक्तिविनती.
१४००—चारसौछहजीवसमास. चानतरायजीकृत.
१४०१—दसथान-चौबीसी ”
१४०२—बारहभावना. भगौतीदासजीकृत
१४०३—जिनविनती. दीपचन्दजीकृत.
१४०४—वर्धमाननिर्वाणकल्याणक (सं०) असगकविकृत.

- १४०५—ऋषिमंडलपूजास्तोत्र (सं०)
१४०६—सूर्यमंत्र (१) पद्मावतीमंत्र (२) चक्रेश्वरीमंत्र (३)
शान्तिनाथमंत्र (४).
१४०७—भक्तामर (सं० हि०) ऋद्धि-मंत्र-गुणयुक्त.
१४०८—श्रीपालस्तुति. (हि).
१४०९—पार्श्वनाथस्तुति ”
१४१०—वीतरागस्तुति ” दीपचन्दजी कृत.
१४११—सरस्वतीस्तुति (प्रथम) (सं०)
१४१२—सरस्वतीस्तुति (द्वितीय) ”
१४१३—लक्ष्मीस्तोत्र पद्मप्रभकृत. (सं०)
१४१४—जिनरक्षास्तोत्र. ”
१४१५—सरस्वतीस्तोत्र. ”
१४१६—पार्श्वजिनस्तुति. (हिदी).
१४१७—पार्श्वजिनजन्मस्तुति. ” भूधरदासजी कृत.
१४१८—जिनविनती. ” दीपचन्दजी कृत.
१४१९—जिनस्तुति. ”
१४२०—बीसतीर्थकरजखड़ी ”
१४२१—तीर्थकरस्तुति ”
१४२२—परमानदस्तोत्र (सं०)
१४२३—जिनपंजरस्तोत्र. ”
१४२४—तीर्थकरस्तुति. (हिदी)
१४२५—घंटाकर्णमहावीरमंत्र. (सं०)
१४२६—तत्त्वार्थसूत्र. उमास्वामिकृत.
१४२७—भक्तामरस्तोत्र. मानतुंगाचार्यकृत.
१४२८—कल्याणमंदिरस्तोत्र. कुमुदचन्द्राचार्य प्रणीत.
१४२९—विषापहारस्तोत्र. महाकविधनजयकृत.
१४३०—एकीभावस्तोत्र. वादिराजसूरिकृत.

- १४३१—भूपालस्तोत्र. भूपालकविकृत.
१४३२—सर्वजिनस्तुति.
१४३३—पार्श्वनाथस्तुति (प्रा०)
१४३४—महावीरद्वात्रिंशत्का.
१४३५—सरस्वतीस्तोत्र. हेमराजजी कृत.
१४३६—गौड़ीपार्श्वनाथस्तुति.

समाप्त्यं भाषाग्रन्थानां नामावली ।



मुद्रित-दिगम्बर-जैन-ग्रन्थाः ।

१—सिद्धान्त-ग्रन्थ ।

अर्थप्रकाशिका. परमेष्ठीदासजी व सदासुखजी कृत.

(ज. १४४० क्र. ७ ख.) हि. श्लो. ११००० मु. २४४२वी, नि. १६१२

(ज. १४४१ क्र. ८ ") " " " "

(ज. १४४२ क्र. २४ ") " " " "

(ज. १४४३ क्र. २५ ") " " " "

(ज. १४४४ क्र. २६ ") " " " "

(ज. १४४५ क्र. २७ ") " " " "

गोम्मटसारजीवकांड. नेमिचन्द्रसिद्धान्तचक्रवर्तिकृत.

(ज. १४४६ क्र. १ ख.) अभयचन्द्रसिद्धान्तचक्रवर्तिकृत
मन्दप्रबोधिनी टीका, नेमिचन्द्रकृत तत्वदीपिका टीका और
टोडरमलजी कृत सम्यग्ज्ञानचन्द्रिका नामक हिन्दी टीका
सहित.

गोम्मटसारजीवकांड. नेमिचन्द्रसिद्धान्तचक्रवर्तिकृत.

(ज. १४४७ क्र. २८ क.) मूलमात्र, छाया और अवतरणिका
युक्त. मु. १६६८.

गोम्मटसारजीवकांड. नेमिचन्द्रसिद्धान्तचक्रवर्तिकृत.

(ज. १४४८ क्र. १२२ क.) मु. २४४२, पं० खूबचन्दजी शास्त्री
कृत हिन्दी युक्त.

गोम्मटसारकर्मकांड. नेमिचन्द्रसैद्धान्तिकृत.

(ज. १४४९ क्र. २ ख.) नेमिचन्द्राचार्यकृत तत्वदीपिका ना-
मक संस्कृतटीका और पं० टोडरमलजी कृत सम्यग्ज्ञानचन्द्रिका
नामक हिन्दी टीका सहित.

(ज. १४५० क्र. १२३ क.) मु. २४३८ वी., पं० मनोहरलालजी
कृत हिंदी सहित.

(ज. १४५१ क्र. १२४ क.) " " "

जैन-सिद्धान्त-दर्पण. पं० गोपालदासजी वरैया कृत.

(ज. १४५२ क्र. १४६ क.) मु. २४३४ वी. हिंदी.

(ज. १४५३ क्र. १४७ ") " " "

(ज. १४५४ क्र. १४८ ") " " "

जैनसिद्धान्तप्रवेशिका. पं० गोपालदासजी वरैया कृत.

(ज. १४५५ क्र. ४५२ क.) हि. नि. मु. २४३५

(ज. १४५६ क्र. ४५३ ") " "

(ज. १४५७ क्र. ४५० ") म. जीवराजगौतमद्वारा अनुवा-
दित. मु. २४३६.

(ज. १४५८ क्र. ४५१ ") म. "

तत्त्वार्थराजवार्तिकालकार. भट्टकलंकदेवकृत

(ज. १४५९ क्र. ६१ क.) सं. मु. २४४१ वी.

(ज. १४६० क्र. ६२ क.) सं. "

तत्त्वार्थश्लोकवार्तिकालकार. विद्यानन्दमूरिविरचित.

(ज. १४६१ क्र. ६३ क.) सं. मु-२४४४ वी.

तत्त्वार्थसर्वार्थसिद्धि. पूज्यपादस्वामी कृत

(ज. १४६२ क्र. ३५ ख.) सं. मु-१८२५ श.

तत्त्वार्थसर्वार्थसिद्धि. पं० जयचन्द्रजी कृत

(ज. १४६३ क्र. ४२ ख.) हिंदी.

(ज. १४६४ क्र. ४३ ख.) "

(ज. १४६५ क्र. ४४ ख.) "

तत्त्वार्थसार. अमृतचन्द्रसूत्रिप्रणीत

(ज. १४६६ क्र. ३ ख.) प० वंशीधरजी कृत हिंदी युक्त.
मु. २४४५ वी. अपूर्ण.

(ज. १४६७ क्र. ६६ ख.) " पूर्ण

तत्त्वार्थसूत्र. उमास्वामिकृत.

(ज. १४६८ क्र. ६७ ख.) पं० सदासुखजी कृत हिंदी सहित.

मु. १६५३ वि, नि. १६१०

(ज. १४६६ क्र. ६८ ख.) ”

(ज. १४७० क्र. १४६ ख.) ”

(ज. १४७१ क्र. ६६ ख.) जयचन्द्रश्रावणे कृत मराठी युक्त

मु. १६०५ ई०

(ज. १४७२ क्र. २८२ क.) पं० पन्नालालजी चाकलीवाल कृत
हिंदी युक्त. मु. २४३३ वी.

(ज. १४७३ क्र. २८३ क.) ”

(ज. १४७४ क्र. २८४ क.) ”

(ज. १४७५ क्र. २४८ क.) मराठी टीका सहित

त्रिलोकसार. नेमिचन्द्रसिद्धान्तचक्रवर्ती विरचित.

(ज. १४७६ क्र. २५१ क.) प्रा. माधवसेनत्रैविद्यदेवकृत संस्कृत
टीका सहित.

(ज. १४७७ क्र. २५२ क.) प्रा ”

(ज. १४७८ क्र. ५२५ क.) पं० टोडरमलजी कृत हिंदीसहित.

द्रव्यसंग्रह. नेमिचन्द्रसिद्धान्तचक्रवर्ती कृत.

(ज. १४७९ क्र. १२६ क.) ब्रह्मदेवकृत संस्कृत टीका. और
पं० जवाहरलालजी कृत हिंदी सहित.

(ज. १४८० क्र. १२७ क.) ”

(ज. १४८१ क्र. १२८ क.) ”

(ज. १४८२ क्र. १२९ क.) ”

(ज. १४८३ क्र. १५० क.) बाबू मूरजभानु कृत हिंदी युक्त.

(ज. १४८४ क्र. १५१ क.) ”

(ज. १४८५ क्र. ३६६ क.) पं० पन्नालालजी कृत हिंदी मराठी
सहित. मु० १६०० ई०.

(६३)

(ज. १४८६ क्र. ३६७ क.) पं० पत्रालालजी कृत हिंदी मराठी
सहित. मु० १६०० ई०.

(ज. १४८७ क्र. २८५ क.) पं० पत्रालालजी कृत हिंदी मराठी
सहित. मु० २४४० वी.

पंचाध्यायी. पं० मक्खनलालजी कृत हिंदी.

(ज. १४८८ क्र. १३० क.) सं०.

(ज. १४८९ क्र. १३१ क.) सं०

लब्धिमार. नेमिचन्द्रसिद्धान्तचक्रवर्ती प्रणीत

(ज. १४९० क्र. १३० क) प्रा. पं० मनोहरलालजी कृत
हिंदी सहित.

*

*

*

२—अध्यात्मोपदेश-ग्रन्थ ।



अनित्यपंचाशत्. पद्मनन्दाचार्यकृत.

(ज. १४९१ क्र. २१३ क.) सं० संस्कृत और गुजराती टीका
सहित.

अनुभवप्रकाश. पं० दीपचन्द्रजी कृत.

(ज. १४९२ क्र. ७८ ख.) हिंदी.

(ज. १४९३ क्र. ७९ ख.) ”

आत्मानुशासन. गुणभद्राचार्यकृत.

(ज. १४९४ क्र. ७६ ख.) सं०. ज्ञानचन्द्रजीकृत हिंदी सहित.

(ज. १४९५ क्र. १३६ क.) सं०. ”

(ज. १४९६ क्र. १८७ क.) सं०. पं० बंशीधरजीकृत हिंदीयुक्त.

(ज. १४९७ क्र. ७७ ख.) सं०. जीवराज गौतमकृत कृत
मराठी सहित.

आत्मप्रबोध. कुमारकविकृत.

(ज. १४९८ क्र. ३६ ख.) सं०. पं० गजाधरलालजी कृत हिंदी सहित.

(ज. १४६६ क्र. ४० ख.) सं०. पं० गजाधरलालजी कृत. हिंदी सहित.

आराधनासार. देवसेनसूरिकृत.

(ज. १५०० क्र. ८६ ख.) प्रा पं० गजाधरलालजी कृत हिंदी सहित.

(ज. १५०१ क्र. ८७ ख) प्रा पं० गजाधरलालजी कृत हिंदी सहित.

(ज. १५०२ क्र. २५३ क.) प्रा. रत्नकीर्तिकृतमंस्कृत टीका सहित.

(ज. १५०३ क्र. २५४ क.) प्रा. रत्नकीर्तिकृतसंस्कृत टीका सहित.

इन्द्रियपराजयशतक.

(ज. १५०४ क्र. २८६ क.) बुद्धलालकृत हिंदी पद्य सहित.

(ज. १५०५ क्र. २८७ क) "

इष्टछत्तीसी. पं० बुधजनजी कृत.

(ज. १५०६ क्र. २८८ क.) हिन्दी

उपदेशरत्नमाला जिनसेनपट्टाचार्यकृत.

(ज. १५०७ क्र. ४१ ख) मराठीछद्. नि. म १७४३ श

उपदेशसिद्धान्तरत्नमाला. नेमिचन्द्रभंडारीश्वेताम्बरकृत.

(ज. १५०८ क्र. २१५ क.) प्रा. पं० पन्नालालजी बाकली-
वाल कृत हिंदी और जयचन्द्र श्रावणे कृत मराठी सहित.

(ज. १५०९ क्र. २१६ क.) प्रा. पं० पन्नालालजी बाकली-
वाल कृत हिंदी और जयचन्द्र श्रावणे कृत मराठी सहित.

(ज. १५१० क्र. २१७ क.) प्रा पं० पन्नालालजी बाकली-
वाल कृत हिंदी और जयचन्द्र श्रावणे कृत मराठी सहित.

छहढाला. पं० दौलतरामजी कृत.

(ज. १५११ क्र. २२१ क.) हिंदी. बाबू शीतलप्रशादजी कृत
हिन्दी सहित.

(ज. १५१२ क्र. २२० क.) हिंदी. बाबू शीतलप्रशादजी कृत
हिन्दी सहित.

(ज. १५१३ क्र. २१९ क.) हिंदी. बाबू शीतलप्रशादजी कृत
हिन्दी सहित.

(ज. १५१४ क्र. २१८ क.) हिंदी. मुंशी अमनसिंहजी कृत
हिन्दी सहित.

छहढाला. पं० बुधजनजी कृत.

(ज. १५१५ क्र. १५२ क.) हिंदी. मुंशी नाथूरामजी कृत.
हिंदी युक्त.

ज्ञानार्णव शुभचन्द्राचार्यप्रणीत.

(ज. १५१६ क्र. १०७ क.) स प० पन्नालालजी बाकलीवाल
कृत हिन्दी युक्त.

(ज. १५१७ क्र. १०८ क.) सं प० पन्नालालजी बाकलीवाल
कृत. हिन्दी युक्त

(ज. १५१८ क्र. १०९ क.) स. प० पन्नालालजी बाकलीवाल
कृत हिन्दी युक्त

(ज. १५१९ क्र. ११० क.) सं. प० पन्नालालजी बाकलीवाल
कृत हिन्दी युक्त

(ज. १५२० क्र. १११ क.) सं. पं० पन्नालालजी बाकलीवाल
कृत हिन्दी युक्त.

(ज. १५२१ क्र. ११२ क.) सं. पं० पन्नालालजी बाकलीवाल
कृत हिन्दी युक्त.

तत्त्वज्ञानतरंगिणी. भट्टारकज्ञानभूषणकृत.

(ज. १५२२ क्र. ८२ ख.) सं. पं० गजाधरलालजीकृतहिदीसहित

(ज. १२२३ क्र. ८३ ") सं. "

(ज. १५२४ क्र. ८४ ") सं. "

(ज. १५२५ क्र. ८५ ") सं. "

दशलक्षणधर्म. पं० सदासुखजी कृत.

(ज. १५२६ क्र. २२२ क.) हिदी.

दशलक्षणधर्मजयमाला. रङ्गधूकविवरचित.

(ज. १५२७ क्र. २८६ क.) प्रा. प० लालारामजी कृत हिदी युक्त.

(ज. १५२८ क्र. २६० क.) प्रा. "

धर्मपरीक्षा. अमितगतिसूरिकृत.

(ज. १५२९ क्र. २२३ क.) सं० प० पन्नालालजी वाकलीवाल
कृत हिदी सहित.

(ज. १५३० क्र. २२४ क.) "

(ज. १५३१ क्र. २२५ क.) "

नियमसार. कुन्दकुन्दर्षिप्रणीत.

(ज. १५३२ क्र. २६१ क.) प्रा. पद्मप्रभमलधारी विरचित
संस्कृतव्याख्या और शीतलप्रसादजी कृत हिदीयुक्त.

(ज. १५३३ क्र. २६२ क.) प्रा. पद्मप्रभमलधारी विरचित
संस्कृतव्याख्या और शीतलप्रसादजी कृत हिदीयुक्त.

(ज. १५३४ क्र. २६३ क.) प्रा. पद्मप्रभमलधारी विरचित
संस्कृतव्याख्या और शीतलप्रसादजी कृत हिदीयुक्त.

पद्मनन्दिपंचशतिका. आचार्यपद्मनन्दिविरचित.

(ज. १५३५ क्र. २८ ख.) सं. पं० गजाधरलालजीकृत हिदी
सहित.

(ज. १५३६ क्र. २६ ख) सं. मराठीवृत्त, मराठीभाषा और
हिंदी अर्थ सहित.

(ज. १५३७ क्र. ३० ख) सं. ”

परमात्मप्रकाश. योगीन्द्रदेवकृत.

(ज. १५३८ क्र. ११३ क.) प्रा. ब्रह्मदेवकृत संस्कृत टीका और
पं० दौलतरामजी कृतहिंदी सहित.

(ज. १५३९ क्र. १५३ क.) प्रा. सूरजभानू वकीलकृतहिंदीयुक्त.

(ज. १५४० क्र. १५४ क.) प्रा. ”

(ज. १५४१ क्र. १५५ क.) प्रा. सूरजभानू वकीलकृतहिंदीयुक्त.

(ज. १५४२ क्र. १५६ क.) प्रा. ”

परमार्थजकड़ी.

(ज. १५४३ क्र. २६४ क.) हिंदी.

पंचास्तिकाय कुन्दकुन्ददेवकृत.

(ज. १५४४ क्र. ११६ क.) प्रा. अमृतचन्द्रसूरिकृतसंस्कृत
टीका और पं० पन्नालालजी कृत हिंदी सहित ।

(ज. १५४५ क्र. ११७ क.) प्रा. अमृतचन्द्रसूरिकृतसंस्कृत
टीका और पं० पन्नालालजी कृत हिंदी सहित ।

(ज. १५४६ क्र. ११८ क.) प्रा. अमृतचन्द्रसूरिकृतसंस्कृत
टीका और पं० पन्नालालजी कृत हिंदी सहित ।

(ज. १५४७ क्र. ११९ क.) प्रा. अमृतचन्द्रसूरिकृतसंस्कृत
टीका और पं० पन्नालालजी कृत हिंदी सहित ।

प्रवचनसारप्राभृत. कुन्दकुन्दाचार्यप्रणीत.

(ज. १५४८ क्र. ११४ क.) प्रा. अमृतचन्द्रसूरिप्रणीत तत्वप्र-
दीपिका जयमेनाचार्यविरचित तान्पर्यवृत्ति और पांडेहेमराजजी
कृत हिंदी सहित ।

(ज. १५४६ क्र. ११५ क.) प्रा. अमृतचन्द्रसूरिप्रणीत तत्वप्रदीपिका जयसेनाचार्यविरचित तात्पर्यवृत्ति और पांडे हेमराजजी कृत हिंदी सहित ।

प्रवचनसारपरमागम. कविवरबनारसीदासजी कृत.

(ज. १५५० क्र. २६५ क.) हिंदीपद्य.

(ज. १५५१ क्र. २६६ क.) ”

प्रश्नोत्तररत्नमालिका. राजर्षि-अमोघवर्षकृत.

(ज. १५५२ क्र. २६७ क.) सं. जिनवरदासजीकृत हिंदी सहित.

बुधजनशतसई. पं० बुधजनजीकृत.

(ज. १५५३ क्र. ४५६ क.) हिंदीपद्य मु. का. २४३६ बी.

(ज. १५५४ क्र. ४४५ क.) हिंदीपद्य ” २४४३ बी.

भूधरशतक. कविवरभूधरदासजीकृत.

(ज. १५५५ क्र. १५७ क) हिंदीवृत्त.

मकरध्वजपराजय. पं० गजाधरलालजी कृत हिंदी.

(ज. १५५६ क्र. २६८ क.) जिनदेव कृत संस्कृतका अनुवाद.

(ज. १५५७ क्र. २६९ क.) ”

मोक्षमार्गप्रकाशक. पं० टोडरमलजी कृत.

(ज. १५५८ क्र. ७० ख) हिंदी मु० १६५४ वि.

(ज. १५५९ क्र. १३७ क.) हिंदी ”

(ज. १५६० क्र. ३०० क) हिंदी मु० २४३८ बी

योगसार. वृद्ध-अमितगतिविरचित.

(ज. १५६१ क्र. ६ ख) सं. पं० गजाधरलालजी कृत हिंदी सहित.

(ज. १५६२ क्र. १० ख.) सं० ”

(ज. १५६३ क्र. ११ ख.) सं० पं० गजाधरलालजी कृत हिंदी.

(ज. १५६४ क्र. १२० क.) सं० ”

योगप्रदीप.

(ज. १५६५ क्र. २२६ क.) गुजराती.

रथणसार. कुन्दकुन्दाचार्यप्रणीत

(ज. १५६६ क्र. २२७ क.) प्रा. पं० कलापा भरमाप्पाकृत
मराठीसहित.

शीलमाहात्म्य. कविवरबनारसीदासजी कृत

(ज. १५६७ क्र. ३६२ क.) हिन्दी छंद.

षट्पाहुड कुन्दकुन्दाचार्य कृत.

(ज. १५६८ क्र. १८८ क.) प्रा. पं० गौरीलालजीकृत हिंदी युक्त

(ज. १५६९ क्र. १८९ क.) प्रा. ”

सज्जनचित्तवल्लभ. मल्लिषेणाचार्यविरचित.

(ज. १५७० क्र. १५८ क.) स. पं० मिहरचन्दजी कृत पद-
च्छेद, संस्कृतटीका, अन्वय, हिन्दी अर्थ और हिन्दी छंद युक्त.

(ज. १५७१ क्र. ३०१ क.) स. पं० मिहरचन्दजी कृत पद्य
हिन्दी अर्थ और पं० नयनानन्दजी कृत हिन्दी पद्य सहित.

(ज. १५७२ क्र. ३०२ क.) सं० ”

ममथसारप्राभृत. कुन्दकुन्दाचार्यप्रणीत.

(ज. १५७३ क्र. ४५ ख.) प्रा. पं० जयचन्दजी कृत हिंदी सहित.

(ज. १५७४ क्र. ४६ ”) प्रा. ”

(ज. १५७५ क्र. ४७ ”) प्रा. ”

(ज. १५७६ क्र. १२१ क.) प्रा. अमृतचन्द्रसूरिकृतात्मख्याति
जयसेन कृत तात्पर्यवृत्ति और पं० जयचन्दजी कृत हिन्दी
सहित.

(ज. १५७७ क्र. ९० क.) प्रा. अमृतचन्द्रसूरि कृत आत्म-
ख्याति और जयसेनाचार्यकृत तात्पर्यवृत्ति सहित

समयसारकलश. अमृतचन्द्रसूरिकृत.

(ज. १५७८ क्र. १२ ख.) सं. शुभचन्द्रभट्टारक कृत संस्कृत
टीका और पं० जयचन्द्रजी कृत हिंदी सहित.

(ज. १५७९ क्र. १३ ख. सं. " "

समयसारनाटक. कविवरवनारसीदासजी कृत.

(ज. १५८० क्र. १५ ख.) हिंदीपद्य, नानारामचन्द्रनाग कृत
हिंदी युक्त.

(ज. १५८१ क्र. ८६ क.) " गुजराती अर्थ महित.

(ज. १५८२ क्र. १५६ क.) " मूलमात्र.

(ज. १५८३ क्र. १६० क.) " "

(ज. १५८४ क्र. १६१ क.) " "

(ज. १५८५ क्र. ३६४ क) " "

सम्यग्ज्ञानदीपिका. लुल्लकधर्मदासजी कृत.

(ज. १५८६ क्र. ४ ख.) हिंदी.

(ज. १५८७ क्र. ५ ख.) "

(ज. १५८८ क्र. १३८ क.) "

समाधिशातक. पूज्यपादस्वामिकृत.

(ज. १५८६ क्र. ४२७ क.) सं. प्रभाचन्द्राचार्यविरचित संस्कृत
टीका और मराठी भाषान्तर सहित.

(ज. १५६० क्र. ४२८ क.) सं. "

(ज. १५६१ क्र. ४२६ क.) सं. "

सुभाषितरत्नसन्दोह. अमितगतिसूरिकृत.

(ज. १५६२ क्र. १६ ख.) सं. पं० श्रीलालजी काव्यतीर्थ कृत
हिंदी सहित.

(१०१)

(ज. १५६३ क्र. १७ ख.) सं. प० श्रीलालजी काव्यतीर्थ कृत
(ज. १५६४ क्र. १८ ख.) सं. ”

सूक्तमुक्तावली. सोमप्रभाचार्यविरचित.

(ज. १५६५ क्र. ३०३ क.) सं. कविबनारसीदासजी कृत हिंदी
पद्य और पं० लालारामजी कृत हिंदी सहित.
(ज. १५६६ क्र. ३०४ क.) ”

स्वानुभवदर्पण. मुंशीनाथूरामजी कृत.

(ज. १५६७ क्र. १६३ क.) हिंदीपद्य. स्वोपज्ञ हिंदी अर्थ युक्त.
(ज. १५६८ क्र. १६४ क.) ” ”

*

॥

*

३—आचार-ग्रन्थ ।



अनगारधर्मामृत सूरिकल्पआशाधरजीकृत.

(ज. १५६६ क्र. २५४ क.) सं., स्वोपज्ञ भव्यकुमुदचन्द्रिका-
ख्य टीका सहित.

अमितगतिश्रावकाचार. आचार्य-अमितगतिकृत.

(ज. १६०० क्र. १६० क.) सं. पं० कलाप्पा भरमप्पा कृत
मराठी अनुवादयुक्त.

आचारसार. वीरनन्दिसैद्धान्तिकृत.

(ज. १६०१ क्र. २५६ क.) सं
(ज. १६०२ क्र. २५७ क.) सं.

(१०२)

उपासकाध्ययन. वसुनन्दिसैद्धान्तिकृत.

(ज. १६०३ क्र. १६५ क.) प्रा. हिंदी अर्थ सहित. वसुनन्दि-
श्रावकाचारापरनाम.

(ज. १६०४ क्र. १६६ क.) प्रा. हिंदी अर्थ सहित. वसुनन्दि-
श्रावकाचारापरनाम.

चारित्रसार. चामुंडरायमहाराजकृत.

(ज. १६०५ क्र. २५८ क.) सं.

(ज. १६०६ क्र. २५९ क.) सं.

क्रियामंजरी.

(ज. १६०७ क्र. ४३९ क.) मराठी.

(ज. १६०८ क्र. ४४० क.) ”

जिनाचारविधि. आर. आर. बोवडे.

(ज. १६०९ क्र. ३९८ क.) मराठी.

ज्ञानानन्दश्रावकाचार. रायमस्सजी कृत.

(ज. १६१० क्र. ३०५ क.) हिन्दी

त्रैवर्णिकाचार. भट्टारकसोमसेनमुनिकृत.

(ज. १६११ क्र. ३६ ख) म. कालापाभरमणपानिटवे कृत
मराठी युक्त.

(ज. १६१२ क्र. ३७ ख.) सं. ”

(ज. १६१३ क्र. २८ ख.) स. ”

द्वादशानुप्रेक्षा.

(ज. १६१४ क्र. ५३ ख.) हिन्दी.

(ज. १६१५ क्र. ५४ ख.) ”

द्वादशानुप्रेक्षा. पं० कृष्णकृत.

(ज. १६१६ क्र. २४१ क.) गुजराती छंद, नि. स. १८६६

द्वादशानुश्रेष्ठा. कुन्दकुन्दाचार्य कृत.

(ज. १६१७ क्र. ४४६ क.) प्रा. कालचन्द्रजिनदत्तकृत
मराठी सहित.

(ज. १६१८ क्र. ३०७ क.) ” नाथूरामजी प्रेमी और मनो-
हरलालजी कृत हिन्दी युक्त.

धर्मसार. पं० शिरोमणिदासजी कृत.

(ज. १६१६ क्र. ३०६ क.) हिन्दी, नि. स. १७३२

धर्मसंग्रहश्रावकाचार. प० मोधाधीकृत.

(ज. १६२० क्र. १६१ क.) सं. उदयलालजी काशलीवाल कृत
हिन्दी सहित.

(ज. १६२१ क्र. १९२ क.) सं. ”

(ज. १६२२ क्र. १९३ क.) सं. ”

पुरुषार्थसिद्धयुपाय, अमृतचन्द्रसूरिप्रणीत

(ज. १६२३ क्र. १३३ क.) सं. नाथूरामजी प्रेमी कृत हिन्दी
सहित.

भगवती-आराधना शिवकण्ठिमुनिरचित.

(ज. १६२४ क्र. ४६ ख.) प्रा. प० सदासुखजी काशलीवाल
कृत हिन्दी युक्त.

(ज. १६२५ क्र. ५० ख.) प्रा. ”

(ज. १६२६ क्र. ५१ ख.) प्रा. ”

(ज. १६२७ क्र. ५२ ख.) प्रा. ”

रत्नकरंडश्रावकाचार, ममन्तभद्राचार्यकृत.

(ज. १६२८ क्र. ६ ख.) सं. पं० सदासुखजीकृतहिदी सहित.

(ज. १६२९ क्र. ५६ ख) सं० ”

(ज. १६३० क्र. ५७ ख) सं० ”

(ज. १६३१ क्र. ५८ ख.) सं० ”

(१०४)

(ज. १६३२ क्र. ५६ ख.) सं० पं० सदासुखजीकृतहिंदीसहित.

(ज. १६३३ क्र. ३०८ क.) सं० पं० पन्नालालजी वाकलीवाल
कृत हिंदी सहित.

(ज. १६३४ क्र. ३०६ क.) सं० ”

(ज. १६३५ क्र. ३१० क.) सं० ”

(ज. १६३६ क्र. ३११ क.) सं० ”

(ज. १६३७ क्र. ३१२ क.) सं० ”

(ज. १६३८ क्र. ४५४ क) सं० हीराचन्दजी नेमचन्दजी कृत
मराठीहिन्दियुक्त.

(ज. १६३९ क्र. ४५५ क.) सं० ”

(ज. १६४० क्र. ४५६ क.) सं० ”

(ज. १६४१ क्र. ४५७ क) सं० प्रेमचन्दजी मोतीचन्दजी कृत
गुजराती सहित

(ज. १६४२ क्र. ४५८ क.) पं० गिरिधरशर्मा कृतहिंदीपद्य.

श्रावकवनिताबोधिनी. जयदयालमल्लकृत.

(ज. १६४३ क्र. ३१३ क) हिंदी.

(ज. १६४४ क्र. ३१४ क.) ”

(ज. १६४५ क्र. ३१५ क.) हिंदी.

(ज. १६४६ क्र. ३१६ क.) ”

(ज. १६४७ क्र. ३१७ क.) ”

सागारधर्मामृत सूरिकल्पआशाधर विरचित.

(ज. १६४८ क्र. १६५ क.) सं० कलापा भरमप्पा कृत
मराठी सहित.

(ज. १६४९ क्र. १६४ क.) सं० स्वोपज्ञभव्यकुमुद चन्द्रिका
टीका और कलापा भरमप्पा कृतमराठी सहित.

(१०५)

(ज. १६५० क्र. २६० क.) सं. स्वांपज्ञभव्यकुमुदचन्द्रिका-
ख्यसंस्कृतटीकायुक्त.

(ज. १६५१ क्र. २६१ क.) म. "

(ज. १६५२ क्र. २६२ क.) सं. "

(ज. १६५३ क्र. २६३ क.) म. "

(ज. १६५४ क्र. ३१८ क.) म. पं० लालारामजी कृत हिदी-
सहित, पूर्वार्ध.

(ज. १६५५ क्र. ३१९ क.) " "

(ज. १६५६ क्र. ३२० क.) " "

(ज. १६५७ क्र. ३२१ क.) " " उत्तरार्ध.

(ज. १६५८ क्र. ३२२ क.) " " "

स्वामिकार्तिकेयानुप्रेक्षा. स्वामिकार्तिकेयकृत.

(ज. १६५९ क्र. १३४ क.) प्रा. प. जयचन्द्रजी झावड़ा कृत
हिन्दीयुक्त

+ + +

आलोचनापाठ.

(ज. १६६० क्र. २१४ क.) हिदी—पद्य, ललिताबाईकृत
गुजराती अर्थ सहित.

सामायिकपाठ. अमितगतिमूरिकृत.

(ज. १६६१ क्र. ३२३ क.) सं. शीतलप्रसादजी कृत हिन्दी
सहित.

सामायिकपाठ. पं०महाचन्द्रजी कृत.

(ज. १६६२ क्र. ४३२ क.) हिदीपद्य. पं० नन्दनलालजी कृत
गुजराती सहित.

(ज. १६६३ क्र. ४३३ क.) " "

* * *

(१०६)

४—इतिहास-ग्रन्थ ।

आदिपुराण. जिनसेनाचार्य कृत.

(ज. १६६४ क्र. ५५ ख.) सं०, प० लालारामजीकृत हिंदी युक्त.

क्षत्रचूड़ामणि. वादीभसिंहसूरिकृत.

(ज. १६६५ क्र. ३२४ क.) सं० लाला मुशीलालजी कृत हिन्दी सहित.

चन्द्रप्रभचरित. रूपनारायणपांडेयकृत.

(ज. १६६६ क्र. ३२५ क.) हिंदी वीरनन्दी कृत संस्कृतका अनुवाद.

(ज. १६६७ क्र. ३२६ क.) " "

चारुदत्तचरित. पं० भारामलजी कृत.

(ज. १६६८ क्र. १८४ क.) हिन्दीपद्य

जिनदत्तचरित. गुणभद्रभदन्तकृत.

(ज. १६६९ क्र. २६४ क.) सं०

(ज. १६७० क्र. २६५ क.) "

जिनदत्तचरित. श्रीलालजी काव्यतीर्थ कृत.

(ज. १६७१ क्र. ३२७ क.) हिन्दी गुणभद्राचार्यकृतसंस्कृत का अनुवाद.

तीर्थकरचरित्र. नेमिनाथपांगलकृत.

(ज. १६७२ क्र. १६६ क.) मराठी.

नेमिचरित विक्रमकविकृत.

(ज. १६७३ क्र. ३२८ क.) सं० उदयलालजी काशालीवाल कृत हिन्दी सहित.

(ज. १६७४ क्र. ३२९ क.) सं० "

नेमिपुराण, उदयलालजी कृत.

(ज. १६७५ क्र. ३३० क) हिन्दी नेमिदत्त कृत संस्कृतका
अनुवाद

पद्मपुराण, पं० दौलतरामजी कृत.

(ज. १६७६ क्र. ६० ख.) हिन्दी मू०—रविषेणाचार्य.
(ज. १६७७ क्र. ६१ ख.) " " "
(ज. १६७८ क्र. ६२ ख.) " " "

पांडवपुराण, पं० घनश्यामदासजी कृत.

(ज. १६७९ क्र. १३५ क.) हिन्दी भट्टारकाचार्यशुभचन्द्र-
प्रणीतका अनुवाद.

पार्श्वपुराण, कविभूधरदासजी विरचित

(ज. १६८० क्र. १६६ क.) हिन्दी छन्द. नि. स. १७८६

पार्श्वनाथचरित, वादिराज सूरिकृत.

(ज. १६८१ क्र. २६६ क.) सं० नि. ६४७ श.
(ज. १६८२ क्र. २६७ क.) " " "
(ज. १६८३ क्र. २६८ क.) " " "

प्रद्युम्नचरित, महासेनाचार्यप्रणीत.

(ज. १६८४ क्र. २६६ क) "
(ज. १६८५ क्र. २७० क.) "

प्रद्युम्नचरित, नाथूरामजी प्रेमी कृत

(ज. १६८६ क्र. १६ ख.) हिदी आचार्यसोमकीर्तिकृत-
संस्कृतका अनुवाद.
(ज. १६८७ क्र. २० ख.) " " "
(ज. १६८८ क्र. २१ ख) " " "

प्राणप्रियकाव्य, रत्नसिंहमुनिकृत.

(ज. १६८९ क्र. ३६६ क.) सं० नाथूरामजी प्रेमी कृत हिन्दी
सहित.

(१०८)

(ज. १६६० क्र. ४०० क.) म० नाथूरामजी प्रेमी कृत हिन्दी
सहित,

भद्रबाहुचरित. रत्ननन्दिकृत.

(ज. १६६१ क्र. २०० क.) स० उदयलालजी काशालीवाल
कृत हिन्दी सहित.

महापुराणामृत. रावजी नेमिचन्द्र कृत

(ज. १६६२ क्र. ३३१ क.) मराठी.

महावीरपुराण. पं० मनोहरलालजी कृत.

(ज. १६९३ क्र. ३३० क) हिन्दी, मकलकीर्तिविरचितसंस्कृत
का अनुवाद

महावीर-चरित. प्रेमचंद्र मोतीचंद्र कृत.

(ज. १६६४ क्र. २२६ क) गुजराती.

मुनिसुव्रतकाव्य. अर्हदासप्रणीत.

(ज. १६९५ क्र. २३० क) मं० कृष्णजी नारायणकृत मराठी
युक्त, दो सर्गमात्र.

यशस्तिलक. चम्पूसोमदेवसूरिप्रणीत.

(ज. १६६६ क्र. २०१ क.) सं० पूर्वभाग नि. म. ८८१ श.

(ज. १६६७ क्र. २०२ क) सं. " "

(ज. १६६८ क्र. २०३ क.) सं. उत्तरभाग "

(ज. १६६६ क्र. २०४ क.) सं. " "

यशोधर-चरित. अभिमानमेरुकविपुष्पदन्तविरचित.

(ज. १७०० क्र. १७० क.) प्रा. मूलघत्तामात्र., हिन्दी अर्थ.

(ज. १७०१ क्र. १७१ क.) प्रा. " "

(ज. १७०२ क्र. १७२ क.) प्रा. " "

यशोधरचरित उदयलालजी काशलीवाल कृत.

(ज. १७०३ क्र. ३३३ क.) हिंदी, वादिराजसूरिप्रणीत संस्कृत का सार

(ज. १७०४ क्र. ३३४ क.) हिंदी. ”

(ज. १७०५ क्र. ३३५ क.) हिन्दी ”

श्रेणिकपुराण. जनार्दनकृत.

(ज. १७०६ क्र. १३ ख.) मराठीछंद नि. स. १६६७ श.

श्रेणिकचरित, पं० गजाधरलालजी कृत.

(ज. १७०८ क्र. ३३७ क.) हिंदी सकलकीर्तिकृत संस्कृत का
अनुवाद

श्रीपाल-चरित. दीपचन्द्रजी परवार कृत.

(ज. १७०७ क्र. ३३६ क.) हिन्दी, परिमल्लजीकृत हिंदी पद्यों
का अर्थ.

मुकुमाल-चरित. पं० नाथराम जी दोशी कृत.

(ज. १७०६ क्र. २२८ क.) हिन्दी, सकलकीर्तिकृतसंस्कृतका
अनुवाद.

हनुमानचरित. सुखचन्द्र पद्मशाह पोरवाड कृत

(ज. १७१० क्र. ३३७ क.) हिन्दी

हरिवंशपुराण. पं० दौलतरामजी कृत.

(ज. १७११ क्र. ६४ ख.) हिन्दी.

(ज. १७१२ क्र. ६६ ख.) ”

(ज. १७१३ क्र. ६७ ख.) ”

हरिवंशपुराण. पं० गजाधरलालजीकृत.

(ज. १७१४ क्र. ६४ क.) हिन्दी

(ज. १७१५ क्र. ६५ क.) ”

(११०)

कथा-ग्रन्थ ।

आराधनाकथाकोष नेमिदत्तब्रह्मचारी कृत.

(ज. १७१६ क्र. ३३६ क.) सं. उदयलालजीकृत हिंदी अनुवादसहित
प्रथमभाग.

(ज. १७१७ क्र. ३४० क) सं " "

(ज. १७१८ क्र. ३४१ क) सं. " "

द्वितीयभाग.

(ज. १७१९ क्र. ३४२ क.) सं. " "

(ज. १७२० क्र. ३४३ क.) सं " "

तृतीयभाग

(ज. १७२१ क्र. ३४४ क.) सं " "

(ज. १७२२ क्र. ३४५ क) सं. " "

पूर्ण

जैनकथासंग्रह. हीराचन्द्रजी नेमिचन्द्रजी कृत.

(ज. १७२३ क्र. २३५ क.) मराठी

जैन-कथासंग्रह.

(ज. १७२४ क्र. १७३ क) हिन्दी

(ज. १७२५ क्र. १७४ क.) हिन्दी

(ज. १७२६ क्र. १७५ क) हिंदी

जैनकथासुमनावली.

(ज. १७२७ क्र. २३३ क.) मराठी.

जैनव्रतकथासंग्रह. दीपचन्द्रजीपगवारकृत

(ज. १७२८ क्र. ४०२ क.) हिंदी.

दर्शनकथा. कविभारामसूजीकृत.

(ज. १७२९ क्र. १७७ क.) हिंदी मु० २४३३ वी०

(१११)

(ज. १७३० क्र. २३१ क.) " मु० १८६८ ई०

दानकथा. कविभारामल्लजीकृत.

(ज. १७३१ क्र. १७६ क.) हिन्दी मु० २४३३ बी०

निशभोजनकथा. कविभारामल्लजीकृत.

(ज. १७३२ क्र. १७८ क.) हिन्दी "

पुष्यास्त्रकथा नाथूरामजी प्रेमी कृत

(ज. १७३३ क्र. ३१ ख.) हिन्दी

(ज. १७३४ क्र. ३२ ख.) "

(ज. १७३५ क्र. ३३ ख.) "

(ज. १७३६ क्र. ३४ ख.) "

भक्तामरकथा. उदयलालजी काशलीवालकृत.

(ज. १७३७ क्र. ३४६ क.) हिन्दी, प० रायमल्लजी कृत संस्कृत

का अनुवाद

(ज. १७३८ क्र. ३४७ क.) " "

(ज. १७३९ क्र. ३४८ क.) " "

व्रतकथासंग्रह.

(ज. १७४० क्र. ४८ ख.) गुजराती,

शीलकथा. पं० भारामल्लकृत

(ज. १७४१ क्र. १७६ क.) हिन्दी छंद

(ज. १७४२ क्र. ३४९ क.) "

शीलकथा.

(ज. १७४३ क्र. २३२ क.) हिन्दी.

सम्यक्त्वकौमुदी.

(ज. १७४४ क्र. ३५० क.) स. पं. तुलसीरामजी कृत हिन्दी

सहित.

(११२)

(ज. १७४५ क्र. ३५१ क.) सं. तुलसीरामजी कृत हिन्दी
सहित.

(ज. १७४६ क्र. ३५२ क.) स. ”

*

*

*

५—नाटक-व्याकरण-कोष-अलंकार-ग्रन्थ ।

मैथिलीकल्याण. हस्तिमल्लकविकृत.

(ज. १७४७ क्र. २७५ क.) स.

(ज. १७४८ क्र. २७६ क.) सं.

विक्रान्तकौरव. हस्तिमल्लकविकृत.

(ज. १७४९ क्र. २७३ क.) स.

(ज. १७५० क्र. २७४ क.) सं.

जैनेन्द्रप्रक्रिया. आचार्यगुणनन्दिकृत.

(ज. १७५१ क्र. ३५३ क.) सं.

(ज. १७५२ क्र. ३५४ क.) सं.

शब्दार्णवचन्द्रिका. सोमदेवसूरिकृत.

(ज. १७५३ क्र. ६६ क.) स.

(ज. १७५४ क्र. ६७ क.) ”

शाकटायनचिंतामणि. यक्षमवर्मकृत

(ज. १७५५ क्र. ६८ क.) सं अपूर्ण.

शाकटायनघातुपाठ. शाकटायनाचार्यकृत.

(ज. १७५६ क्र. ४३४ क.) सं

संस्कृतप्रवेशिनी. पं० श्रीलालजी काव्यतीर्थ कृत.

(ज. १७५७ क्र. २०६ क.) सं

प्रथमभाग.

(ज. १७५८ क्र. २०७ क.) सं.

”

(११३)

(ज. १७५६ क्र. २०८ क.) सं. द्वितीयभाग.

(ज. १७६० क्र. २०६ क.) सं. ”

कातंत्रव्याकरण. सर्ववर्मकृत.

(ज. १७६१ क्र. २०५ क.) सं. भावसेनकृतप्रक्रियासहित.

विश्वलोचनकोष. श्रीधरसेनाचार्यविरचित.

(ज. १७६२ क्र. ३५५ क.) सं. नन्दलालजी शर्मा कृत हिन्दी
सहित

(ज. १७६३ क्र. ३५६ क.) सं. ”

वाग्भटालकार. वाग्भटप्रणीत.

(ज. १७६४ क्र. २१० क.) सं. मुरलीधरशर्मा कृत संस्कृत
टीकायुक्त.

*

*

*

६—न्याय—ग्रन्थ ।



अष्टसहस्री. विद्यानंदसूरिप्रणीत

(ज. १७६५ क्र. ६६ क.) सं.

आप्तपरीक्षा. विद्यानंदसूरिप्रणीत.

(ज. १७६६ क्र. १०० क.) सं. स्वांपज्ञायाख्यायुक्त.

(ज. १७६८ क्र. १०१ क.) सं. ”

पत्रपरीक्षा. विद्यानंदसूरिप्रणीत.

(ज. १७६७ क्र. १०० क.) सं. ”

(ज. १७६६ क्र. १०१ क.) सं. ”

आप्तमीमांसा. समन्तभद्राचार्यप्रणीत.

(ज. १७७० क्र. १०२ क.) सं. अकलंकदेवविरचित अष्ट-
शती और वसुनंदी कृत वृत्तिसहित.

(ज. १७७१ क्र. १०३ क.) ”

प्रमाणपरीक्षा. विद्यानंदसूरिप्रणीत.

(ज. १७७२ क्र. १०२ क.) स.

(ज. १७७३ क्र. १०३ क.) ”

आप्तमीमांसा. समन्तभद्राचार्यप्रणीत.

(ज. १७७४ क्र. २११ क.) स. वसुनंदीसैद्धान्तीकृत वृत्ति
और मराठी अनुवाद सहित.

(ज. १७७५ क्र. ३७० क.) सं. मूलमात्र.

न्यायदीपिका. धर्मभूषणयतिविरचित.

(ज. १७७६ क्र. ८० ख.) सं.

(ज. १७७७ क्र. ८१ ख.) ”

(ज. १७७८ क्र. २४९ क.) सं.

(ज. १७५६ क्र. ३६८ क.) ”

(ज. १७८० क्र. ३६६ क.) ”

(ज. १७८१ क्र. ३६५ क.) ” पं० खूबचंदजी कृत हिंदी सहित.

परीक्षामुख. माणिक्यनन्दिप्रणीत.

(ज. १७८२ क्र. ३६६ क.) सं. पं० गजाधरजी कृत हिन्दी और
सुरेन्द्रकुमारजी कृत बंगला सहित.

(ज. १७८३ क्र. ३६७ क.) सं. ”

प्रमाणनिर्णय. वादिराजसूरिप्रणीत.

(ज. १७८४ क्र. २७१ क.) सं.

(ज. १७८५ क्र. २७२ क.) ”

(११५)

प्रमेयकमलमार्तण्ड. प्रभाचन्द्राचार्यविरचित.

(ज. १७८६ क्र. ७४ ख.) सं.

(ज. १७८७ क्र. ७५ ख.) ”

सप्तभंगीतरंगिणी. विमलदासप्रणीत.

(ज. १७८८ क्र. १०४ क.) सं. ठाकुरदासशर्मा कृत हिंदी सहित

(ज. १७८९ क्र. १०५ क.) सं. ”

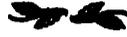
(ज. १७९० क्र. १०६ क.) सं. ”

*

*

*

७—स्तोत्र-ग्रन्थ ।



अकलंकस्तोत्र. अकलंकदेवकृत.

(ज. १७६१ क्र. ४३५ क.) स पं० पन्नालालजी बाकलीवाल
कृत हिन्दी सहित.

कल्याणमन्दिरस्तोत्र. कुमुदचन्द्राचार्यकृत.

(ज. १७६२ क्र. ४२३ क.) मं. गुजराती गद्य-पद्यसहित.

(ज. १७६३ क्र. ४२४ क.) स. ”

(ज. १७६४ क्र. ३७१ क.) सं. बुद्धलाल श्रावक कृत हिन्दी
गद्य-पद्य सहित.

कल्याणमन्दिरस्तोत्र (परमज्योति) बनारसीदासजी कृत.

(ज. १७६५ क्र. ३७१ क.) हिन्दी पद्य.

जिनसहस्रनाम. जिनसेनाचार्यकृत.

(ज. १७६६ क्र. ४३७ क.) सं. कलापाभरमापाकृत मराठी
सहित.

(ज. १७६७ क्र. ४३८ क.) सं. ”

जिनेन्द्रपंचकल्याण (पंचमंगल) रूपचन्द्रजी कृत.

(ज. १७६८ क्र. ३७२ क.) हिन्दीपद्य.

पंचामृताभिषेक.

(ज १७६६ क्र. ३७२ क.) ”

भक्ताभरस्तोत्र. मानतुंगाचार्यप्रणीत.

(ज. १८०० क्र. ४३६ क) सं.

(ज. १८०१ क्र. ४३६ क.) हिन्दीपद्य हेमराजजी कृत.

स्वयंभूस्तोत्र. समन्तभद्राचार्यविरचित.

(ज. १८०२ क्र २१२ क.) स प्रभाचन्द्राचार्यप्रणीत संस्कृत

टीका और जिनदासशास्त्री कृत मराठी सहित.

हिदीभक्ताभर. गिरिधरशर्माकृत.

(ज. १८०३ क्र. ३७३ क) पद्य

(ज. १८०४ क्र. ३७४ क) ”

*

*

*

द—पूजा-ग्रन्थ ।



जिनयज्ञकल्प, सूरिकल्पआशाधरविरचित.

(ज. १८०५ क्र. ३७५ क.) सं. पं० मनोहरलालजी कृत हिंदी युक्त.

ऋषिमंडलयंत्रपूजा. आचार्यगुणानन्दिकृत.

(ज. १८०६ क्र. ३७६ क.) सं. पं० मनोहरलालजी कृत हिन्दी

सहित.

तेरहद्वीपपूजाविधान. लालजीकृत.

(ज. १८०७ क्र. १६८ क.) हिन्दी नि. स. १८७७.

(११७)

मन्वार्थयज्ञ. मनरंगलालजीकृत.

(ज. १८०८ क्र. ४४१ क.) हिंदी.

*

*

*

६—संग्रह-ग्रन्थ ।



चर्चाशतक. कविवरदानतरायजी कृत

(ज. १८०६ क्र. ७१ ग्व) हिंदीछंद नानारामचन्द्र नाग कृत
हिन्दी अर्थ सहित

(ज. १८१० क्र. ७२ ग्व) " "

(ज. १८११ क्र. ७३ ग्व) " "

(ज. १८१२ क्र. ३७७ क) " नाथरामजी प्रेमी कृत हिन्दी
सहित.

चौबीसठाणाचर्चा. तुल्लकधर्मदामजी कृत

(ज. १८१३ क्र. ८८ क.) हिंदी मु. १६४८.

(ज. १८१४ क्र. ४६० क) " म २४३२ वी

चौबीसठाणादि. (क्र. ४६१ क)

१८१५—चौबीसठाणाचर्चा तुल्लकधर्मदामकृत

१८१६—चौबीसठाना हिन्दीपत्र

१८१७—चौबीसठंडक हिंदीछंद पं० दौलतरामजी कृत.

चौबीसठाणादि (क्र. ४६२ क.)

(ज. १८१८-१८१९-१८२०) क्र. ४६१ वत्.

चौबीसठाणादि. (क्र. ४६३ क.)

(ज. १८२१-१८२२-१८२३) क्र. ४६१ वत्.

*

*

*

१०—पद-विलास-ग्रन्थ ।



जिनवाणीमाताकी पुकार. परमेश्रिदासजी कृत.

(ज. १८२४ क्र. ३६३ क.) हिन्दी छन्द.

जैनपदसंग्रह. पं० भागचन्दजी कृत.

(ज. १८२५ क्र. ३८० क.) ”

जैनपदसंग्रह. पं० चानतरायजी कृत.

(ज. १८२६ क्र. ३८१ क.) ”

जैनपदसंग्रह. बुधजनजी कृत

(ज. १८२७ क्र. ३८२ क.) ”

ज्ञानानन्दरबोकर. मुंशीनाथूरामजी कृत.

(ज. १८२८ क्र. २८६ क.) ”

दौलतविलास. दौलतरामजी कृत

(ज. १८२६ क्र. ३८३ क.) ”

प्रभुविलास. प्रभुदयालजी कृत.

(ज. १८३० क्र. २५० क.) ”

बनारसीविलास. बनारसीदासजी कृत.

(ज. १८३१ क्र. ३८६ क.) ”

ब्रह्मविलास. भैया भगवतीदासजी कृत.

(ज. १८३२ क्र. ३८४ क.) ”

(ज. १८३३ क्र. ३८५ क.) ”

वृन्दावनविलास. वृन्दावनजी कृत.

(ज. १८३४ क्र. ३८७ क.) ”

(ज. १८३५ क्र. ३८८ क.) ”

गोपालभजनमाला. गोपालसाव कृत.

(ज. १८३६ क्र. ३७८ क.) ”

चर्चासमाधान. भूधरदासजी कृत.

(ज. १८३७ क्र. २२ ख.) हिन्दी.

जिनपद्यरत्नावली. दत्तात्रयभीमाजी कृत.

(ज. १८३८ क्र. ४४२ क.) मराठी.

*

*

*

११—गुच्छक-ग्रन्थ ।

ग्रन्थत्रयी (क्र. ३८६ क.) पं लालारामजी कृत हिदी.

१८३६—तत्वानुशासन (सं.) नागसेनाचार्यविरचित.

१८४०—वैराग्यमणिमाला (सं.) श्रीचन्द्रकविकृत.

१८४१—इष्टोपदेश (सं.) पूज्यापादस्वामिकृत.

तत्वानुशासनादि (क्र. २७७ क.)

१८४२—तत्वानुशासन. नागसेनाचार्यविरचित.

१८४३—इष्टोपदेश, पूज्यापादस्वामिप्रणीत.

१८४४—नीतिसार इन्द्रनन्दिकृत.

१८४५—मोक्षपंचशिका.

१८४६—श्रुतावतार (पद्य) इन्द्रनन्दिकृत.

१८४७—अध्यात्मतरंगिणी. सोमदेवसूरिकृत.

१८४८—पचनमस्कारस्तोत्र. विद्यानन्दिविरचित. प्रभाचन्द्राचार्य
विरचित संस्कृत टीकायुक्त.

१८४९—अध्यात्माष्टक. वादिराजसूरिप्रणीत.

१८५०—द्वात्रिंशत्का. अमितगतिसूरिकृत.

१८५१—वैराग्यमणिमाला. श्रीचन्द्रकविप्रथित.

१८५२—तत्त्वसार (प्रा.) देवसेनसूरिप्रणीत.

१८५३—श्रुतस्कन्ध (प्रा.) ब्रह्महेमचन्द्रविहित.

१८५४—ढाढसीगाथा (प्रा.).

१८५५—ज्ञानसार (प्रा.) पद्मसिहमुनिकृत.

तत्वानुशासनादि (क्र. २७८ क.)

(ज. १८५६ से १८६६)

लघीयस्त्रयादि (क्र. २७९ क.)

१८७०—लघीयस्त्रय. भट्टकलकदेवप्रणीत अमृतचन्द्रसूरि-
विरचित स्याद्वादभूषणाख्यतात्पर्यवृत्ति सहित.

१८७१—स्वरूपसम्बोधन पंचविंशति. भट्टकलकदेवप्रणीत. +

१८७२—लघुसर्वज्ञसिद्धि. अनन्तकीर्तिकृत.

१८७३—ब्रह्मसर्वज्ञमिद्धि. ”

लघीयस्त्रयादि (क्र. २८० क.)

(ज. १८७४ से १८७७)

सनातनजैनग्रन्थमाला. प्रथमगुच्छक (क्र. ४३० क.)

१८७८—स्वयंभूस्तोत्र. समन्तभद्राचार्यप्रणीत.

१८७९—रत्नकरडश्रावकाचार. ”

१८८०—पुरुषार्थसिद्धयुपाय. अमृतचन्द्रसूरि विरचित.

१८८१—आत्मानुशासन. गुणभद्रभदतकृत.

१८८२—तत्त्वार्थसूत्र. उमास्वामिगिरचित

१८८३—तत्त्वार्थसार. अमृतचन्द्रसूरिप्रणीत.

१८८४—आलापपद्धति. देवसेनसूरिविहित.

१८८५—समयसारकलश. अमृतचन्द्रसूरिप्रणीत.

१८८६—परीक्षामुखसूत्र. माणिक्यनन्दिविरचित.

१८८७—आप्तपरीक्षा. विद्यानन्दिकृत.

१८८८—आप्तमीमांसा. समन्तभद्रप्रथित-वसुनन्दिसैद्धान्तिकृत
वृत्ति सहित.

१८८९—युक्त्यनुशासन ”

+

(१२१)

१८६०—नयविवरण, विद्यानन्दिस्वामिप्रणीत.

१८६१—समाधिशतक. पूज्यपादस्वामिकृत.

सनातन जैनग्रन्थमाला-प्रथमगुच्छक.

(ज. १८६२—१९०५)

भक्तामरस्तोत्रादि (क्र. ३६० क.)

१९०६—भक्तामरस्तोत्र. नाथूरामजी प्रेमी कृत हिंदी गद्य-पद्ययुक्त.

१९०७—रत्नकरंडश्रावकाचार. पं० पन्नालालजी कृत हिंदी
अर्थसहित. सान्वय.

१९०८—तत्त्वार्थसूत्र. उमास्वामिकृत.

१९०९—आलोचनापाठ (हिन्दी पद्य)

१९१०—सामायिक-पाठ. महाचन्द्रजीकृत. (हिंदी पद्य).

१९११—भक्तामरस्तोत्र. मानतुंगाचार्यकृत.

१९१२—भक्तामरभाषा. हेमराजजी कृत. (हिन्दी पद्य.)

१९१३—छहढाला. प० द्रौलनरामजीकृत

१९१४—द्रव्यसंग्रह. पन्नालालजी वाकलीवालकृत हिंदी सहित.

पचासृताभिषेकादि (क्र. ३६१ क.)

१९१५—लघुपचासृतभिषेक (सं.)

१९१६—बृहद्देवशास्त्रगुरुपूजा. (सं०-प्रा०)

१९१७—देवशास्त्रगुरुपूजा (हिंदी) द्यानतरायजीकृत.

१९१८—विंशतिविद्यमान तीर्थकर पूजा.

१९१९—सिद्धपूजाष्टक (सं.) विमलसेनाचार्यकृत.

१९२०—सिद्धपूजाजयमाला (सं.) पद्मनन्दिकृत.

१९२१—सिद्धपूजाभावाष्टक. (सं.)

१९२२—पंचमहागुरुभक्ति (प्रा.)

१९२३—शान्तिपाठ. (सं)

१९२४—स्तुति (हिंदी)

मुनिवंशदीपिकादि. (क्र. ३६५ क.)

- १९२५—मुनिवंशदीपिका. यतिनयनसुखजी कृत. (हिन्दी)
१६२६—गुरुस्तुति. कविवृन्दावनदासजी ” ”
१६२७—गुर्वष्टक ” ” ”
१६२८—प्रकीर्णकव्चद ” ” ”

स्याद्वादमंजर्यादि (क्र. ३६४ क.)

- १६२९—स्याद्वादमंजरी (हिन्दीपद) तिलोकचन्द्रजी कृत.
१६३०—पुरुषार्थसिद्धयुपाय. ” ”

पुरुषार्थसिद्धयुपायादि (क्र. १६७ क.)

- १६३१—पुरुषार्थसिद्धयुपाय. हिन्दी अर्थ सहित.
१६३२—ब्रह्मदाला. बुधजनजी कृत. नाथूरामजी लमैचू कृत
हिन्दी अर्थ सहित.
१६३३—भूधर-जैन-शतक. भूधरदासजी कृत. मुंशी अमनसिंहजी
कृत हिन्दी अर्थ युक्त.

स्वानुभवदर्पणादि. (क्र. १६२ क.)

- १६३४—स्वानुभवदर्पण. मुंशी नाथूरामजी कृत. (हिन्दी पद्य)
स्वकृत हिन्दी अर्थ सहित.
१६३५—सज्जनचित्तवल्लभ. मल्लिषेणाचार्य कृत. मुंशीनाथूरामजी
कृत हिन्दी अर्थ सहित.

सुभाषितावल्यादि (क्र. २३६ क.)

- १६३६—सुभाषितावली. सकलकीर्तिप्रणीत. (मराठी अर्थ-सहित)
१६३७—सज्जनचित्तवल्लभ. मल्लिषेणाचार्यकृत. ”
१६३८—स्वयंभूस्तोत्र. समन्तभद्राचार्यकृत. ”
१६३९—पुरुषार्थसिद्धयुपाय. अमृतचंद्रसूरिप्रणीत. ”
१६४०—द्रव्यसंग्रह. नेमिचन्द्रसैद्धान्तिप्रणीत. ”

मुभाषितावल्यादि. (क्र. २४० क.)

१६४१—मुभाषितावली, सकलकीर्तिकृत. ”

१६४२—सज्जनचित्तवल्लभ मल्लिषेणाचार्य कृत. ”

सामायिक-पाठादि. (क्र. १६६ क.)

१६४३—सामायिकपाठ (सं०-प्रा.) गुजराती अर्थ सहित.

१६४४—श्रावकप्रतिक्रमण ”

१६४५—जीवाजीवादितत्वम्बरूप (गुजराती) हर्षकीर्तिकृत.

१६४६—सिद्धपूजा. ” ”

सामायिकपाठादि.

(ज. १६४७-५० क्र. १६७ क.) क्र. १६६ वत्.

सामायिकपाठादि.

(ज. १६५१-५४ क्र. १६८ क.) १६६ वत्.

सामायिकपाठादि.

(ज. २१७८-८० क्र. ३६७ क.) १६६ वत्.

सामायिकपाठादि (क्र. ४१७ क.)

१६५५—द्वात्रिंशत्का. अमितगतिकृत. रावजी नेमिचन्द्र कृत
मराठी अर्थ सहित.

१६५६—सामायिक (स.) ”

१६५७—सामायिक (हिंदी) पं० माहचन्द्रजी कृत. ”

सामायिकपाठादि.

(ज. १६५८-६० क्र. ४१८ क) ४१७ वत्.

सामायिकपाठादि.

(ज. १६६१-६३ क्र. ४१९ क.) ४१७ वत्.

सामायिकपाठादि.

(ज. १६६४-६६ क्र. ४२० क.) ४१७ वत्.

सामायिकपाठादि.

(ज. १६६७-६९ क्र. ४२१ क.) ४१७ वत्.

सामायिकपाठादि.

(ज. १६७०-७० क्र. ४०० क.) ४१७ वन.

नित्यपाठसंग्रह. (क्र. ४६४ क.)

१६७३—सुप्रभातस्तोत्र. (स.)

१६७४—दृष्टाष्टकस्तोत्र (सं.) सकलचन्द्रकृत.

१६७५—अद्याष्टस्तोत्र (सं.) गुणनन्दिनकृत.

१६७६—नमस्कारस्तोत्र (सं.)

१६७७—जिनमहाम्रनाम (सं.) जिनसेनाचार्यकृत.

१६७८—भक्तामरस्तोत्र (सं.) मानतुगाचार्यकृत.

१६७९—कल्याणमन्दिरस्तोत्र (सं.) कुमुदचन्द्राचार्यकृत.

१६८०—एकीभावस्तोत्र (सं.) वादिराजसूरिकृत.

१६८१—विषापहारस्तोत्र (सं.) धनंजयकविकृत.

१६८२—भूपालचतुर्विंशतिका. (सं.) भूपालकविकृत.

१६८३—तत्त्वार्थसूत्र (सं.) उमास्वामिकृत.

१६८४—सामायिकपाठ (हिंदी पद्य) माहचन्द्रजी कृत.

१६८५—महावीराष्टक (सं.) पं० भागचन्द्रजी कृत.

नित्यपाठसंग्रह.

(ज. १६८६-१६८८ क्र. ४६५ क.) ४६४ वन.

नित्यपाठसंग्रह.

(ज. १६९९-२०११ क्र. ४६६ क.) ४६४ वन.

नित्यपाठसंग्रह.

(ज. २०१२-२०२४ क्र. ४६७ क.) ४६४ वन.

हिंदीनित्यपाठसंग्रह. (क्र. ४६८ क.)

२०२५—नमस्कारस्तवन. बनारसीदासजी कृत.

२०२६—सुप्रभाताष्टक.

२०२७—दर्शनदशक. धानतरायजी कृत.

- २०२८—दर्शनपाठ दौलतरामजी कृत
२०२९—दर्शनपाठ, भूधरदासजी ”
२०३०—प्रातःस्मरणीयपद, दौलतरामजी ”
२०३१—भक्तामरस्तोत्र, नाथूरामजी प्रेमी ”
२०३२—भक्तामरस्तोत्र, हेमराजजी ”
२०३३—विषापहारस्तोत्र, नाथूरामजी प्रेमी ”
२०३४—कल्याणमन्दिरस्तोत्र, बनारसीदासजी कृत,
२०३५—गङ्गीभावस्तोत्र, भूधरदासजी कृत,
२०३६—भूपालचतुर्विंशति ”
२०३७—आलोचनापाठ,
२०३८—सामायिकपाठ माहचन्द्रजी कृत
२०३९—वैराग्यभावना,
२०४०—निर्वाणकाण्ड, भगवतीदासजी कृत
२०४१—गुरुस्तुति, भूधरदासजीकृत
२०४२—ब्रह्मभावना ”
२०४३—सरस्वतीस्तवन)

जैनसिद्धान्तसंग्रह.

(ज. २०४४-२११७ क्र ४०१ क.) अनेक पूजा स्तोत्र आदि.

७४ पाठ.

चतुर्विंशतिजिनपूजा. (क्र. २३ ख.)

- २१७०—चतुर्विंशतिजिनपूजामंस्कृत,
२१७१—चतुर्विंशतिजिनपूजा. रामचन्द्रजी कृत,
२१७२— ” वृन्दावनजी कृत,
२१७३— ” बखतावरमलजी कृत.

*

*

*

(१२६)

१२—प्रकीर्णक-ग्रन्थ ।

२००१२०

अन्यमतसार.

(ज. २११८ क्र. १८० क.) हिंदी.

अनुभवानन्द, शीतलप्रशादजी कृत.

(ज. २११९ क्र. ४०३ क.) हिंदी.

कर्मचरित्रसार.

(ज. २१२० क्र. ४४६ क.) हिंदी.

जैनधर्मतत्वसंग्रह.

(ज. २१२१ क्र. ४२५ क.) गुजराती

जैनधर्मादर्श, रावजीनेमचन्द कृत.

(ज. २१२० क्र. २३८ क.) मराठी.

जैनधर्माभूतसार, नेमचन्द नारायण चवडे कृत

(ज. २१२३ क्र. २३७ क.) मराठी.

जैनधर्माभूतसार, नेमचन्द सीताराम भागवतकर व पन्नालालजी बा० कृत.

(ज. २१२४ क्र. १८१ क.) हिंदी-मराठी.

जैनबालगुटका, ज्ञानचन्द्रजी कृत.

(ज. २१२५ क्र. १८२ क) प्रथमभाग.

(ज. २१२६ क्र. १८३ क.) द्वितीयभाग.

णमोकारमत्र का अर्थ.

(ज. २१२७ क्र. ४४७ क.) हिंदी.

तत्वमाला, शीतलप्रशादजी कृत.

(ज. २१२८ क्र. ४०४ क.) हिंदी.

दशलक्षणधर्म, कंकुबाई कृत.

(ज. २१२६ क्र. ४४८ क.) मराठी

धर्मप्रबोधनी, भाईलालकपूरचन्द्रजी कृत.

(ज. २१३० क्र. ४४३ क.) गुजराती.

(ज. २१३१ क्र. ४४४ क.) ”

(१२७)

धर्मचर्चासंग्रह, धर्मचन्द्रहरजीवनदास कृत

(ज. २१३२ क्र. ४०५ क.) हिंदी.

धर्माभृतस्वात्मबोध.

(ज. २१३३ क्र. २४२ क.) हिंदी.

नर्कदुःखचित्रादर्श.

(ज. २१३४ क्र. २४३ क.) हिन्दी.

(ज. २१३५ क्र. २४४ क.) "

बालबोधजैनधर्म, बाबू दयाचंदजी व लालारामजीकृत.

(ज. २१३६ क्र. ४०६ क.) हिन्दी १ भाग.

(ज. २१३७ क्र. ४०७ क.) " "

(ज. २१३८ क्र. ४०८ क.) " २ भाग.

(ज. २१३९ क्र. ४०९ क.) " "

(ज. २१४० क्र. ४१० क.) " ३ भाग.

(ज. २१४१ क्र. ४११ क.) " ४ "

मनोमतिखंडन.

(ज. २१४२ क्र. १३६ क.) हिन्दी.

(ज. २१४३ क्र. १४० क.) "

(ज. २१४४ क्र. १४१ क.) "

षोडशकारणभावना, हीराचन्द नेमचन्द्र कृत

(ज. २१४५ क्र. २४७ क.)

संशयतिमिरप्रदीप, उदयलालजी काशलीवाल कृत.

(ज. २१४६ क्र. १८५ क.) हिन्दी १ भाग.

(ज. २१४७ क्र. १८६ क.) " "

(ज. २१४८ क्र. ४१२ क.) " २ भाग.

(ज. २१४९ क्र. ४१३ क.) " "

(ज. २१५० क्र. ४१४ क.) " "

हिंदी की दूसरीपुस्तक. पन्नालालजी बाकलीवाल कृत.

(ज. २१५१ क्र. ४२६ क.)

जिनमतदर्पण.

(ज. २१५२ क्र. ३७६ क.) हिन्दी.

जैन डिरेक्टरी.

(ज. २१५३ क्र. १४५ क.) ”

दिगम्बरजैनग्रन्थकर्ता. नाथूरामजीप्रेमीकृत.

(ज. २१५४ क्र. ४१५ क.) ”

निर्माल्यद्रव्यचर्चा. हीराचन्दनेमिचन्द्रकृत.

(ज. २१५५ क्र. २४५ क.) हिन्दी.

(ज. २१५६ क्र. २४६ क.) ”

विद्वद्रत्नमाला. नाथूरामजी प्रेमीकृत.

(ज. २१५७ क्र. ४१६ क.)

*

*

*

१३—इंग्लिश-ग्रन्थ ।



आउटलाइन्स ऑफ जैनिज्म. बाबू जुगमन्धरलालजी कृत.

(ज. २१५८ क्र. ४७१ क.)

की ऑफ नॉलेज. बाबू चम्पतरायजी कृत.

(ज. २१५९ क्र. ३६१ क.)

जैनिज्म. हर्वर्टवारनकृत.

(ज. २१६० क्र. ४७२ क.)

डिक्सनरी.

(ज. २१६१ क्र. ४७३ क.)

तत्त्वार्थाधिगमसूत्र. बाबू जुगमन्धरलालजीकृत.

(ज. २१६२ क्र. ३५७ क.)

द्रव्यसंग्रह. शरच्चन्द्रघोषालकृत.

(ज. २१६३ क्र. ३५८ क.)

(१२६)

परमात्मप्रकाश. बाबू चम्पतरायजी वैरिस्टर कृत.

(ज. २१६४ क्र. ३५६ क.)

पंचास्तिकाय. शरच्चन्द्र घोषालकृत.

(ज. २१६५ क्र. ३६० क.)

प्रेक्षिकलपांथ. बाबू चम्पतरायजी कृत.

(ज. २१६६ क्र. ३६२ क.)

रत्नकरंड-श्रावकाचार. बाबू चम्पतरायजी वैरिस्टर कृत.

(ज. २१६७ क्र. ४६९ क.)

द्वात्रिंशत्का.

(ज. २१६८ क्र. ४७४ क.)

स्किग ऑफ थॉट. बाबू चम्पतरायजी कृत.

(ज. २१६९ क्र. ४७० क.)

+ +

चैनसिद्धान्तभास्कर बाबू पद्मराजजी सम्पादित.

(ज. २१७४ क्र. $\frac{१४२}{१}$ क.) प्रथम किरण.

(ज. २१७४ क्र. $\frac{१४२}{२}$ क.) द्वितीय-तृतीय किरण

(ज. २१७५ क्र. $\frac{१४३}{१}$ क.) प्रथम किरण.

(ज. २१७५ क्र. $\frac{१४३}{२}$ क.) द्वितीय-तृतीय किरण.

(ज. २१७६ क्र. $\frac{१४४}{१}$ क.) प्रथमकिरण.

(ज. २१७६ क्र. $\frac{१४४}{२}$ क.) द्वितीय-तृतीय किरण.

(ज. २१७६ क्र. $\frac{१४४}{३}$ क.) चतुर्थ किरण.)

सत्यार्थदर्पण.

(ज. २१७७ क्र. २३४ क.)

+ +

समाप्तमेमं मुद्रितग्रंथानां नामावली ।

(१३०)

श्वेताम्बर-जैन-ग्रन्थ ।

(लिखित विभाग-ख)

अनेकान्त-जयपताका. हरिभद्रसूरिकृत.

(ज. २१८१ ख. १) सं. प. ३३४ श्लो. १२००० ले. १६७४
स्वकृतटीकया युता.

अनेकार्थ-संग्रह हेमचन्द्रार्यकृत.

(ज. २१८२ ख. २) सं. प. २५३ श्लो ११८७६ ले. १६५१
म्बोपज्ञटीकया सहित.

अभिधान-चिन्तामणि हेमचन्द्रार्यकृतः.

(ज. २१८३. ख. ३.) सं. प. ११२ ले. १७८२.

(ज. २१८४ ख. ४) सं. ३४-१८७ ले १६६४ म्बोपज्ञटीकया युतः

अन्तगडसं.

(ज. २१८५ ख. ५) प्रा. प. २-२७.

आचारांगं सुधर्मस्वामिविहितं.

(ज. २१८६ ख. ६) प्रा. प. ६२ गुजरातीटव्वासहित.

(ज. २१८७ ख. ७) प्रा. प. २४ श्लो. १२००० ले. १६४६

शैलाङ्कसूरिकृतवृत्तियुतं.

(ज २१८८ ख. ८) प्रा. प. १०६१ श्लो. १०५०० ले. १६६४

नि. १५७३, जिनहंस सूरिकृतदीपकाख्यव्याख्यया संवलितः.

आवश्यकक्रिया-सूत्र.

(ज. २१८९ ख. ११२) प्रा. प. ३०.

उत्तम-चरित्रं चारुचन्द्रचर्चित.

(ज. २१९० ख. ९) सं. प. १७ श्लो. ५७५ ले. १६५३.

(ज. २१९१ ख. १० सं. प. २१ श्लो. ५७५ ले. १७५२.

उत्तराध्ययनं.

(ज. २१६२ ख. ११) प्रा. प. २३० श्लो. २००० ले. १८८०
गुजरातीटिब्बायुक्त.

(ज. २१६३ ख. १२) प्रा. प. २६८ कमलसंयमोपाध्यायरचित-
टीकायुतं.

(ज. २१६४ ख. १३) प्रा. प. १९४ ले. १५४८ श्लो. ११०००
दीपकाख्यटीकया संभूषितं ।

उपदेश-रत्नमाला. नेमिचन्द्रभंडारीविरचिता.

(ज. २१६५ ख. १०५) प्रा. प. ७.

(ज. २१६६ ख. १०६) प्रा. प. २१

उपदेशमाला धर्मदासगणिस्रथिता

(ज. २१६७ ख. १४) प्रा. प. १८ गा. ५४२ ले. १५४६.

उपमिति-भव-प्रपंचा कथा

(ज. २१६८ ख. १०८) सं. प. २६ अपूर्ण.

उपसर्ग.

(ज. २१९६ ख. १५) गुजराती. प. ११ ले. १६७४

उवामगदसागं.

(ज. २२०० ख. १६ प्रा. प. २० श्लो ८१२.

(ज. २२०१ ख. १७) प्रा. प. ५८ श्लो. २००० ले. १८२६
गु० टबार्थ.

(ज. २२०२ ख. १०९) प्रा. प. १२० ले. १८५४ गु० टबार्थ.

ऋषभदेव को छंद.

(ज. २२०३ ख. १८) मु० प. ५ अपूर्ण.

ऋषभ पंचाशिका. धनपालकृता.

(ज. २२०४ ख. १६) प्रा. प. २ मावचूरिः.

(१३२)

श्रौपपातिकवृत्तिः अभयदेवनिर्मिता.

(ज. २२०५ ख. २०) स० प. ५६ श्लो. ३३३५.

कपूरप्रकरणं.

(ज. २२०६ ख. २१) सं. प. २-१८० जिनसागररचित
टीकया युत.

कर्म-ग्रन्थः देवेन्द्रसूरिकृतः

(ज. २२०७ ख. २२) प्रा. प. १५ कान्हजीकृत गु० टीका
सहित.

(ज. २२०८ ख. २३) प्रा. प. ३२ संस्कृतटीकायुतः

कल्प-मूत्रं मावचूरी.

(ज. २२०९ ख. २४) प्रा. प. ७६ ले. १६२६.

(ज. २२१० ख. २५) प्रा. प. १२६ ले १७२६

काव्यकल्प-लता-टीका. अमरचन्द्रकृता.

(ज. २२११ ख. ११०) स. प. १०० श्लो. ३३५७ ले. १८६०

(ज. २२१२ ख. २६) स. प. ४८ ले १७५५ अपूर्ण.

(ज. २२१३ ख. २७) सं. प. २२-५५ अपूर्ण.

कुलक-वृत्तिः विजयगणिविहिता.

(ज. २२१४ ख. २८) मू. प्रा. वृ. सं. अपूर्ण.

कृष्णवेलि-बालावबोध.

(ज. २२१५ ख. २९) गुजराती.

क्रियारत्न-समुच्चयः हेमचन्द्रकृतः

(ज. २२१६ ख. ३०) सं. प. ६३ श्लो. ५७७८ ले. १६३२

देवमुन्दरकृतव्याख्या समन्वित.

खड-प्रशस्तिः हनूमद्विहिता.

(ज. २२१७ ख. १२२) सं. प. ५५ गुणविनयगुणिकृतव्या-

ख्यावभूषिता.

गुणस्थान-रत्नराशिः रत्नशेखरसूरिकृत.

(ज. २२१८ ख. १११) सं. प. ५४ ले. १७२० मटीक.

गुणस्थानविचार-मन्वनं राजसमुद्रविहित.

(ज. २०१६ ख. ३१) गु० प्रा. पत्र ३.

गौतमकुलकवृत्ति' ज्ञानतिलकगणितनिर्भिता.

(ज. २०२० ख ३२) सं. प. २३ मू० गोतमविरचिता.

गौतमपृच्छा-वालावबोध.

(ज. २०२१ ख ३३) गु प. ६-६

चउसर्गासूत्र-वृत्ति वीरभद्रकृता

(ज. २०२० ख ३५) मू० प्रा. प १६ श्लो. १०८०.

चतुर्निशति-मन्वन

(ज. २२२३ ख. ३५) गु प ४

चौबीसदडक माधुवन्दना

(ज. २०२४ ख. ३६) गु प ४०

चन्दनमलयागिनि-वथा.

(ज. २०२५ ख. ३७) गु प ८ ले. १८६९

जिनशतकं जम्बूकृत.

(ज. २०२६ ख ३८) सं प. ५ अपूर्ण

ज्ञाताधर्मकथा

(ज. २०२७ ख ३९) प्रा प. ११८ श्लो. ५३७५.

गामोकार-मंत्र-फल

(ज. २०२८ ख ४०) गु० प. १० ले. १६४४.

त्रैलोक्य-प्रकाशः.

(ज. २०२९ ख. ११३) स. प २४ गुर्जरार्थान्वितः.

दशवैकालिकसूत्रं.

(ज. २२३० ख ४१) प्रा. प. १४.

(१३४)

(ज २२३१ ख. ४०) प्रा. प. ६० गु टबार्थसहितं, ले. १८८०.
(ज. २२३२ ख. ४३) प्रा. प. ३७ सुमतिसृष्टिकृतसंस्कृत-
व्याख्यायुतं.

दीक्षाग्रहण-विधिः.

(ज. २२३३ ख. ४४) सं. प. ४

नर्मदासुन्दरी-कथा. अभयश्रीकथा च.

(ज. २२३४-३५ ख ४५) प्रा. प. ११

परिशिष्टपर्व. हेमचन्द्रसृष्टिकृतं

(ज २२३६ ख. ४६) सं. प. ८७ ले. १६५३

पर्यषणाकल्प .

(ज. २२३७ ख ४७) प्रा. प. ४५ श्लो १२१६

पार्श्वप्रभुस्तवं. रघुनाथदासकृत.

(ज. २२३८ ख. ११८) प. ४

पिडशुद्धि-प्रकरणं. जिनवल्लभसृष्टिकृतं.

(ज २२३९ ख. ४८) प्रा प २८ ले १६४८ गु. अर्थमहितं।

पुष्पमालावचूरिः

(ज. २२४० ख. ४९) सं प २-२०

पृथ्वीचन्द्र-चरित्रं. जयसागरविरचितं

(ज. २४१ ख. ५०) सं. प. ७५ श्लो ३८५४ ले. १५७४

पंचदंड-चरित्र गमचन्द्रकृत.

(ज. २२४२ ख. ५१) सं. प. ५३ श्लो. २५५०

पंचमंग्रह-टीका.

(ज. २२४३ ख ५२) मू. प्रा. टी. सं. प. २६

प्रकरण-संग्रहः.

(ज. २२४४ ख ११४) प. ७१ मुद्रित. अपूर्णा.

प्रज्ञापना-सूत्रं.

(ज. २२४५ ख. ५३) प्रा. प. ६

प्रबचनसारोद्धार., नेमिचन्द्रविरचितः

(ज. २२४६ ख. ५४) प्रा. प. १६२ श्लो. १००० मंदरगणि-
कृतगुजराती-अर्थसहितः ।

प्रश्नन्याकरण-सूत्रं.

(ज. २२४७ ख. ५५) प्रा. प. २५ श्लो. १२५० ले. १६१५

(ज. २२४८ ख. ५६) प्रा. प. ८८ श्लो. ५७५० ले. १८६०

प्राकृत-पद्यमाला-छाया. जयवल्लभकृता.

(ज. २२४९ ख. ५७) प्रा प ५० ले. १६६८

प्रायश्चित्तौकसाध्यापवर्गोपनिषद्.

(ज २२५० ख. ५८) सं. प. १८० ले. १६६७

भक्तामर-स्तोत्रं. मानतुगाविरचित.

(ज. २२५१ ख ५९) सं. प. ८ गु० अर्थसहितं.

भगवतीसूत्रं.

(ज. २२५२ ख ६०) प्रा. प. २-२१६ अपूर्णं.

(ज. २२५३ ख. ६१) प्रा. प. २३-१२५ ”

भरतेश्वरवृत्ति

(ज. २२५४ ख. ६२) मू. प्रा प. १४६ मस्कृतटीकासंबलिता.

भुवनभानुकेवलिचरित

(ज. २२५५ ख. ६३) सं. प ४७

महीपाल-चरितं. वीरदेवगणिरचितं

(ज. २२५६ ख. ६४) प्रा. प ४५

(ज २२५७ ख. ६५) प्रा. प. ८७ ले १८५२ गुर्जरान्वित.

महावीरपंचकल्याणस्तवन.

(ज. २२५८ ख. ६६) गु० प ६ ले. १८२४

मोक्षधर्मकल्पद्रुम.

(ज. २ ५९ ख. १२०) प्रा. प. २४२

युक्तिप्रबोधः मेघविजयविहितः

(ज. २२६० ख. ६७) सं. प. ७२ ले. १७६४ स्वविहितसंस्कृत
टीकायुत ।

योगशास्त्रं. सोमसुन्दरगदितं.

(ज. २२६१ ख. ६८) सं. प. ११० ले. १६८५ गुर्जरार्थसमन्वित.

रत्नावतारिका.

(ज. २२६२ ख. ६९) स. प. १४-४९ अपूर्णा.

रायसेणी-सूत्रं.

(ज. २२६३ ख. ७०) प्रा. प. ६४ श्लो. ६०३२ ले. १८५२
गु० ट्बार्थयुतं

रूपसेनकथा.

(ज. २२६४ ख. ७१) स. प. २० ले. १८५५

लघुक्षेत्र-समासः रत्नशेखरकृत.

(ज. २२६५ ख. ७२) प्रा. प. ११.

लघुसंग्रहणी.

(ज. २२६६ ख. ७३) प्रा. प. ८४ गु० अर्थान्विता.

वीतराग-स्तोत्रं. हेमचन्द्रनिर्मितं.

(ज. २२६७ ख. ७४) स. प. २-१०

(ज. २२६८ ख. ७५) सं. प. २-६ संस्कृतटीकायुक्त.

(ज. २२६९ ख. १२३) सं. प. २८ " श्लो. ५५०
ले. १६२५.

वसुधारा.

(ज. २२७० ख. ७६) स. प. ६ ले. १८२५

विपाकसूत्राङ्ग-वृत्तिः अभयदेवविरचिता.

(ज. २२७१ ख. ७७) मू. प्रा. वृ. सं. प. १८ श्लो. ८७८
ले. १८४६.

वृत्तरत्नाकर. भट्टकेदारविरचित.

(ज. २२७२ ख. १२५) सं. प. ४२ ले. १८६६ समयसुन्दर-
गणिकृतव्याख्यायुतः ।

शान्तिनाथचरित्रं. भावचन्द्रकृतं.

(ज. २२७३ ख. ७८) सं. प. १३३ श्लो. ६३६५ ले. १८५३

शान्तिनाथजन्माभिषेकः

(ज. २२७४ ख. ७६) प्रा. प. ५

शोभनस्तुत्यवचूर्णि

(ज. २२७५ ख. ८०) सं. प. १०

श्रावक-प्रतिक्रमणं.

(ज. २२७६ ख. ८१) प्रा. प. ३६ गु० टवार्थयुत.

(ज. २२७७ ख. ८२) " प. १३ +

श्रीपालनरेन्द्र-कथा.

(ज. २२७८ ख. ८३) प्रा. प. ३४

(ज. २२७९ ख. १२५) प्रा. प. १२५ ले. १८६०

श्राद्धधर्मोपनिषद् हरिभद्रगूरिकृता.

(ज. २२८० ख. ११६) सं. प. ६७

पङ्कदर्शनसमुच्चयः हरिभद्रकृतः

(ज. २२८१ ख. ८४) सं. प. ४ मचूर्णिः

(ज. २२८२ ख. ८५) सं. प. २५ सटीक. श्लो. १२५२

(ज. २२८३ ख. ८६) सं. प. १५ " "

(ज. २२८४ ख. ८७) सं. प. ४ मूल

षडावश्यकं.

(ज. २२८५ ख. ८८) प्रा. प. १५ ले. १६७६

(ज. २२८६ ख. ८९) प्रा. प. १७ +

सप्ततिका-टीका

(ज. २२८७ ख. ९०) मू-प्रा. टी-स, प. ९२ श्लो. ३७८०

सातपदार्थी वृत्तिः

(ज. २२८८ ख. ६१) सं. प. २३ श्लो. १८४८ ले. १५३१

सप्तस्मरणं.

(ज. २२८६ ख. ६२) स.-प्रा. प. १६ ले. १८४६

सन्यक्त्वसप्ततिका-टीका. संघतिलककृता.

(ज. २२६० ख. ६३) मू-प्रा. टी-सं. प. १६० अपूर्णा.

सिद्धहेमशब्दानुशासनं. हेमचन्द्रचर्चितं.

(ज. २२६१ ख. १२६) सं. प. ५४ ले. १६१२ स्वोपज्ञलघुवृत्तियुतं.

(ज. २२६२ ख. ६४) सं. प. ७ + +

सिद्धान्तचन्द्रिका. रामाश्रमविहिता.

(ज. २२६३ ख. ६५) सं. प. ११६ सदानन्दगणिकृतटीकायुता

सूक्तमुक्तावली. सोमप्रभविरचिता.

(ज. २२६४ ख. ६६) सं. प. १४ धनविजयकृत गु० अर्थ-
संवल्लिता.

सूत्रकृताङ्गदीपिका.

(ज. २२६५ ख. ६७) मू-प्रा. प. ६४

(ज. २२६६ ख. ६८) " प. १६१ श्लो. ७७०० ले. १७६६

नि. स १५८३

संघपट्टकं. जिनवज्जभनिर्मितं.

(ज. २२६७ ख. १०७) सं. प. १७ सस्कृतटीकायुतं.

संषयणसुत्तं.

(ज. २२६८ ख. ६६) प्रा. प. १६

(ज. २२६६ ख. १००) प्रा. प. ४६ ले. १७५८ टव्वत्थजुत्तं.

सन्देह-समुच्चयः ज्ञानकलशासकलित.

(ज. २३०० ख. १२४) स. प. १६

सिंहासनद्वात्रिंशत्का.

(ज. २३०१ ख. ४६) सं. प. ४६

म्याद्वाद-मंजरी. मल्लिभूषणविरचिता.

(ज. २३०२ ख. १२१) सं. मुद्रिता. अपूर्णा च.

(ज. २३०३ ख. १०१) सं. प. ७१ श्लो. ३१००

(ज. २३०४ ख. १०२) सं. प. ६० ”

म्यादिशब्दसमुच्चयः अमरचन्द्रनिर्मित

(ज. २३०५ ख. १०३) सं. प. ४४ ले. १५८२

स्वाध्यायः कांतिविजयकृतः

(ज. २३०६ ख. १०४) गु० प. ३

हिरगुल-प्रकरणं. विनयसागरकृतं.

(ज. २३०७ ख. ११७) सं. मुद्रितं, हीरालालहंसराजकृत-

गुजरातीसहितं.

संग्रह-माला. (ख. १२७)

१—क्षेत्रसमाससूत्र.

२—दंडक-स्तवन

३—संग्रहणीसूत्र.

४—मनुष्यक्षेत्र-समास.

५—वेकर जोड़ी वी नवृ'जी

६—आराधना चौपाई.

७—गुणठाणास्तवन.

८—हुँडी-विचार

९—तंत्रीमपदवीस्तवन.

१०—गुणठाणा-स्तवन.

११—कर्मग्रन्थ.

१२—सिद्धान्तमार

१३—चौबीसदंडक.

१४—नवतत्व.

(ज. २३०८—२१)

(१४०)

मुद्रित-ग्रन्थ ।



(विभाग-क)

अहिंसा-दिग्दर्शन. विजयधर्मसूरिकृत.

(ज. २३९५ क. ३०) हि०

अभिधानराजेन्द्र-कोष. विजयराजेन्द्रसूरिकृत.

(ज. २३६६ क. १) प्राकृतशब्दकोष.

अध्यात्म-तत्त्वालोक. न्यायविजयकृत

(ज. २३६७ क. ३१) गु०

अध्यात्म-गीता. देवचन्द्रगणिकृत.

(ज. २३६८ क. १५) गु० छंद. अमीकेंवर कृत गुजराती अर्थ
सहित

अध्यात्मकल्पद्रुम. मुनि सुन्दरसूरिकृत.

(ज. २३६६ क. ३२) गु०

आचाराङ्गसूत्र.

(ज. २४०० क. १६) गु०

आत्महितबोध.

(ज. २४०१ क. ४८) हि०

उपदेश-तरंगिणी. रत्नमन्दिरगणिकृत.

(ज. २४०२ क. ३३) गु०

अष्टक हरिभद्रकृत.

(ज. २४०३ क. ३३) सं०

उपमितिभवप्रपंचाकथा. नाथूरामजीप्रेमीकृत.

(ज. २४०४ क. ४६) हि० प्रथमभाग.

(ज. २४०५ क. ५०) हि० द्वितीयभाग.

(१४१)

कपूर्-प्रकरण हरिकविकृत

(ज. २४०६ क. ५१) सं. गु० अर्थसहित.

कल्पमूत्र विनयविजयकृत.

(ज. २४०७ क. ६) गु०

काव्यानुशासन हेमचन्द्रकृत.

(ज. २४०८ क. ३४) सं. स्वोपज्ञटीकायुक्त

चिकागो-प्रश्नोत्तर विजयानन्दमरिक्कृत

(ज. २४०९ क. २५) हि०

जैनीय-वैराग्य शतक

(ज. २४१० क. ३५) प्रा. रामचन्द्र दीनानाथ कृतगु० सहित.

जैन सम्प्रदाय-शिक्षा श्रीपालचन्द्रकृत.

(ज. २४११ क. १७) हिन्दी.

(ज. २४१२ क. १८) हिन्दी.

जैन-भानु. वल्लभविजयकृत

(ज. २४१३ क. १६) हिन्दी

दुन्दकहित-शिक्षा.

(ज. २४१४ क. ४७) हिन्दी.

द्रव्य-सप्ततिका. लावण्यविजयकृत.

(ज. २४१५ क. २८) प्रा.

द्रव्यानुयोग-तर्कणा. भोजकविकृत

(ज. २४१६ क. १६) सं. स्वोपज्ञ संस्कृतटीका और ठाकुर-

प्रशादजी-कृत हिन्दी सहित

(ज. २४१७ क. २०) " "

(ज. २४१८ क. २१) " "

(ज. २४१९ क. २२) " "

धर्मसर्वस्वाधिकार जयशेखरकृत.

(ज. २४२० क. ५२) सं. गु० अर्थसहित.

(१४२)

कम्तूरी-प्रकरण. हेमविजयगणिकृत.

(ज. २४२१ क. ५२) सं. गु० अर्थ युक्त.

धर्मबुद्धिमन्त्री-पापबुद्धिराजा नुं रास. उदयरत्नकृत.

(ज. २४२२ क. ५३) गु०

न्यायावतार. सिद्धसेनकृत.

(ज. २४२३ क. ५६) सं संस्कृत टीका और इंग्लिश
अनुवाद सहित.

नय-कर्णिका. विनयविजयकृत.

(ज. २४२४ क. ५७) सं. संस्कृतटीका और इंग्लिश अनु-
वादयुक्त.

प्रकरणमाला.

(ज. २४२५ क. २४) प्रा. गु० अर्थ सहित

प्रकरण-रत्नाकर.

(ज. २४२६ क. ८) सं-प्रा-गु० चारों भाग.

प्रतिक्रमणसूत्र

(ज. २४२७ क. १०) प्रा. गु० सहित.

प्रश्नोत्तर-रत्नचितामणि. अनुपचंद मलुकचंद कृत

(ज. २४२८ क. १३) गु०

प्रेक्टिकल साईकोलाजी.

(ज. २४२९ क. ३७) गु०

मीमज्ञानत्रिशका.

(ज. २४३० क. ३८) हिंदी.

(ज. २४३१ क. ३९) हिंदी.

महाजनवंशमुक्तावली. रामलालजी गणिकृत

(ज. २४३२ क. ४०) हिन्दी.

मोक्षमाला. राज्यचन्द्रकृत.

(ज. २४३३ क. ४१) गु०

योगतत्व. हेमचन्द्रकृत.

(ज. २४३४ क. ४२) सं. गु० सहित.

योगशास्त्र. हेमचन्द्रकृत.

(ज. २४३५ क. ४३) सं. केशरविजयकृत गु० सहित.

(ज. २४३६ क. ४४) सं. " "

लोकतत्व-निर्णय. हरिभद्रसूरिकृत.

(ज. २४३७ क. २६) सं. गु० सहित.

लोक-प्रकाश. विनयविजयकृत.

(ज. २४३८ क. ४५) सं. हीरालाल हसराज कृत गु० सहित

१ भाग.

श्रीपालराजानु रास.

(ज. २४३९ क. ११) गु०

शुद्धोपयोग.

(ज. २४४० क. ५८) स. फतेचन्द्र कपूरचन्द लालन कृत-गु० सहित.

सभाष्य-तत्त्वार्थाधिगमसूत्र. उमास्वातिकृत.

(ज. २४४१ क. २३) स. ठाकुरप्रशादजी कृत. हिदी सहित.

सम्यक्त्वशाल्योद्धार. विजयानन्दसूरिकृत.

(ज. २४४२ क. २६) हिदी.

(ज. २४४३ क. २७) हिदी.

सामुद्रिक-शास्त्र.

(ज. २४४४ क. ५४) गु०.

सूक्तमुक्तावली. सोमप्रभकृत.

(ज. २४४५ क. ५५) सं. गु० अर्थसहित.

स्याद्वादानुभवरत्नाकर. चिदानन्दकृत.

(ज. २४४६ क. १२) हिन्दी.

(१४४)

स्याद्वाद-मंजरी. मल्लिषेणकृत.

(ज. २४४७ क. १४) सं. पंडित जवाहरलालजी दि० जैन कृत
हिदी सहित.

हीरसौभाग्य. विमलगणिकृत.

(ज. २४४८ क. ४६) सं. स्वोपज्ञ सस्कृतटीकायुक्त.

समाप्त्यं श्वेताम्बर-जैन-ग्रन्थानां नामावलिः

(१४५)

अन्य सम्प्रदाय-ग्रन्थ ।



(लिखित विभाग-ख.)

अनेकार्थध्वनिमंजरी.

(ज. २३२२ ख. १) सं. प. ६

अष्टाध्यायी. पाणिनिमुनिकृता.

(ज. २३२३ ख. २) स. प. ६-४६.

कादम्बरी. वाणविरचिता.

(ज. २३२४ ख. ३) स. प. १००

कारकचक्र भवानन्दसिद्धान्तवागीशकृतं.

(ज. २३२५ ख. ४) स. प. ६

काव्य-प्रकाशः मम्मटभट्टविरचित

(ज. २३२६ ख. ५) स. प. १३७ श्लो. ५५८७ ले. १६६१,
सरस्वतीतीर्थकृतव्याख्यायुत.

किरातार्जुनीय. भारविनिर्मित.

(ज. २३२७ ख. ६) सं. प. ८६ ले. १६११.

कुवलयानन्दः अप्पदिक्षितविरचितः

(ज. २३२८ ख. ७) स. प. ६४

गीतगोविन्द. हिंदी-पद्य.

(ज. २३२९ ख. ८) प. २२

ज्यवधूतानुभूतिः

(ज. २३३० ख. ९) सं. प. १८

तर्कामृतं. जगदीशभट्टाचार्यविरचितं.

(ज. २३३१ ख. १०) सं. प. २०

दमयन्ती-कथा. त्रिविक्रमभट्टरचिता.

(ज. २३३२ ख. ११) सं. प. ३-३७ अपूर्ण.

नैषधकाव्यं. हर्षकविकृतं.

(ज. २३३३ ख. १२) सं. प. ६७ श्लो. १५८४

(ज. २३३४ ख. १३) सं. प. ६ प्रथमसर्गमात्रं.

न्यायसारः भासर्वज्ञकृतः

(ज. २३३५ ख. १४) सं. प. ११ श्लो. ३६४

परिभाषावृत्तिः पुरुषोत्तविहिता.

(ज. २३३६ ख. १५) सं. प. २० ले. १६१२.

परिभाषेन्दुशेखरः भागोजीभट्टकृतः

(ज. २३३७ ख. १६) सं. प. २५ ले. १६११.

प्रक्रिया-कौमुदी. रामचन्द्रकृता

(ज. २३३८ ख. १७) सं. प. ६२

बलाबलसूत्रवृत्तिः

(ज. २३३९ ख. १८) सं. प. ७.

भूमनिन्दागणभाष्यं.

(ज. २३४० ख. १९) सं. प. ५

भोज-प्रबन्धः बल्लालकृतः.

(ज. २३४१ ख. २०) सं. प. ६४. ले. १८६२.

मित-भाषिणी. माधवकृता.

(ज. २३४२ ख. २१) सं. प. २२ अपूर्ण.

माघकाव्यं. माघकविविरचितं.

(ज. २३४३ ख. २२) सं. प. ११० अपूर्णं मल्लिनाथकृत-

टीकालंकृतं.

(ज. २३४४ ख. २३) सं. प. १०-१०४, १६७-१७२.

माधवानलकथा.

(ज. २३४५ ख. २४ सं प. १५.

मेघदूत. कालिदासकृत.

(ज. २३४६ ख. २५) सं. प. २२ ले. १६१६.

रत्नमाला. परमानन्ददेवकृता

(ज. २३४७ ख. २६) सं. प. ५.

रघुवंशकाव्यं. कालिदासविरचितं.

(ज. २३४८ ख. २७) सं. प. २-६१ अपूर्ण.

विदग्धमुखमंडनं. धर्मदासरचित.

(ज. २३४९ ख. २८) सं. प. १५

वृत्तरत्नाकरः केदारनाथकृत

(ज. २३५० ख. २९) सं. प. १३

शब्द-मंजरी-टीका. कृष्णन्यायवागीशकृता.

(ज. २३५१ ख. ३०) सं. प. ४५

शब्दभेदप्रकाशः

(ज. २३५२ ख. ३१) सं. प. ६

शाकुन्तलनाटकं. कालिदामविरचितं.

(ज. २३५३ ख. ३२) सं. प. ४१

श्रुतबोध' कालिदासकृतः

(ज. २३५४ ख. ३३) सं. प. ६ ले. १७०४

सारस्वत-आख्यातप्रक्रिया.

(ज. २३५५ ख. ३४) सं. प. ७५ ले. १८६०

सिद्धान्तमंजरी. चूड़ामणिभट्टाचार्यकृता.

(ज. २३५६ ख. ३५) सं. प. २४

सिद्धान्तमुक्तावलिः विश्वनाथपंचाननरचिता.

(ज. २३५७ ख. ३६) सं. प. १७ अपूर्ण.

(१४८)

सिंहासनद्वात्रिंशत्का.

(ज. २३५८ ख. ३७) सं. प. २५

सुभाषित-पौराणिकश्लोकाः

(ज. २३५६ ख. ३८) सं. प. ७

हठ-प्रदीपिका. स्वात्मारामयोगेन्द्रविरचिता.

(ज. २३६० ख. ३९) सं. प. १५ ले. १६११

हारावली. पुरुषोत्तमदेवकृता.

(ज. २३६१ ख. ४०) सं. प. १५ ले. १८६३

+ + +

आगमचेष्टा-प्रकरण.

(ज. २३६२ ख. ४१) सं. प. ६ ले. १६७५

चमत्कार-चिन्तामणिः

(ज. २३६३ ख. ४२) सं. प. १० गु० सहिता

चन्द्रार्की.

(ज. २३६४ ख. ४३) सं. प. ३

जन्म-पत्री.

(ज. २३६५ ख. ४४) सं. प. ६५ अपूर्णा.

जन्मपत्री-पद्धतिः

(ज. २३६६ ख. ४५) सं. प. ६६-१२६ अपूर्णा

व्योतिष-रत्नमाला. श्रीपतिकृता.

(ज. २३६७ ख. ४६) सं. प. ५६ परमकारुणिककृतहिन्दी-
सहिता.

(ज. २३६८ ख. ४७) सं. प. ११६ लघुदुंदिकासहिता.

त्रिविक्रमशतं. त्रिविक्रमकृतं.

(ज. २३६९ ख. ४८) सं. प. ५

(१४६)

त्रैलोक्यचक्रं

(ज. २३७० ख. ४६) सं. प. ६

नरपति-जय-चर्या.

(ज. २३७१ ख. ५०) सं. प. ३५ ले. १८८०

बृहज्जातकं. बराहमिहरकृत.

(ज. २३७२ ख ५१) सं. प ५० श्लो. ७३७

बृहज्ज्योतिषार्णव.

(ज. २३७३ ख. ५२) सं + मुद्रितं

मकरन्दविवरणं. दिवाकरकृतं.

(ज. २३७४ ख. ५३) सं. प. १२ ले. १८७६

पट्टपंचाशिका.

(ज. २३७५ ख ५४) सं. प. हिन्दीसहिता.

+ + +

रसरत्नाकर.

(ज. २३७६ ख. ५५) सं. प. २०

स्त्रीप्रयोग.

(ज. २३७७ ख. ५६) हिन्दी प. ८

कालज्ञान.

(ज. २३७८ ख ५७) " प. ३

कोकशास्त्र.

(ज. २३७९ ख. ५८) " प. २८ ले. १८७४

(ज. २३८० ख ५९) " " ३१

(ज २३८१ ख. ६०) " " ५१-८६

पाशाकेवली.

(ज. २३८२ ख. ६१) " " ५

(ज. २३८३ ख. ६२) " " ३

(१५०)

(ज. २३८४ ख. ६३) ” ” ६

(ज. २३८५ ख. ६४) ” ” १७

(ज. २३८६ ख. ६५) ” ” २३

मुष्टिमन्त्र.

(ज. २३८७ ख. ६६) ” ” ४

शकुनावली.

(ज. २३८८ ख. ६७) ” ” १०

(ज. २३८९ ख. ६८) ” ” २

स्वप्नचिन्तामणि, जगदेवकृत.

(ज. २३९० ख. ६९) सं. प. ५५

स्वप्राध्याय.

(ज. २३९१ ख. ७०) सं. प. ४

(ज. २३९२ ख. ७१) हि०

संगीत-विनोदसार.

(ज. २३९३ ख. ७२) प. १८

संस्कृत-पत्री.

(ज. २३९४ ख. ७३) प. २८

(विभाग-क)

२३९५ ख. ७४

अभिज्ञान-शांकुंतल, कालिदासकृत.

(ज. २४४६ क. ३६) सं. राघवभट्टकृतसंस्कृत टीका सहित.

अमरकोष, अमरसिंहकृत.

(ज. २४५० क. १२०) सं.

अमृतसागर.

(ज. २५०५ क. १४)

(१५१)

(ज. २५२३ क. १५)

(ज. २५८२ क. १६)

अनुराग-रहस्य.

(ज. २५८४ क ११७)

आल्हा-खंड.

(ज. २४५१ क. ४) हिंदी.

आरोग्यदिग्दर्शन.

(ज. २४५७ क. ६५)

ईसाब-नीति.

(ज. २५६६ क. ३५)

उत्तररामचरित. भवभूतिकृत.

(ज. २४५४ क. ३७) सं. वीरराघव कृत सस्कृतटीका सहित.

उपनिषदार्यभाष्य. आयुमुनिकृत हिंदी सहित.

(ज. २४५५ क. ५) सं. प्रथम खंड.

(ज. २४५६ क. ६) सं. द्वितीय खंड.

(ज. २४५७ क. ६) सं. तृतीय खंड.

उपदेश-कुसुम.

(ज. २५३५ क. ७८)

उद्योग-प्रारब्ध-विचार.

(ज. २५५४ क. ९१)

ऋतुसंहार. कालिदासकृत.

(ज. २४५२ क. ७२) स. मणिरामकृत सस्कृतटीकासहित.

ऐतिहासिक-स्त्रियां.

(ज. २५३८ क. ७६)

औषधिसार-यूनानी.

(ज. २५१८ क. २९)

किरातार्जुनीय. भारविकृत.

(ज. २४५८ क. ३८) स. मलिनाथकृतटीकायुक्त.

कठिनाई मे विद्याभ्यास.

(ज. २४७३ क. ७०)

(ज. २४७५ क. ८६)

(ज. २४७६ क. ६०)

(ज. २४७७ क. ६१)

(ज. २४७८ क. ६२)

(ज. २४७९ क. ६३)

(ज. २४८० क. ६४)

कन्यापाक-शास्त्र.

(ज. २४७८ क. ८६)

(ज. २४७९ क. ८७)

(ज. २५७४ क. ८५)

कन्याभजन-भंडार.

(ज. २४८२ क. ११०)

केरलीय-जातक.

(ज. २५२६ क. १०६)

केरलमत-प्रश्न-संग्रह.

(ज. २५४० क. ५६)

कौतुकमाला-बोधवचन.

(ज. २५५१ क. ६७)

कन्यादिन-चर्या.

(ज. २५७३ क. ८४)

गुलशनपाकदामनादि.

(ज. २५०४ क. १३)

(१५३)

गर्भाधान-विधि.

(ज. २५३१ क. ६०)

चम्पूभारत. अनंतभट्टकृत.

(ज. २४५६ क. ३६) स. रामचन्द्रकृतटीकायुक्त.

चौरासी-आसनयोग.

(ज. २५४४ क. ६८)

चाणिक्यनीति-दर्पण.

(ज. २५५८ क. ५४)

जादृगर

(ज. २५६१ क १०४)

टेली-शाफ-बुक.

(ज. २५३२ क ११६)

तिब्बे-इहमानी

(ज २४६० क. ४७)

त्रिवेणी.

(ज. २४८४ क १२२)

दियातले अंधेरा

(ज २४८३ क. ७५)

दृष्टान्तप्रदीपिनी

(ज २५१० क २३)

धात्रीकर्म-प्रकाश.

(ज. २५६२ क ८०)

निघटु-भाषा.

(ज. २५११ क. २२)

नारायणी-शिक्षा.

(ज. २५१६ क. २७)

नीति-सूत्रें.

(ज. २५२८ क. ११८)

पंच-तंत्र. विष्णुशर्मा कृत.

(ज. २४६१ क. ४०) सं. ज्वालाप्रशादकृत हिंदीसहित.

पंचीकरण.

(ज. २४६२ क. ६६) हिंदी.

प्रेमशतक.

(ज. २४८५ क. १२३)

पदार्पण.

(ज. २४६५ क. १३३)

प्रतिभा.

(ज. २४६६ क. ६६)

पचासवर्षके नीलामो के दहाड़े.

(ज. २५४५ क. ५७)

पंचांग-दीपिका.

(ज. २५६८ क. ११२)

प्रेम-पथिक.

(ज. २५७१ क. ८१)

फिर निराशा क्यों.

(ज. २५२७ क. ७७)

वंगीय-सार्वधर्म-परिषद्.

(ज. २४७६ क. ७४)

बालिका-विनय.

(ज. २४८८ क. १२६)

(ज. २४८६ क. १२७)

धनस्पति आहार थी यता फायदा.

(ज. २५३६ क. ११४)

(१५५)

बालतंत्रवैद्यक.

(ज. २५५६ क. ५५)

भर्तृहरि-शतक. भर्तृहरिकृत.

(ज. २४६३ क. ७) सं. संस्कृत हिंदीटीकायुत.

भावना-लहरी.

(ज. २४९३ क. १३१)

(ज. २४६४ क. १३२)

मूर्ति-पूजा. हरिप्रसादकृत.

(ज. २४६४ क. ४१) सं.

मेघदूत. कालिदासकृत.

(ज. २४६५ क. ४२) सं. मल्लिनाथकृत संस्कृतटीका सहित.

महात्मा-गौधी.

(ज. २४८६ क. १२४)

(ज. २४८७ क. १२५)

मेघ-माला.

(ज. २४६८ क. १११)

मनुस्मृति.

(ज. २५०१ क. ३) ज्वालाप्रसाद मिश्र कृत हिंदी सहित.

मोहिनी.

(ज. २५२४ क. ८३)

मुञ्जलिम-सितार.

(ज. २५६४ क. १०३)

मोती-काव्य.

(ज. २५७० क. ५८)

मनोरंजक-कहानियाँ.

(ज. २४७५ क. ७६)

योग-चिन्तामणि. हर्षकीर्तिकृत.

(ज. २५०३ क. १२) गणेशशर्मा कृत हिंदी सहित.

योग-महिमा.

(ज. २५२६ क. ११६)

योग दर्शन.

(ज. २५५५ क. ५०)

योग-रसायन.

(ज. २५६५ क. ६८)

रघु-वंश. कालिदासकृत.

(ज. २४६६ क. ४३) सं मल्लिनाथ कृत संस्कृत-टीकायुक्त.

रमल-चिन्तामणि.

(ज. २५०८ क. १६)

रमल-गुलजार.

(ज. २५१३ क. २४)

रमल-ज्योतिष-मार्ग.

(ज. २५२१ क. ३२)

राजनीति पंचोपाख्यान.

(ज. २५४१ क. ६७)

(ज. २५४७ क. ६६)

रामायण

(ज. २५८१ क. १)

लुकमानी-इलाज.

(ज. २५२२ क. ३३)

लक्ष्मणबोध-नाटक.

(ज. २५३३ क. ६६)

विदग्ध-मुख-मंडन. धर्मदासकृत.

(ज. २४६७ क. ४४) सं. स्वकृतसंस्कृतटीकायुक्त.

वैद्यसार-संग्रह.

(ज. २४६८ क. ८) म

वियोगिनी.

(ज. २४०० क. ६३)

वैद्य-जीवन.

(ज. २५१४ क. २५)

विदुर-नीति.

(ज. २४३४ क. १०५)

वाग्णी-विलास.

(ज. २४४८ क. ६४)

व्याकरण की उपक्रमणिका.

(ज. २५५६ क. ५३)

व्यापार-समाचार.

(ज. २५९३ क. ११५)

विचित्र-स्त्री-चरित्र.

(ज. २४६६ क. १२१)

शृङ्गार-तिलक. कालिदासकृत.

(ज. २४५३ क. ७०) सं.

शिव-महापुराण. ज्वालाप्रसाद मिश्र कृत.

(ज. २४६६ क. ६) हि०

शिशु-पालन.

(ज. २४७७ क. ७३)

शिक्षा-मणि.

(ज. २५१६ क. ३०)

शिव-स्वरोदय

(ज. २५२० क. ३१)

शब्द-रूपावली.

(ज. २५२५ क. ३४)

शरीर-पुष्टि-विधान.

(ज. २५३७ क. १०८)

शिवस्वरोदय.

(ज. २५४६ क. ४६)

शिवबोध.

(ज. २५५३ क. ५०)

शिक्षा.

(ज. २५१५ क. २६)

सुभाषितरत्नभंडागार.

(ज. २४७० क. १०) सं.

स्वप्न-प्रकाशिका.

(ज. २४७१ क. ६१) सं. हिंदीसहित.

स्त्री-दर्पण.

(ज. २४७२ क. ४८)

सखी-देवियाँ.

(ज. २४८० क. १०२)

सुशीला-कन्या.

(ज. २४८१ क. १०९)

सेवा-धर्म.

(ज. २४६० क. १२८)

(ज. २४६१ क. १२६)

समर्पण.

(ज. २४६२ क. १३०)

संयुक्त-ग्रान्त-प्रदर्शिनी.

(ज. २४६६ क. ६२)

(१५६)

सायुद्धिक-शास्त्र.

(ज. २५०२ क. ११) सं. राधाकृष्ण मिश्र कृत हिंदी सहित.

दुरताल-समूह.

(ज. २५०६ क. १७)

त्री-प्रबोधिनी.

(ज. २५०६ क. २०)

मालिगा-सलेष्टक.

(ज. २५१० क. २१)

त्री-शिक्षा-शिरोमणि.

(ज. २५१७ क. २८)

सभाविलास.

(ज. २५३० क. १०७)

सूर्यपुराणादि २१ रत्न.

(ज. २५३६ क. १००)

सन्तान-कल्प-द्रुम.

(ज. २५४२ क. ७१)

सती-सावित्री.

(ज. २५४३ क. ५६)

सत्कुलाचरण.

(ज. २५४६ क. १०१)

स्वास्थ्य-सहाय.

(ज. २५५० क. ८८)

वाधीनता.

(ज. २५५२ क. ६५)

संस्कृत-प्रवेशिका

(ज. २५६७ क. ११३)

(१६०)

सदाचारी बालक.

(ज. २५७२ क. ८२)

सहस्र रजनी-चरित्र.

(ज. २५८३ क. २)

हठयोग-प्रदीपिका.

(ज. २५०७ क. १८)

हितोपदेश. नारायण पंडित.

(ज. २५५७ क. ४५) रामेश्वर भट्ट कृत हिन्दी सहित.

(ज. २५६० क. ४६) कन्हैयालाल पंडित कृत. हिन्दी सहित.

समाप्तेयं-अजैन ग्रन्थानां नामावलिः ।

(सं० १६८८ कार्तिक वदी ५५ वी० नि० २४५७ पूरण)
